E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -98 | प्रयागराज, बुधवार 25 जून, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प का दावा- ईरान और इजराइल में सीजफायरःईरान ने खारिज किया; इजराइल पर आज 6 बार बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, 3 की मौत

नयी दिल्ली। ट्रम्प के सीजफायर के ऐलान के बाद से ईरान ने इजराइल पर 6 बार मिसाइलों से हमला किया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, और छठे हमले में दागीं गईं मिसाइलें अभी इजराइल तक पहुंची नहीं हैं। कान न्यूज के मुताबिक, ईरान ने अब तक 11 से ज्यादा मिसाइलें दागीं है।डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर हमला

एक मिसाइल बीर्शेबा शहर में एक इमारत पर गिरी। मेडिकल टीम ने बताया कि 3 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई घायल हुए हैं।इससे पहले ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने इजराइल के साथ सीजफायर की खबरों को खारिज किया था। उन्होंने कहा कि इजराइल के साथ अभी कोई अंतिम युद्धविराम समझौता नहीं हुआ है। अगर इजराइल, हमले रोक देता है, तो ईरान भी हमले नहीं करेगा।इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार तड़के 3:30 बजे ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर का दावा किया था। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा- 'मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि इजराइल और ईरान के बीच सीजफायर अब से 6 घंटे बाद लागू होगा। पहले 12 घंटे के लिए ईरान हथियार डालेगा। फिर अगले 12 घंटे के लिए इजराइल हमला नहीं करेगा और जंग आधिकारिक रूप से खत्म हो जाएगी।'वहीं, न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइली सेना के प्रवक्ता

ने सीजफायर को लेकर ट्रम्प के बयान पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।ट्रम्प के ऐलान से कुछ घंटे पहले ही ईरान ने कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयर मिलिट्री बेस पर 19 मिसाइलें दागीं थीं। हालांकि, इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ, क्योंकि ईरान ने हमले से पहले ही इसके बारे में अलर्ट जारी कर दिया था।इजराइली सेना के मुताबिक, ईरान ने आज 6 बार मिसाइलें दागीं हैं। इनमें से 3 बार कुल 8 मिसाइलें दागी गई, जो अब तक इजराइल पहुंची हैं।ईरान की ओर चौथे, पांचवें करने वाले बी2 बॉम्बर पायलटों की तारीफ की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा- हम आज की इस डील को हमारे शानदार बी-2 पायलटों की प्रतिभा और बहादुरी के बिना नहीं कर सकते थे। उस देर शाम हुआ सटीक हमला सभी को एक साथ ले आया और डील हो गई।हालांकि अमेरिकी न्यूज वेबसाइट ओपन सोर्स इंटेल ने दावा किया कि ट्रम्प के ऐलान के मुताबिक ही सीजफायर अगले 5 मिनट में लागू होने वाला है। लेकिन जो मिसाइलें पहले ही छोड़ी जा चुकी हैं, वे शायद सीजफायर के बाद गिरेंगी।ईरान ने इजराइल पर मंगलवार को चौथी बार बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। ईरानी सेना ने इसकी पुष्टि की है। देशभर में सायरन अलर्ट बज रहे हैं।ईरान ने इजराइल पर मंगलवार को चौथी बार बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। ईरानी सेना ने इसकी पुष्टि की है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल और ईरान के बीच सीजफायर का ऐलान किया था, जिसे ईरान ने खारिज कर दिया।इजराइल में पिछले एक घंटे में तीसरी बार साइरन बज रहे हैं। इस दौरान सरकार की ओर से अलर्ट भेजा गया है। सभी नागरिकों को बंकर में रहने की सलाह दी गई है। इजराइली सेना के मुताबिक अब तक ईरान की तरफ से इजराइल पर 8 मिसाइलें दागी जा चुकी हैं।कान न्यूज के मुताबिक, ईरान ने इजराइल पर एक और मिसाइल हमला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चार बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं, जिनमें से एक मिसाइल बीर्शेबा में आकर गिरी। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। ट्रम्प के सीजफायर के ऐलान के बाद ईरान ने पहली बार इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यह ईरान की तरफ से इजराइल पर किया गया 25वां मिसाइल हमला है।ईरान के विदेश मंत्री ने साफ कहा है कि अब तक किसी भी समझौते पर उनकी ओर से सहमति नहीं दी गई है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अगर इजराइल अपनी तरफ से हमले रोक देता है, तो ईरान भी मिसाइलें दागना बंद कर देगा।वहीं, इजराइल का कहना है कि वह ईरानी इलाके में अपने टारगेट्स पर हमले करता रहेगा। अल जजीरा के मुताबिक इजराइली अधिकारियों ने मीडिया से कहा कि कि ईरान के भीतर अभी कई ऐसे ठिकाने हैं जिन्हें वे निशाना बनाना चाहते हैं, और जिन पर अब तक हमला नहीं किया जा सका है।हालांकि अधिकारियों का कहना है कि उनका सबसे अहम मकसद ईरान की परमाणु क्षमता को कम करना था। यह काफी हद तक पूरा हो चुका है। लेकिन चूंकि मिसाइलें अब भी इजराइल की ओर आ रही हैं, इसलिए जंग की स्थिति अब भी बनी हुई है और ऐसा लगता है कि यह संघर्ष अभी जारी रहेगा।अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक और पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने लिखा है कि इजराइल और ईरान दोनों ही देश उनके पास शांति का प्रस्ताव लेकर आए थे।ट्रम्प ने लिखा- मुझे उसी समय समझ आ गया था कि अब शांति का समय आ चुका है। मिडिल ईस्ट ही असली विजेता है। ट्रम्प ने आगे लिखा कि अगर वे इस रास्ते से हटते हैं तो उन्हें बहुत कुछ खोना पड़ेगा।ट्रम्प ने एक और पोस्ट में यह तस्वीर शेयर की है...अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल के पीएम नेतन्याहू और ईरान के अधिकारियों से बात करने के बाद अचानक इजराइल-ईरान के बीच सीजफायर की घोषणा कर दी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि इस ऐलान से कई सीनियर अधिकारी भी हैरान रह गए।अधिकारी के मुताबिक, ट्रम्प को इस समझौते के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उनके विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की मदद मिली, जो पिछले दो महीनों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बातचीत चला रहे थे।इजराइली सेना के मुताबिक ईरान ने इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है। फिलहाल इस हमले में किसी ने कुछ समय के लिए अपना एयर स्पेस बंद कर दिया था।अमेरिका में राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने ईरान और इजराइल को ऐतिहासिक बताया है और इसकी तारीफ की है। उन्होने कहा कि यह राष्ट्रपति ट्रम्प की बहुत ज्यादा कोशिशों की वजह से मुमकिन हुआ है।कुछ दिन पहले राष्ट्रपति ट्रम्प ने तुलसी गबार्ड पर नाराजगी जाहिर की थी। दरअसल, वे उनके एक बयान से नाराज हो गए थे जिसमें गबार्ड ने कहा था कि फिलहाल ईरान परमाणु हथियार नहीं बना रहा है। इसके बावजूद, मौजूदा हालात में ट्रम्प और गबार्ड दोनों ही इस सीजफायर को एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देख रहे हैं।इराक के अल सुमारिया टीवी नेटवर्क के मुताबिक, इमाम अली एयरबेस के रडार सिस्टम को निशाना बनाया गया है। हालांकि चैनल ने यह जानकारी नहीं दी कि यह हमला किसने किया।यह एयरबेस इराक के थी कार राज्य में है। इमाम अली बेस इराक की वायुसेना का एक अहम सैन्य ठिकाना माना जाता है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि हमले में कितना नुकसान हुआ है या कोई हताहत हुआ है या नहीं।ईरान के विदेश मंत्री ने एक और बयान जारी किया है।

बिलबिलाते रह गए बिलावल भुट्टो, सिंधु जल संधि पर वर्ल्ड बैंक में भी पाकिस्तान के खिलाफ भारत का एक्शन शुरू

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री ने बिलावल भुट्टो ने एक बार फिर से सिंधु जल संधि रोकने के भारत के फैसले के खिलाफ गीदड़भभकी देने की कोशिश की थी। लेकिन, भारत ने अपने फैसले पर आगे के कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। भारत पहले ही सिंधु घाटी के नदियों के पानी को नहरों के माध्यम से अपने कई राज्यों तक पहुंचाने की नीति पर काम करना शुरू कर दिया था। अब विश्व बैंक से भी कह दिया है कि किशनगंगा और रतले जलविद्युत परियोजनाओं को लेकर जो मामले पहले से उसके पास लंबित हैं, उसकी प्रक्रिया पर तत्काली विराम लगा दे, क्योंकि अब वह सिंधु जल संधि को ठंडे बस्ते में डाल चुका है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने वहां की नेशनल असंबेली में फिर से सिंधु जल संधि रोकने के भारत के फैसले पर धमकाने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, 'भारत के पास दो विकल्प हैं। सही से पानी साझा करे या हम सभी 6 दरिया ले लेंगे।...हम जंग नहीं चाहते, लेकिन अगर पानी को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा...तो पाकिस्तान कार्रवाई करने को बाध्य होगा और हम पहले की तरह ही भारत को हराने की स्थिति में हैं।'केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही साफ कर चुके हैं, भारत ने सिंधु जल संधि पर जो रोक लगाई है, वह अब कभी फिर से

बहाल नहीं होने वाला। अब इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट आई है, जिसके अनुसार भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने के बाद विश्व बैंक (वर्ल्ड बैंक) के एक्सपर्ट की कार्रवाही पर रोक लगाने की मांग की है। यह कार्रवाई किशनगंगा और रतले पनबिजली परियोजनाओं को लेकर चल रही है। भारत सरकार ने विश्व बैंक के न्यूट्रल एक्सपर्ट मिशेल लिनो को पत्र लिखकर रतले और किशनगंगा जलविद्युत विवादों पर कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया है। सरकार ने यह फैसला इस समझौते को निलंबित करने के बाद लिया है। लिनो ने इस मामले पर पाकिस्तान से राय मांगी थी, जिसका पाकिस्तान ने विरोध किया है।साल 2022 से लिनो जम्मू और कश्मीर में बन रही दो भारतीय जलविद्युत परियोजनाओं - किशनगंगा (किशनगंगा नदी पर) और रतले (चिनाब नदी पर) से जुड़े विवादों की सुनवाई कर रहे हैं। लिनो एक फ्रांसीसी बांध इंजीनियर हैं। वह हाल तक इंटरनेशनल कमीशन ऑन लार्ज डैम्स के अध्यक्ष थे। विश्व बैंक ने उन्हें 13 अक्टूबर, 2022 को सिंधु जल समझौते के अनुच्छेद IX और अनुबंध एफ के तहत नियुक्त किया था। उनका काम भारत और पाकिस्तान दोनों की बात सुनना और यह तय करना है कि क्या इन परियोजनाओं का डिजाइन संधि का पालन करता है। पाकिस्तान हमेशा से भारत पर संधि के नियमों के उल्लंघन के नाम पर विकास कार्यों को बाधित करने की कोशिश करता आया है।पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फैसला किया है कि सिंधु जल संधि को 'जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपना समर्थन विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता' तब तक निलंबित रखा जाएगा। इसके बाद, भारत सरकार ने औपचारिक रूप से लिनो को सूचित किया और उनसे किशनगंगा और रतले विवादों से संबंधित 'वर्क प्रोग्राम' को रद्द करने का अनुरोध किया।इस बीच, सूत्रों के अनुसार सरकार ने सिंधु नदी प्रणाली से पानी को विभिन्न भारतीय राज्यों में मोड़ने के लिए एक नहर बनाने की योजना बनाई है। इसने बगलीहार और सलाल में दो फ्लशिंग एक्सरसाइज भी किए हैं। ये चिनाब नदी पर बने रन-ऑफ-द-रिवर जलविद्युत परियोजनाएं हैं। इनका मकसद तलछट (गाद) को साफ करना है, जो बिजली उत्पादन में बाधा डालती है। सलाल 1987 में और बगलीहार 2008-09 में बनने के बाद ये पहली बार है कि इस तरह से सफाई की कोशिश की गई है। पाकिस्तान पहले सिंधु जल संधि के बहाने अपनी आपत्तियां जताकर ऐसी गतिविधियों को रोक दिया करता था। अधिकारियों का कहना है कि अब हर महीने फ्लशिंग की जाएगी।इस बीच सरकार चिनाब पर चार जलविद्युत परियोजनाओं - पाकल दुल (1,000 मेगावाट), रतले (850 मेगावाट), किरू (624 मेगावाट) और क्वार (540 मेगावाट) को तेजी से पूरा करने की कोशिश भी शुरू कर चुकी है। पाकल दुल जम्मू और कश्मीर में बनने वाली पहली स्टोरेज-आधारित जलविद्युत परियोजना है।

ईरान गए 43 अकीदतमंदों की 26 को वापसी, यूपी के सभी लोग सुरक्षित अमर उजाला को बताए हालात

लखनऊ। ईरान में जारी तनाव और युद्ध के हालात के बीच एक

अच्छी खबर है। संभल और अमरोहा से गए 43 अकीदतमंद इराक के रास्ते 26 जून को वतन वापसी करेंगे। यह सभी यात्री पूरी तरह से सुरक्षित हैं और भारतीय दूतावास की सतर्कता से इनकी वतन वापसी की प्रक्रिया शुरू हो गई है।वहीं, ईरान में फंसे छात्रों और अन्य अकीदतमंदों की वतन वापसी भी आपरेशन सिंधू के तहत जल्द होने वाली है। संभल जिले के सिरसी के रहने वाले मौलाना मो. अब्बास के जत्थे में 15 और अमरोहा से मीसम हुसैन के नेतृत्व में 28 लोगों का दल ईरान-ईराक के पवित्र स्थलों की यात्रा पर निकला था।यात्रा के दौरान यह जत्था ईरान में था, तभी वहां के हालात खराब हो गए। इसी बीच जत्थे में शामिल सभी लोग सुरक्षित तरीके से इराक चले गए। इराक में करबला, नजफ, काजमैन और बगदाद जैसे शहरों में इन्होंने जियारत की। इनकी वापसी होनी थी, लेकिन ईरान की तरह ही इराक का भी हवाई क्षेत्र बंद चल रहा है। जिससे इनकी वापसी नहीं हो पाई। 26 जून को वतन वापसी कर रहे इन अकीदतमंदों के परिजनों ने भी राहत की सांस ली है कि सभी लोग संपर्क में और सुरक्षित हैं। हालांकि ईरान में जो अकीदतमंद हैं उनके परिजनों की चिंता बनी हुई है और वे चाहते हैं कि जल्द से जल्द सभी सकुशल भारत लौट आएं।मौलाना मो. हुसैन ने अमर उजाला को बताया कि जत्थे में मुरादाबाद, संभल और अमरोहा के 43 तीर्थयात्री 26 जून को भारत वापस लौटेंगे। बगदाद और नजफ का अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बंद होने के कारण इनकी वापसी बसरा एयरपोर्ट से होगी। सभी लोग पूरी तरह से सुरक्षित हैं और दूतावास के संपर्क में भी बने हुए हैं। दूतावास की मदद से ही वतन वापसी संभव हो पा रही है।मौलाना इजहार का कहना है कि मंडल के सैकड़ों छात्र और तीर्थयात्री ईरान के तेहरान, कुम, मशहद जैसे शहरों में हैं।

लखीमपुर खीरी में बाघ ने 12 साल के बालक को मार डाला, कान समेत सिर का मांस नोच खाया था

लखीमपुर। खीरी जिले में बाघ के हमले से गंभीर घायल हुए कुकरा गांव निवासी प्रदीप कुमार (12) की मौत

हो गई। गंभीर हालत होने पर परिजन उसे लखनऊ ले गए थे। उपचार के दौरान मंगलवार सुबह प्रदीप ने दम तोड़ दिया। उसकी मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। गोला रेंजर संजीव तिवारी ने बताया कि बांकेगंज-कुकरा मार्ग किनारे सोमवार शाम बाघ के हमले में घायल हुए बालक प्रदीप के इलाज के लिए वन विभाग की टीम ने उसके चाचा वीरेंद्र कुमार को 27 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी थी। मंगलवार सुबह नौ बजे लखनऊ के ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों को वन विभाग की ओर से नियमानुसार पांच लाख मुआवजे की धनराशि दिलाई जाएगी। दक्षिण खीरी वन प्रभाग की गोला रेंज के पास कुकरा गांव निवासी मोहन लाल का पुत्र प्रदीप कुमार (12) सोमवार शाम चार बजे अन्य साथियों के साथ कुकरा मार्ग किनारे हैप्पी सिंह के खेत में घास काटने गया था। इस दौरान गन्ने के खेत से निकले बाघ ने किशोर पर हमला कर दिया। बाघ ने प्रदीप के कान समेत सिर से मांस नोच खाया था। गर्दन, पीठ, कंधे और दाहिने हाथ पर भी गहरे जख्म हुए थे। परिजन उसे सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां से लखनऊ रेफर कर दिया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची वनकर्मियों की टीम ने प्रदीप पर बाघ के हमले की पुष्टि की। आबादी के पास बाघ की सक्रियता से ग्रामीणों में दहशत है। उनका कहना है कि क्षेत्र में पिछले दो माह के अधिक समय से सक्रिय बाघ चहलकदमी करता दिखाई दे रहा है। वहीं, वन विभाग की टीम निगरानी करने तक सीमित है।घटनास्थल सड़क से चंद कदमों की दूरी पर है। बाघ के हमले की जानकारी पर राहगीरों में भी अफरा-तफरी मच गई थी।

प्रयागराज में सुहागरात पर दुल्हन की धमकी टच किया, तो 35 टुकड़े करेंगे,कहती थी,मैं दूसरे की अमानत, दीवार फांदकर भागी

प्रयागराज।दुल्हन ने सुहागरात पर पति को चाकू दिखाकर धमकी

दी- अगर मुझे टच भी किया, तो 35 टुकड़ों में मिलोगे। मैं किसी और की अमानत हूंष्ठ। इस धमकी के बाद दूल्हा डर की वजह से हनीमून पर नहीं गया।चाकू दिखाकर धमकियां देने का सिलसिला 3 रातों तक चला। दहशत और बेइज्जती के साए में पति बंद कमरे में घुटता रहा। दुल्हन के ड्रामा के बारे में 3 मई को अपनी मां को बताया। घर में हंगामा शुरू हुआ, तो दुल्हन ने साफ-साफ कह दिया- मेरा लव अफेयर है, मुझे मेरे बॉयफ्रेंड अमन के पास भेज दो।आखिरकार ये मामला थाने तक पहुंचा, पंचायत भी हुई, मगर इस बीच दुल्हन आधी रात को घर की दीवार से कूदकर अपने बॉयफ्रेंड के साथ भाग गई। अब पति और परिवार वाले थाने के चक्कर काट रहे हैं।एडीए कॉलोनी में दो मंजिला मकान में राम आसरे निषाद का परिवार रहता है। राम आसरे ने अपने बेटे कप्तान निषाद की शादी 29 अप्रैल, 2025 को करछना डीहा के रहने वाले लक्ष्मी नारायण निषाद की बेटी सितारा से की थी। 30 अप्रैल को विदाई हुई और दुल्हन घर आ गई। 2 मई को धूमधाम से रिसेप्शन की पार्टी हुई। तब तक पति-पत्नी के बीच क्या चलता रहा, ये किसी को नहीं पता था। राम आसरे के मुताबिक, 3 मई को घर में मेरी पत्नी और बेटा किसी बात को लेकर चिल्ला रहे थे। मेरी पत्नी रो रही थी, तब हमें पता चला कि मेरी बहू, मेरे बेटे के साथ रहना ही नहीं चाहती है। हमने प्यार से बहू को उसके कमरे से बुलाया। पूछा कि क्या हो गयाष्ठ। उसने साफ-साफ कह दिया कि मैं तो अमन से प्यार करती हूं। उसी के साथ रहना चाहती हूं। वही मेरे साथ सुहागरात मना सकता है, कोई और नहीं। इसके बाद हमने अपने समधी को फोन किया। उनको बुलाया। 25 मई को दोनों परिवारों के लोग एक साथ बैठे। उन्होंने अपनी बेटी सितारा को समझाया, मगर कोई फायदा नहीं हुआ। फिर हमने कुछ मोहल्ले के लोगों को भी घर बुलाया।

हाई सिक्योरिटी सेल में नहीं दिखा अतीक का बेटा,नैनी जेल में हड़कंप, लखनऊ कंट्रोल रूम में सीसीटीवी देख डीजी ने कॉल की

प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल में सोमवार सुबह करीब 7.30 बजे

लखनऊ कंट्रोल रूम से डीजी जेल पीसी मीणा का फोन आया। डीजी ने जेल स्टाफ से पूछा- अली कहां है? अपनी सेल में नहीं दिख रहा। इतना सुनते ही जेल में हड़कंप मच गया। महिला सिपाही ने जेल वार्डर को बताया तो वार्डर और जेलकर्मी भागते हुए सेल के पास पहुंचे।जेल स्टाफ ने दरवाजे से झांक कर देखा तो अली सेल में नहीं दिखा। जेलकर्मी ने आवाज लगाई... अली... अली। दो मिनट के बाद अली सेल में बने खंभे के पीछे से निकला। अली को देख वार्डर और सिपाही ने राहत की सांस ली। कंट्रोल रूम को अली के बैरक में होने की जानकारी दी।नैनी सेंट्रल जेल की हाई सिक्योरिटी सेल में अली के पास से कैश मिलने के बाद उसे फांसी घर यानी विशेष सुरक्षा कक्ष (2) में शिफ्ट कर दिया गया था। कड़ाई और सख्ती के बाद सीसीटीवी के जरिए जेल मुख्यालय से अली की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।सोमवार की सुबह करीब 7.30 बजे नाश्ते का समय था। अली को नाश्ता दिया गया। अली अपनी सेल की कोठरी के बगल बने खंभे की आड़ में बैठकर नाश्ता कर रहा था। उस दौरान मुख्यालय की सीसीटीवी से की जा रही निगरानी में अली दो मिनट के लिए ओझल हो गया। फिर क्या? मुख्यालय से डीजी का फोन सेंट्रल जेल में लगे सीसीटीवी कंट्रोल रूम में आ गया।वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंग बहादुर ने कहा- 'नैनी सेंट्रल जेल के अंदर सीसीटीवी लगे हैं। अंदर कुछ कैमरों में कमियां थीं, जिसे सही कराया गया है। अली की हाई सिक्योरिटी सेल में अलग कैमरे हैं। वह अंदर नाश्ता कर रहा था। खंभे की आड़ की वजह से उस वक्त वह दिखाई नहीं दिया था। फिलहाल सबकुछ नॉर्मल है।'

वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत का कोच बना झरना

प्रयागराज। वाराणसी से नई दिल्ली के बीच सुबह 6 बजे चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में पानी

घुसने का वीडियो एक्स पर पोस्ट किया गया है। यात्री दर्शील मिश्रा के द्वारा एक्स पर डाले गए वीडियो में सी-7 कोच में पानी झरने की तरह सीट नंबर 76 पर गिरता दिख रहा है। इस दौरान ट्रेन का एसी भी काम नहीं कर रहा था। यात्रियों ने इसकी शिकायत रेल मदद पर भी की पर कोई मदद नहीं मिली और नई दिल्ली तक उन्हें ऐसे ही सफर करना पड़ा।यात्रियों ने कहा भारत की पहली सेमी हाई स्पीड ट्रेन में लगातार खामियां देखने को मिल रही है। अक्सर एसी की खराबी की शिकायतें आने के बावजूद इसपर ध्यान नहीं दिया जा रहा है जो सरकार का फेलियोर है।यात्री दर्शील मिश्रा ने बताया- ट्रेन संख्या 22415 वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 6 बजे वाराणसी से नई दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। इस दौरान बारिश हो रही थी। प्रयागराज पहुंचने पर बारिश तेज हो गई और सी-7 बोगी की सीट नंबर 76 के ऊपर छत से पानी अंदर आने लगा। और अचानक से कूलिंग भी कम हो गई।दर्शील ने बताया- इसकी सूचना रेल कर्मियों को दी तो उन्होंने अगले स्टॉप पर उसे ठीक करने को कहा; पर तब तक पानी झरने की तरह अंदर आने लगा था। इसपर रेलवे के एक्स हैंडल रेल मदद पर ट्वीट किया पर कोई सहायता नहीं मिली और ऐसी भी न के बराबर चलता रहा। उसी तरह हमें नई दिल्ली तक सफर करना पड़ा।यात्री सुरेश चौहान ने कहा- सेमी हाई स्पीड ट्रेन सिर्फ नाम को है। बाकी आये दिन एसी खराब होना। इंजन फेल होना। लाइट बंद हो जाना। वंदे भारत एक्सप्रेस का यही हाल है। आज तो स्थिति और बदतर हो गई जब रोडवेज बस की तरह छत से पानी आने लगा। सोमवार की सुबह वाराणसी से रवाना हुई वंदे भारत ट्रेन का यह वीडियो बताया गया है।

प्रयागराज में दहेज के लिए विवाहिता की हत्याःमां का आरोप- बेटी को मारकर फंदे से लटकाया, पति समेत तीन गिरफ्तार

प्रयागराज। हंडिया तहसील क्षेत्र के मर्रो गांव में दहेज हत्या के

सनसनीखेज मामले में सरायममरेज थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार रात को विवाहिता रेहाना बेगम का शव उसके ससुराल स्थित कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला था। घटना के बाद मृतका की मां अकदून निशा ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हत्या बताया था और ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए थे।पीड़िता की मां की तहरीर पर पति मोहम्मद इमरान, ससुर मोहम्मद शौकत अली, सास अलीमुन (अजमुन) निशा और एक रिश्तेदार रियाज अहमद के खिलाफ हत्या और दहेज प्रताड़ना की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के गंगानगर-जोन में उच्चाधिकारियों के निर्देशन में सरायममरेज थाना पुलिस ने सोमवार को सिरसा चौराहे के पास से तीन आरोपियों - मोहम्मद इमरान, शौकत अली और अलीमुन निशा को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस का कहना है कि पूछताछ और जांच के दौरान अब तक दहेज प्रताड़ना के स्पष्ट साक्ष्य सामने आए हैं। मृतका के मायके वालों का आरोप है कि शादी के बाद से ही 10 लाख रुपये की अतिरिक्त दहेज की मांग की जा रही थी, और न मिलने पर रेहाना को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था।मृतका की मां ने यह भी आरोप लगाया कि रेहाना की पहले गला दबाकर हत्या की गई और बाद में उसे फंदे से लटका कर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया। घटना के तुरंत बाद मायके पक्ष ने मौके पर पहुंच कर पुलिस को सूचना दी थी।पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अभियुक्तों के खिलाफ भा.दं.सं. की धारा 85/80(2) और 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

प्रयागराज। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, प्रयागराज में आज प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन हुआ,

जिसमें 14 छात्रों को नौकरी मिलने की खबर है, लेकिन मुझे पता चला कि केंद्र में विभिन्न उद्योगों के साथ जुड़ाव के माध्यम से छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के बारे में यह केंद्र प्रयागराज में स्थित एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है जो छात्रों को विभिन्न व्यापारों में प्रशिक्षण प्रदान करता है। केंद्र का उद्देश्य छात्रों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षित करना है। केंद्र की विशेषताएं- व्यापारिक प्रशिक्षणः केंद्र विभिन्न व्यापारों जैसे कि इलेक्ट्रिशियन, फिटर, मैकेनिक, वेल्डर आदि में प्रशिक्षण प्रदान करता है। - उद्योगों के साथ जुड़ावः केंद्र उद्योगों के साथ जुड़ाव के माध्यम से छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान करने का प्रयास करता है। - प्लेसमेंट सेलः केंद्र में एक प्लेसमेंट सेल है जो छात्रों को रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करता है और उन्हें प्लेसमेंट ड्राइव में भाग लेने में मदद करता है। हाल ही में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में, हीरो मोटोकॉर्प ने नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में एक पूल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया था। इस तरह के आयोजन छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान करने में मदद करते हैं। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, प्रयागराज में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन छात्रों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने में मदद करता है। केंद्र की विशेषताएं और उद्योगों के साथ जुड़ाव छात्रों को उनके करियर में आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

डीएम की अध्यक्षता में हुई जिला पोषण समिति की बैठक प्रगति संतोषजनक नहीं होने पर डीपीओ को कड़ी फटकार,वेतन रुका

रायबरेली। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बचत भवन स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक हुई। बैठक में 18 मानको पर कायाकल्प चयनित आंगनवाड़ी केंद्रों,,कार्यालय सहगोदाम निर्माण, बाल मैत्री शौचालय, भवनों की मरम्मत,पोषण वाटिका,रेनवाटर हार्वेस्टिंग, वॉल पेंटिंग,पेयजल, पोषण ट्रैकर फीडिंग, एनआरसी में बच्चों का संदर्भन, सैम बच्चों के लिए पोषण आहार उपलब्ध कराने के विषय पर विस्तृत समीक्षा की गई।डीएम ने प्रगति ठीक नहीं मिलने पर सीडीपीओ संग बीडीओ को भी कड़ी फटकार लगाई। सख्त निर्देश दिया की सयुक्त रिपोर्ट प्रस्तुत करें कि कार्य पूर्ण क्यों नहीं हुआ। जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय सिंह को कार्य संतोषजनक ना होने पर वेतन रोकने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसके उपरांत भी अगर कार्य में सुधार नहीं होता है तो इससे भी बड़ी कार्यवाही के लिए तैयार रहे। बाल विकास परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रतिमाह पोषण ट्रैकर ऐप पर शत-प्रतिशत बच्चों का वजन एवं लम्बाई दर्ज कराना सुनिश्चित करें तथा समस्त केन्द्रों पर पंजीकृत बच्चों को पोषाहार नियमानुसार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। निर्देश दिया कि माइक्रो प्लान बना कर कार्य करें। बैठक में सीडीओ अर्पित उपाध्याय,मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ नवीन चंद्रा, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनय कुमार सिंह,सभी खण्ड विकास अधिकारी सहित सीडीपीओ उपस्थित रहें।

वीरांगना दुर्गावती ने मातृभूमि की रक्षा के लिए बलिदान दिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।घोरावल तहसील क्षेत्र के दुरावल कला में आयोजित हुई

गौरव महासम्मेलन। आदिवासी वीरांगना महारानी दुर्गावती सेवा समिति द्वारा मंगलवार को दुरावल कला में आयोजित की गई वीरांगना महारानी दुर्गावती की 461 वी गौरव दिवस पर आयोजित हुई महासभा मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि द्वारा वीरांगना धाम परिसर में स्थापित वीरांगना महारानी दुर्गावती के प्रतिमा पर माल्यार्पण दिया गया संदेश।कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि सपा सांसद छोटेलाल खरवार, पूर्व सांसद नरेंद्र सिंह कुशवाहा, नपा अध्यक्ष रूबी प्रसाद, सपा जिला अध्यक्ष राम निहाल यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख संजय यादव, रवि कुमार गोड आदि वक्ताओं ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि भारत के इतिहास में रानी दुर्गावती का नाम उन वीरांगनाओं में शामिल है जिन्होंने न केवल अपने साम्राज्य की रक्षा की, बल्कि अपनी मातृभूमि के लिए जान की बाजी भी लगाई। रानी का जीवन बलिदान, संघर्ष और साहस से भरा हुआ था। उनका नाम आज भी उन वीरांगनाओं में लिया जाता है जिन्होंने मुगलों के सामने कभी सिर नहीं झुकाया।24 जून को इनकी 461वां बलिदान दिवस है। उनकी शहादत एक प्रेरणा है और उनका साहस भारतीय युद्धकला और नेतृत्व के इतिहास में एक अमूल्य धरोहर के रूप में सदैव जीवित रहेगा। रानी दुर्गावती का जीवन साहस, संघर्ष और नायकत्व का प्रतीक बन चुका है।उन्होंने 51 युद्धों में विजय प्राप्त की और अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए बलिदान दिया। तो ऐसे में आइए उनके 461वें बलिदान दिवस पर हम उनके इस संघर्ष और साहस को याद करें।इस मौके पर पूर्व चेयरमैन विजय कुमार जैन, डॉक्टर लोपति सिंह ,श्याम बिहारी यादव, दरोगा सिंह, धर्मराज सिंह, मन्नू पांडे, अंगद प्रसाद ,पूरे कार्यक्रम को संचालन कर रहे प्रबंधक राजेश कुमार गौड़ द्वारा सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान तैयारियों को लेकर डीएम ने की बैठक

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने संचारी रोग

नियंत्रण अभियान को लेकर बचत भवन स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की।डीएमओ रमेशचंद्र यादव ने बताया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 से 31 जुलाई तक व दस्तक अभियान 11 से 31 जुलाई तक चलेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान को सफल बनाने के लिए पशु पालन,पंचायती राज ,स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग विशेष प्रयास करके अभियान को सफल बनाये। इसके अतिरिक्त अन्य विभागों का भी सहयोग लिया जाए। जिसके तहत लगातार जन जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगो को जागरूक किया जाए। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की ओर से पंपलेट, पोस्टर, बैनर एवं माइक के जरिए भी अभियान का प्रचार प्रसार करते हुए लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नवीन चंद्रा, स्वास्थ्य विभाग से डीएस अस्थाना के अतिरिक्त सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारियों का उपस्थित रहे।

रईसजादे ने जगुआर कार से मजदूर को उड़ायाःकानपुर पुलिस ने कार जब्त की, घायल की हालत गंभीर; ड्राइवर की तलाश

कानपूर। किदवई नगर चौराहा पर रईसजादे ने अपनी लग्जरी कार से एक मजदूर को उड़ा दिया। मजदूर घटना

में गम्भीर रूप से घायल हो गया। देर रात हुई इस घटना में पुलिस गश्त के लिए मौके पर मौजूद थी। कार को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। वहीं मजदूर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। किदवई नगर पुलिस के मुताबिक गाड़ी के चालक की जानकारी जुटाई जा रही है। मजदूर के परिवार के बारे में भी पता किया जा रहा है।किदवई नगर चौराहा के पास कई मजदूर सड़क पर ही सोते हैं। उसी में सोमवार देर रात रामकुमार नाम का मजदूर भी अन्य लोगों के साथ सो रहा था। इसी दौरान चौराहा पर आई लग्जरी कार जगुआर सवार ने राम कुमार को उड़ा दिया। वो दूर जाकर गिरावहां पर पुलिस पहले से मौजूद थी।

मां की दूसरी शादी के विरोध पर बेटी की हत्याःलखनऊ में 2 साल से घर में रहता था सौतेला पिता, बेटी कहती थी- मेरे पापा का मकान छोड़ो

लखनऊ। लखनऊ में सौतेले पिता ने बेटी की चाकू मारकर हत्या कर दी। वह कोरोना काल में लड़की की विधवा मां के करीब आया। फिर

उनके ही घर में रहने लगा। बेटी इसका विरोध करती थी। वह कहती थी- यह मेरे पापा का घर है। इसी बात पर उसकी सौतेले पिता से अक्सर नोकझोंक होती थी।लड़की के पिता शिए डॉक्टर थे। उनकी 2014 में मौत हो गई थी। आरोपी ने 2020 में महिला से शादी कर ली थी। बेटी को यह बिल्कुल अच्छा नहीं लगता था। वह ज्यादातर मां के पास रहती, जिससे वह आदमी (सौतेला पिता) दूर रहे। इस बात से सौतेला पिता उससे चिढ़ता था।वह बेटी के हर काम में टोका-टाकी करता रहता था। मां से कहता कि इसके चाल-चलन अच्छे नहीं हैं। इसे घर से भगा दो। सोमवार देर शाम लड़की मोबाइल फोन चला रही थी। बस उसे झगड़ने का मौका मिल गया। उसने कहा- तुम किस लड़के से बात कर रही हो?फिर बहस के बाद उसकी चाकू से हमला कर हत्या कर दी। घटना महानगर के विज्ञानपुरी कॉलोनी की है। यहां रेखा राजपूत अपनी बेटी सिमरन और दूसरे पति विनोद पांडेय के साथ रहती हैं। सिमरन एमिटी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही थी।चचेरे भाई संदीप ने बताया- मेरे चाचा जागेश राजपूत की मौत 2014 में हो गई थी। इसके बाद मेरी चाची रेखा राजपूत ने विकास पांडेय से दूसरी शादी कर ली। विकास करीब एक साल से मेरी चाची और बहन के साथ ही मकान में शिफ्ट हो गया था। बहन सिमरन इस शादी का विरोध करती थी। इसके चलते विकास और सिमरन में अक्सर विवाद होता रहता था।कोविड के दौरान चाची रेखा की विकास चंद्र पांडेय से सोशल मीडिया पर मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों की अक्सर फोन पर बात होने लगी। तबसे से विकास अक्सर चाची से मिलने उनके घर आता था। 2024 में विकास ने चाची से शादी कर ली। तब से वह यहीं रह रहा था।मृतका की मां रेखा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि विकास बेटी सिमरन को घर से निकाल देने का दबाव बनाता था। उसने शादी के कुछ समय बाद ही ऐसा बोलना शुरू कर दिया था। मेरे काफी समझाने पर भी वह नहीं समझता था।मैंने उससे कई बार कहा कि यह घर बेटी का भी है तो उसे कैसे निकाला जा सकता है। मैंने विकास से कह दिया था कि सिमरन इसी घर में रहेगी। मगर वह कहता था कि इसकी चाल चलन सही नहीं हैं। इसे निकालना ही पड़ेगा।मां रेखा राजपूत ने बताया- विनोद और बेटी सिमरन के बीच मोबाइल से बात करने को लेकर लड़ाई हुई थी। बेटी मोबाइल पर फोटो देख रही थी। विकास को लगा कि वह किसी लड़के से बात कर रही। इसके बाद विकास चिल्लाते हुए किचन से चाकू निकाल लाया।उसने मेरी आंखों के सामने बेटी को दौड़ा-दौड़ाकर चाकू मारे। सिमरन विकास से बचने के लिए घर में इधर-उधर भाग रही थी। वह बार बार चिल्लाकर कह रही थी कि मां मुझे बचा लो। मैं विकास को बेटी से दूर करने में लगी रही। सिमरने को बचाने में मेरी हथेली में भी चाकू लग गया।मां रेखा ने बताया कि सिमरन एमिटी यूनिवर्सिटी से बीसीए कर रही थी। उसे 29 जून को यूनिवर्सिटी जाना था। मगर उससे पहले ही यह सब हो गया। विकास की न जाने मेरी बेटी से क्या दुश्मनी थी। शादी के बाद से तो दोनों के बीच और भी ज्यादा बहस होती थी।मैंने विकास और बेटी सिमरन दोनों को कई बार समझाने की कोशिश की। मगर दोनों के बीच कभी आपस में नहीं बनी। घटना से एक दिन पहले रविवार को भी बेटी और विकास का झगड़ा हुआ था। तब मैंने किसी तरह दोनों को शांत करवा दिया था।हत्या के बाद से घर में ताला लटक रहा है। आसपास के लोगों से पूछने पर पता चला कि मृतका के पिता जागेश राजपूत बीएएमएस डॉक्टर थे। उनकी कमाई से ही घर बना। उनकी मौत के बाद कमरे किराए पर उठाकर घर का खर्च चलता था। बेटी समझदार हो गई थी। उसे यह बात अच्छी नहीं लगती थी कि कोई उसके मां के पास रहे।डीसीपी मध्य आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि विरासत को लेकर भी विवाद चल रहा था। सिमरन अक्सर मां रेखा की दूसरी शादी का विरोध करती थी। मकान और अन्य प्रॉपर्टी पर सिमरन का भी हक था। सिमरन अक्सर विकास से कहती थी कि यह मेरे पापा का मकान है। आरोपी विकास को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

मातृभूमि सेवा मिशन का पांच दिवसीय संवाद कार्यक्रम सम्पन्न,प्रशासनिक सहभागिता से कार्यक्रम में आई नई ऊर्जा

रायबरेली। योग के प्रचार-प्रसार और इसके प्रति समाज में जागरूकता लाने हेतु

मातृभूमि सेवा मिशन इकाई, धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र हरियाणा की अध्यात्म प्रेरित संस्था की रायबरेली इकाई द्वारा बीते तीन वर्षों से शहर के राणा बेनी माधव बख्श सिंह पार्क में निःशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर संचालित किया जा रहा है। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में संस्था के संयोजक समाजसेवी प्रदीप पांडेय द्वारा 18 से 22 जून तक पांच दिवसीय योग एवं स्वास्थ्य संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और समाजसेवियों की भागीदारी सराहनीय रही। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि शुभारंभ से समापन तक प्रतिदिन पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और योग एवं स्वास्थ्य के प्रति अपने विचार व्यक्त किए।शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा और विशिष्ट अतिथि अध्यात्म गुरु व कथा वाचक गोविंद भाई उपस्थित रहे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह और विशिष्ट अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट राम औतार मौजूद रहे।मुख्य अतिथि सौम्यशील सिंह ने कहा कि' योग आत्मशक्ति का जागरण है। यह केवल शारीरिक कसरत नहीं, बल्कि मानसिक शांति, अनुशासन और आत्मिक संतुलन की साधना है। समाज में योग के प्रचार से स्वस्थ और संतुलित जीवन को बढ़ावा मिलता है।विशिष्ट अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट रामऔतार ने कहा कि ' योग मानव जीवन की संपूर्ण चिकित्सा है। यह तन, मन और आत्मा तीनों को समाज स्वस्थ और जागरूक बन सकता है।'इस आयोजन को योग साधकों ने अत्यंत प्रेरणादायक बताया। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर बड़ी संख्या में नागरिकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर इसे ऐतिहासिक रूप दिया। डीपीआरओ सौम्यशील सिंह ने स्वयं योग करते हुए उपस्थित साधकों को अभ्यास कराया। जिला अध्यक्ष योगाचार्य बृजमोहन और योग प्रशिक्षिका सोनम गुप्ता ने नियमित योगाभ्यास करवाकर सहभागियों को लाभान्वित किया। समापन अवसर पर संयोजक प्रदीप पांडेय की ओर से सभी मुख्य अतिथियों और साधकों को माला पहनाकर, प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में डॉ. चंपा श्रीवास्तव, वरिष्ठ भाजपा नेता रवींद्र कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं पेंशनर्स संगठन अध्यक्ष अनूप मिश्रा, राजेंद्र अवस्थी, इंजीनियर अंकुर गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार केशवानंद शुक्ल, रितेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता अजय पाल चौहान, योग शिक्षक आर. के., विवेक सिंह, विशेष सिंह समेत बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।मातृभूमि सेवा मिशन परिवार से पूजा मौर्या, मोहिनी, तनु, माया, गीता, लता, सचिन अग्रहरि, संकठा प्रसाद अग्रहरी, कल्लू अग्रहरि, देवता, राम मूर्ति सिंह, अनिका गुप्ता आदि ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह आयोजन योग के सामाजिक, मानसिक और आध्यात्मिक प्रभावों को जन-जन तक पहुँचाने की दिशा में एक प्रेरणास्पद पहल के रूप में दर्ज हो गया है। योग दिवस एवं स्वास्थ्य संवाद कार्यक्रम का संचालन भगवत प्रताप सिंह ने किया।

अमिताभ बच्चन की को-एक्ट्रेस को नहीं मिल रहा बिजली कनेक्शनःलखनऊ कमिश्नर से लगाई गुहार, बोलीं- 25 फिल्मों में काम कर चुकी

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के नागरिक सुविधा दिवस में कई फरियादियों के बीच अमिताभ बच्चन की फिल्म गुलाबो-सिताबो की एक एक्टर सुजाता सिंह भी पहुंचीं। उन्होंने अधिकारियों से शिकायत की कि

उन्हें 4 साल से लखनऊ में बिजली कनेक्शन नहीं मिल रहा है। एक्ट्रेस सुजाता सिंह ने कहा कि वह 25 फिल्मों में काम कर चुकी हैं। अमिताभ बच्चन के साथ गुलाबो-सिताबो में काम किया है। अभिषेक बच्चन, जॉन अब्राहम, रिचा चड्ढा, मनोज बाजपेई, ऋतिक रोशन के साथ काम कर चुकी हूं। अरुण गोविल के साथ 'हमारे राम आए हैं' में हाल ही में नजर आई।सुजाता ने बताया- वह और उनके पति अर्जुन यहियागंज में चलनी की दुकान चलाते हैं। करीब 4 साल से बिजली का कनेक्शन नहीं मिल रहा है। सुजाता बॉलीवुड की कई फिल्मों में छोटे-छोटे रोल निभा चुकी हैं। अमिताभ बच्चन की गुलाबो-सिताबो, मनोज बाजपेई की भैयाजी, सैफ अली खान और ऋतिक रौशन की विक्रम वेदा समेत कई फिल्मों में छोटे रोल निभा चुकी हैं। मिर्जापुर-2 सीरीज में भी उन्होंने एक छोटा रोल निभाया था। कहा कि एक कलाकार को परेशान किया जा रहा है।एक बेटा भी अपनी दिव्यांग मां के बिजली कनेक्शन के लिए नागरिक सुविधा दिवस में पहुंचा। वहीं, जानकीपुरम के बृजेश ने कहा कि उनके घर के पास पार्क में लोग अंतिम संस्कार करते हैं। उसका धुआं घर में आता है। ऐसा होने से 3-3 दिन तक खाना नहीं बनता। नागरिक सुविधा दिवस मंगलवार को स्मार्ट सिटी के दफ्तर में आयोजित किया गया। इसमें कमिश्नर रोशन जेकब, एलडीए के वीसी प्रथमेश कुमार, नगर आयुक्त गौरव कुमार और एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव सहित कई अफसरों ने लोगों की शिकायतें सुनीं।बंगला बाजार से रोहित गुप्ता अपनी मां की शिकायत लेकर नागरिक सुविधा दिवस में पहुंचे। उन्होंने बताया कि बिजली विभाग ने 3 साल पहले उनके घर का कनेक्शन काट दिया था। बिजली मीटर उखाड़ लिया गया था। बिजली का 32 हजार रुपए बकाया था। बिजली बिल बात के अफसर से किस्तों में बिल जमा करने के लिए कई बार गुहार लगाई लेकिन कोई समाधान नहीं मिला। 3 साल से दिव्यांग मां अंधेरे में हैं। यह कहता हुआ रोहित कमिश्नर के सामने रुआंसे हो गए। उसके बाद उन्होंने तुरंत बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता को जांच कर मीटर लगवाने के निर्देश दिए और बकाया बिल को किस्तों में जमा करने का आदेश दिया।

काशी में शाह की 4 मुख्यमंत्रियों के साथ बैठकःसुरक्षा और विकास के मुद्दों पर 120 अधिकारियों के साथ मंथन, रोहिंग्या-घुसपैठ रोकने पर भी चर्चा

वाराणसी। गृहमंत्री अमित शाह ने काशी में 4 राज्यों के सीएम के

साथ मीटिंग की। होटल ताज में 25वीं सेंट्रल जोनल काउंसिल की बैठक हुई। इसमें यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री और 120 अधिकारी शामिल हुए। सेंट्रल जोनल काउंसिल की बैठक में विकास, सड़क, सुरक्षा, परिवहन, बिजली, पानी, पर्यावरण, वन समेत राज्यों के बीच सीमा विवाद, राज्य सरकारों से जुड़े ऐसे मामले जो केंद्र सरकार के बिना नहीं सुलझ सकते...इन पर चर्चा हुई। साथ ही इन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों, रोहिंग्या मुस्लिमों के अलावा भारत-नेपाल के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ, पॉक्सो, महिला अपराध समेत अन्य सुरक्षा से संबंधित मामलों को लेकर चर्चा हुई। हिमालय से जुड़ी नदियों को जोड़ने, पर्यावरण, खनन, कृषि, धार्मिक पर्यटन जैसे अहम मुद्दों पर भी चर्चा हुई। बैठक सुबह 11 बजे शुरू हुई, जो दोपहर करीब 3 बजे तक चली। बैठक के बाद सभी ने लंच किया। इसके बाद गृहमंत्री और सभी चारों सीएम एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए।इससे पहले मंगलवार सुबह सीएम योगी काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां दूध, दही, गंगाजल, शहद और शक्कर से पंचामृत अभिषेक किया। फिर सीएम संकट मोचन मंदिर पहुंचे। संकट मोचन हनुमान जी का आशीर्वाद लिया। गृहमंत्री अमित शाह सोमवार शाम 5.40 बजे काशी पहुंचे। एयरपोर्ट पर सीएम योगी ने बुके देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद शाह योगी के साथ सीधे काल भैरव पहुंचे। यहां दर्शन-पूजन करने के दौरान एक पंडित ने शाह की दंड से नजर उतारी। इसी बीच सीएम योगी हंसने लगे और हाथ के इशारे से पंडित को रोक दिया।इसके बाद शाह होटल ताज पहुंचे। एयरपोर्ट से होटल ताज तक पूरे रूट पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। होटल ताज में शाह के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने डिनर किया।

'10 फीट से अधिक न हो ताजिया' संभल में सीओ अनुज चौधरी ने मोहर्रम और कांवड़ यात्रा को लेकर सुनाया फरमान

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल

में चर्चित सीओ अनुज चौधरी एकबार फिर से चर्चा में आ गए। संभल के चंदौसी सर्किल में तैनात चर्चित सीओ अनुज चौधरी ने मोहर्रम के मौके पर निकाले जाने वाली ताजिया को लेकर नई गाइडलाइन का पालन करने का पाठ लोगों को पढ़ाया। सीओ अनुज चौधरी ने कहा कि ताजिया 10 फीट से अधिक की नहीं होनी चाहिए। चंदौसी कोतवाली में शांति समिति की बैठक में शासन की गाइडलाइन के बारे में जानकारी दी गई। यहां मोहर्रम और सावन के महीने में होने वाले कांवड़ यात्रा व गणेश चतुर्थी के त्योहार को देखते हुए मीटिंग हुई।शासन की गाइडलाइन को लेकर बताते हुए सीओ अनुज चौधरी ने कहा कि ताजिए की ऊंचाई दस फीट ही रखें मोहर्रम पर न तो कोई पेड़ काटा जाएगा और न ही बिजली की तार काटी या हटाई जाएगी। साथ ही कांवड़ यात्रा में बजने वाले डीजे को लेकर भी सीओ अनुज चौधरी ने कहा कि वो निर्धारित आवाज में ही डीजे बजाएं।उन्होंने बताया कि शासन की गाइडलाइन के मुताबिक ताजिया निकालने के दौरान कोई पेड़ या बिजली लाइन नहीं काटी जाएगी। डीजे को भी निर्धारित आवाज में बजाने के निर्देश दिए हैं। इस मीटिंग के दौरान एसडीएम डॉ. राजेन्द्र पेंसिया ने भी मोहर्रम के जुलूस को लेकर लोगों से उनकी समस्याएं सुनी और रास्ते आदि को सही कराने के जरूरी निर्देश दिए।बैठक में सीओ अनुज चौधरी ने आगे कहा कि जो व्यक्ति पहले से ताजिया निकालता आया है, वही व्यक्ति ताजिया निकालेगा। अगर किसी कारण वश वह नहीं निकाल पाता है तो उसकी जगह कोई दूसरा व्यक्ति ताजिया नहीं निकालेगाा। यानी इस बार कोई नया व्यक्ति ताजिया नहीं निकाल पाएगा।बता दें कि इस साल मोहर्रम की शुरूआत 26-27 जून की रात से मानी जा रही है। इस्लामी कैलेंडर का पहला माह मुहर्रम होता है। इस्लाम में इस महीने को काफी पवित्र माना जाता है। वहीं आशूरा की तारीख 5 या 6 जुलाई पड़ सकती है। आमतौर पर मुहर्रम के 10 वें दिन को आशूरा मानाया जाएगा।

गाजियाबादः मुरादनगर में थाने के सामने हुई हत्या का फरार इनामी मुठभेड़ में अरेस्ट, पुलिस ने पैर में मारी गोली

गाजियाबादः उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के मुरादनगर में थाने के सामने हुई हत्या के मामले में 25 हजार का इनामी अजय वांछित चल रहा था। उन्होंने बताया कि स्वॉट टीम ग्रामीण जोन व

आरोपी का एनकाउंटर हुआ है। सड़क से कार को पहले हटाने के विवाद में पूर्व विधायक के भतीजे रवि शर्मा की मुरादनगर थाने के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी दी गई था। हत्याकांड में वांछित इनामी बदमाश अजय को पुलिस ने मुठभेड़ में गोली मारकर घायल करने के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्ज़े से हथियार भी बरामद किए हैं।गाजियाबाद पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया क्षेत्र में अपना रुतबा कायम करने के लिए मोंटी के कहने पर गोली चलाई थी। इधर, रवि के पिता दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद भी पुलिस कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि जिस प्रकार से उनके बेटे की थाने के सामने ही गोली मारकर जान ली गई। ऐसा ही आरोपियों के साथ भी होना चाहिए था। वह इस मामले में पुलिस की भूमिका की जांच के लिए मुख्यमंत्री से भी मिलेंगे।डीसीपी ग्रामीण जोन सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि 18 जून की रात को मिल्क रावली गांव निवासी रवि शर्मा की मेरठ मार्ग थाने के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसमें गांव के ही मोंटी चौधरी व अजय उर्फ मोनी उर्फ छोटू के खिलाफ हत्या की धाराओं में केस दर्ज हुआ था। स्वॉट टीम ग्रामीण जोन व मुरादनगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में रवि शर्मा की हत्या में मुख्य आरोपी मोंटी को दो दिन पूर्व मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया था।डीसीपी ग्रामीण ने बताया कि उसका साथी मुरादनगर पुलिस सोमवार तड़के सलेमाबाद झाल पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान रावली रोड की तरफ से बाइक सवार एक युवक संदिग्ध अवस्था में आता दिखा। पुलिस ने उसे चेकिंग के लिए रोका तो आरोपी ने बाइक ढिंडार मिल्क रावली की ओर मोड़ ली।डीसीपी ने बताया कि उसकी बाइक मोड़ते ही फिसल गई। बाइक सवार युवक ने खुद को पुलिस से घिरा देख गोली चलानी शुरू कर दी। इस पर पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपी के पैर में गोली मार दी और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम अजय उर्फ मोनी निवासी मिल्क रावली बताया है, जो कि रवि शर्मा की हत्या के मामले में वांछित चल रहा था।रवि शर्मा की हत्या के बाद अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा एवं परशुराम सेवादल के पदाधिकारियों ने सोमवार को पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन देकर उनके परिवार वालों की सुरक्षा व परिवार में शस्त्र लाइसेंस देने की मांग की है। अखिल भारतीय परशुराम सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि परिवार वालों को अब भी जान का खतरा बना हुआ है। ऐसे में उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाए।अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने ज्ञापन लेते हुए आश्वासन दिया कि शस्त्र लाइसेंस के लिए जिलाधिकारी कार्यालय में आवेदन करें। उनका शस्त्र लाइसेंस शीघ्र ही बन जाएगा। फिलहाल उनके परिवार को सुरक्षा दी गई है एवं गांव में पुलिस बल भी तैनात है।

मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली; सरेराह छात्रा से लूटा था फोन

बरेली।बरेली के नवाबगंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार रात मुठभेड़ में दो बदमाशों को

गिरफ्तार कर लिया। इनमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। उसका साथी भी मौके से पकड़ लिया गया। सीओ नवाबगंज गौरव सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों ने 12 जून को छात्रा से मोबाइल फोन लूट लिया था। इस मामले में नवाबगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। सीओ नवाबगंज गौरव सिंह ने बताया कि सोमवार रात डेढ़ बजे गांव ग्रेम में डैम के पास जाते हुए बदमाशों को पुलिस ने टोका तो वह फायरिंग कर भागने लगे। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। पूछताछ में पता लगा कि वह पीलीभीत जिले के थाना जहानाबाद के गांव सिकलापुर का निवासी तस्लीम है। पुलिस ने उसके साथी नवाबगंज थाने के मोहल्ला गुलशन नगर निवासी सूरजपाल को भी गिरफ्तार कर लिया।सीओ ने बताया कि 12 जून को नवाबगंज के गांव परोथी निवासी शिखा राठौर नाम की छात्रा कोचिंग पढ़कर घर लौट रही थी, उसके गांव परोथी के पास पहुंचने पर बाइक सवार दो युवकों ने झपट्टा मारकर शिखा का मोबाइल छीन लिया। इन दोनों ने यह घटना कबूल कर ली। आरोपियों के कब्जे से छिनैती के दो मोबाइल फोन, एक तमंचा, दो खोखा कारतूस, दो कारतूस व एक बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद हुई। अभियुक्त तस्लीम को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सपा से निष्कासित बागी विधायक मनोज पांडेय जल्द दे सकते हैं इस्तीफा, बीजेपी नेतृत्व से मिला ये आश्वासन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को तीन विधायकों को पार्टी से निकाल दिया। इसमें एक नाम मनोज कुमार पांडेय का शामिल हैं। सपा से निष्कासित बागी विधायक मनोज पांडेय शीघ्र ही विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं। वे वर्तमान में रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। सूत्र बताते हैं कि दोबारा चुनाव जीतने की स्थिति में वे सरकार में अहम जिम्मेदारी पा सकते हैं। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने या गैरहाजिर रहने वाले आठ विधायकों में से सिर्फ मनोज पांडेय ने ही अभी तक भाजपा की सदस्यता ली है। उन्होंने अपना सफर स्थानीय निकाय चुनाव से शुरू किया था। वे चार बार के विधायक हैं। वर्ष 2004-07 और 2012-17 की सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे थे। सपा में भी उनके पास अहम जिम्मेदारियां थीं। वे सपा के राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके हैं। जिस समय उन्होंने बगावत करके राज्यसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट किया था, तब भी वे विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक थे। पांडेय सपा के निष्कासन के बाद दल-बदल कानून से मुक्त हो गए हैं। उनके नजदीकी सूत्र बताते हैं कि इसके बावजूद वे विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देंगे, ताकि उपचुनाव में भाजपा से टिकट पाकर फिर से सदन में पहुंच सकें।

खिड़की से झांक रहे बालक का सिर धड़ से अलग होने के मामले में नया अपडेट, पिता ने रिपोर्ट में लिखवाई ये बात

हाथरस। शहर में दिल दहलाने वाला हादसा हुआ। बस की खिड़की से झांक रहे बालक की गर्दन कटने के मामले में मैक्स चालक पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। रविवार को बस से चचेरे भाइयों की बरात में जाते समय 11 साल के बच्चे की हादसे में दर्दनाक मौत हो गई थी।यूपी के अलीगढ़ से हाथरस के गांव मेवली जा रही बरात की बस की खिड़की से झांक रहा मासूम हादसे का शिकार हो गया। 11 वर्षीय बालक मोहम्मद अली की गर्दन मैक्स की चपेट में आकर धड़ से अलग हो गई।

दर्दनाक हादसा रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे हाथरस के जंक्शन क्षेत्र में हाजीपुर रेलवे फाटक के पास हुआ था। मामले में पुलिस ने मैक्स चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। अब पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है। वहीं, बच्चे की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा है। दरअसल, बालक के पिता आस मोहम्मद निवासी मकदूम नगर अलीगढ़ की तहरीर पर पुलिस ने रविवार देर रात यह रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पिता ने रिपोर्ट में कहा है कि 22 जून को उसका बेटा बस से बरात में मेवली जा रहा था। जैसे ही बरात की बस निर्माणाधीन हाजीपुर रेलवे पुल के पास पहुंची, तभी तेजी और लापरवाही से चलाते हुए मैक्स चालक ने टक्कर मार दी, जिससे उसके बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। मोहम्मद अली बस से अपने दो चचेरे भाइयों की बरात में जा रहा था। इस दौरान सर्विस रोड पर बस के सामने से मैक्स आ गई। चालक ने बस को नीचे कच्चे में उतार लिया था, लेकिन बस के आगे एक पेड़ आ जाने के कारण वह रुक गई थी। मैक्स चालक ने पर्याप्त जगह न होने के बाद भी बस से सटाकर मैक्स को निकालने की कोशिश की, इस दौरान खिड़की से बाहर देख रहे मोहम्मद अली की गर्दन धड़ से अलग होकर सड़क पर गिर गई थी। हादसे के बाच मैक्स वाहन का चालकर फरार हो गया। घटना के बाद बरातियों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। शादी की खुशियां एक ही पल में मातम में बदल गई। घटना स्थल पर कोहराम मच गया। मां और अन्य परिजन भी बेहाल हो गए। यहां से गुजरने वाले वाहनों के पहिए भी थम गए। बच्चे की इतनी दर्दनाक मौत को देख लोगों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। परिजनों ने सभी ढांढस बंधाते हुए बरात में शामिल होने के लिए आने वाले लोगों को वापस कर दिया। बरात वापस हो गई। दोनों दूल्हे और कुछ परिजन शादी कराने के लिए छोटे वाहन से भेज दिए गए। वहीं, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया।अलीगढ़ से हाथरस के गांव मेवली जा रही बरात की बस की खिड़की से झांक रहे मोहम्मद अली (11) की गर्दन मैक्स की चपेट में आकर धड़ से अलग हो गई। हाथरस के जंक्शन क्षेत्र में हाजीपुर रेलवे फाटक के पास यह दर्दनाक हादसा रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। हादसे के बाद चालक बस और मैक्स छोड़कर भाग गए। मोहम्मद अली अलीगढ़ शहर के मकदूम नगर कमेला रोड निवासी आस मोहम्मद का पुत्र था। आस मोहम्मद के बड़े भाई साबुद्दीन के बेटे साहिल और उनके छोटे भाई बाबूद्दीन के बेटे दानिश की बरात गांव मेवली में दो भाइयों अफसर और बॉबी के यहां जा रही थी। रविवार दोपहर बस कैलोरा-जलेसर मार्ग पर हाजीपुर में रेलवे फाटक पर बन रहे ओवरब्रिज के निकट पहुंची। यहां निर्माण के चलते वाहनों के आने-जाने के लिए सर्विस रोड बनाई हुई है। बालक के ताऊ साबुद्दीन ने बताया कि सर्विस रोड पर बस के सामने से मैक्स वाहन आ गया। उसे रास्ता देने के लिए चालक ने बस को नीचे कच्चे में उतार लिया। लेकिन एक पेड़ सामने आने के कारण बस रुक गई। बस में सवार बराती नीचे उतर गए, उसमें केवल बच्चे बैठे रह गए। मैक्स के चालक ने जगह न होने के बाद भी बस से सटाकर वाहन को निकालने की कोशिश की, इसी दौरान मोहम्मद अली खिड़की से झांकने लगा और उसकी गर्दन दोनों वाहनों के बीच में फंसकर कट गई और धड़ से अलग होकर सड़क पर गिर गई। पिता ने अपने बेटे के सिर को धड़ से जोड़ने की कोशिश की। सब जान रहे थे कि बालक की मौत हो चुकी है लेकिन पिता मानने को तैयार नहीं था। कभी अंगोछा बांधकर बहता खून रोकने की कोशिश करता तो कभी सिर को धड़ को जोड़ने की। परिवार वालों ने बताया कि बस में छोटे बड़े सब मिलाकर 65 लोग सवार थे।

चोटी काटी...सिर मुड़वाया- नाक रगड़वाई, पैर छुवाए, ब्राह्मण न होने पर भगवताचार्य को पीटा; 5 घंटे बंधक बनाया

इटावा। इटावा में एक घटना सामने आई है। ब्राह्मण न होने पर भगवताचार्य की पिटाई की गई। चोटी भी काटी गई। दो साथियों के भी सिर मुड़वाए और नाक रगड़वाई। इसके बाद ग्रामीणों के पैर छुआ कर मांफी मंगवाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर चार को गिरफ्तार कर लिया है। यूपी के इटावा जिले से शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। ब्राह्मण न होने की जानकारी पर महेवा के दांदरपुर गांव में शनिवार रात ग्रामीणों ने भगवताचार्य मुकट मणी (मुक्त सिंह) व उनके सहयोगियों को पीटा। ग्रामीणों ने भगवताचार्य का सिर मुड़वाकर चोटी काट दी। नाक रगड़वाकर, गांव के लोगों के पैर छुआकर माफी मंगवाई। बाइक की हवा निकालकर दोबारा पंप से हवा भरवाई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद खलबली मच गई। शनिवार को दांदरपुर गांव में ग्रामीणों ने श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन कराया था। इसमें भगवताचार्य मुकट मणी (मुक्त सिंह) निवासी गांव थाना सिविल लाइन को व्यास के रूप में बुलाया गया था। इनके साथ दो अन्य सहयोगी संत सिंह यादव निवासी कानपुर देहात और श्याम सिंह कठेरिया निवासी अछल्दा आए थे। सुबह कलश यात्रा होने के बाद देर शाम पाठ समाप्त हो गया। इस बीच ही गांव में भगवताचार्य ब्राह्मण न होने की चर्चा शुरू हो गई। जानकारी होने पर गांव के लोग आक्रोशित हो उठे।

इसके बाद तीनों के साथ बर्बरता की गई। मुकट मणी ने आरोप लगाया कि उनसे 25 हजार रुपये, एक चेन और अंगूठी लूट ली।पीड़ित मुकट मणी सोमवार को सपा सांसद जितेंद्र दोहरे, भरथना विधायक राघवेंद्र गौतम, सपा जिलाध्यक्ष प्रदीप शाक्य के साथ एसएसपी से मिलने पहुंचे। एसएसपी के आदेश पर अतुल डीलर, पप्पू बाबा के साथ ही 50 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। चोटी काटने वाले निक्की अवस्थी (30), उत्तम अवस्थी (18), आशीष तिवारी (21), प्रथम दुबे उर्फ मनु दुबे (24) निवासी गांव दांदरपुर को गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सभी पहलुओं पर जांच कराई जा रही है। सभी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।अभद्रता के शिकार हुए भगवताचार्य के पास दो अलग-अलग आधार कार्ड मिले हैं। एक आधार कार्ड पर मुकट मणी अग्निहोत्री लिखा हुआ है। इसमें पता ब्लॉक चौराहा, महेवा रोड अछल्दा औरैया लिखा है। एसएसपी से मिलने पहुंचे मुकट मणी ने अपना एक और आधार कार्ड पत्रकारों को दिखाया।इसमें उसका नाम मुक्त सिंह निवासी गांव नग्ला मोतीराम, पोस्ट निवाड़ीकलां, कुशगंवा अहिरन इटावा लिखा हुआ है। पुलिस की जांच में भगवताचार्य का असली पता शहर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के जवाहरपुर का निकला है। इस पते का किसी भी आधार कार्ड में जिक्र नहीं है।दोनों आधार कार्ड पर एक ही नंबर है। भगवताचार्य ने आरोप लगाया है कि बचाव के लिए आरोपी ग्रामीणों ने उनका एक फर्जी आधार कार्ड बनवाकर पुलिस को सौंप दिया है, जबकि गांव के लोगों ने बताया कि पूछताछ करने पर आरोपी ने अपने आधार कार्ड दिए थे। ग्रामीणों ने बताया कि बाबा लगातार भ्रमित करने के लिए खुद को मथुरा और वृंदावन का बताता था। खुद को इसने ब्राह्मण भी बताया था, लेकिन शनिवार को कथा में आए इसके गांव के ही एक ग्रामीण ने यादव होने की जानकारी दी थी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर ट्वीट में कहा कि इटावा के बकेवर इलाके के दांदरपुर गांव में भागवत कथा के दौरान कथावाचक और उनके सहायकों की जाति पूछी गई। पीडीए की एक जाति बताने पर, कुछ वर्चस्ववादी और प्रभुत्ववादी लोगों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए बाल कटवाए। हमारा संविधान जातिगत भेदभाव की अनुमति नहीं देता है। सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी हो। अगर आगामी तीन दिनों में कड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन का आह्वान कर देंगे। पीडीए के मान से बढ़कर कुछ नहीं।

इन शहरों में चलाए 15 लाख के नकली नोट, कार में छापता था डॉक्टर नफीस; शातिर गिरोह की पूरी कहानी

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के चौक कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने सोमवार को नकली नोट बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया। इस गिरोह का मास्टरमाइंड पैथोलॉजिस्ट डॉ. नफीस अहमद है। वह नकली नोट छपाने का पूरा सेटअप लेकर कार से शाहजहांपुर में किराये पर रहने के लिए आ रहा था। पुलिस ने घेराबंदी कर नफीस समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से 4.61 लाख रुपये के नकली नोट मिले। एसपी राजेश द्विवेदी ने कहा कि आरोपियों में मुरादाबाद जिले के थाना कुंदरकी के कमालपुर फतेहाबाद निवासी डॉ. नफीस अहमद, उत्तराखंड के ऊधमसिंह जिले के थाना ट्रांजिट कैंप क्षेत्र के मोहल्ला तीन पानी डाम फुलसूंगा रुद्रपुर निवासी पंकज गंगवार व शाहजहांपुर की चौक कोतवाली क्षेत्र की आनंदपुरम कॉलोनी निवासी निखिल मिश्रा हैं। पुलिस ने नकली नोट छापने के उपकरणों को कब्जे में ले लिया है। पूछताछ में आरोपियों ने चौंकाने वाली बातें बताई हैं। आरोपी नफीस व पंकज गंगवार ने पुलिस पूछताछ में बताया कि कोरोना काल में लॉकडाउन लगने के बाद दोनों बेरोजगार हो गए थे। आरोपियों ने बताया कि वे एक-एक रुपये के लिए मोहताज हो गए थे। तब उन लोगों ने अपराध की दुनिया में कदम रखा और नकली नोट बनाना शुरू किया। प्रिंटर के माध्यम से नकली नोट छापने के बाद आसपास के जनपदों में जाकर चला देते थे। नकली नोट को छोटे-मोटे कारोबारियों को भी दे देते थे। अब शाहजहांपुर में अपना सेटअप लगाकर नकली नोटों को चलाने के लिए आए थे। इससे पहले वे कभी नहीं पकड़े गए थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 500 रुपये के 840 नकली नोट, 100 रुपये के 370 नोट, 50 रुपये के 64 नोट, 20 रुपये के 40 नोट मिले। दो प्रिंटर, लैमिनेशन मशीन, नोट कटिंग पेपर आदि मिले। आरोपी नफीस ने पूछताछ में बताया कि पंकज गंगवार ने अलग-अलग जिलों में नकली नोट चलाने के लिए तीन महीने पहले कार लोन पर ली थी। इसकी किस्त भी अभी नहीं निपट पाई है। उसके बाद इसी कार से नकली नोट खपाने निकलते थे। कार के अंदर बैठकर भी नकली नोट बना लेते थे। एसपी ने बताया कि गैंग में शामिल अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे 20 प्रतिशत कमीशन के हिसाब से ब्रोकर को नकली नोट देते थे। नफीस ने बताया कि बेरोजगारी के चलते उसने रामपुर जिले के थाना शाहाबाद क्षेत्र के रमाना गांव के रहने वाले जाकिर से नकली नोट बनाना सीखा था। कोरोना काल में जाकिर की मौत हो गई थी। इसके बाद से वह अपने साथियों के साथ यही काम कर रहा है। इस सफलता पर एसपी ने चौक कोतवाली इंस्पेक्टर अश्वनी सिंह की हौसला अफजाई की। टीम को 20 हजार रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की। नफीस ने सन 2011 में तमिलनाडु से पैथोलॉजिस्ट की डिग्री ली थी। इसके बाद उसने अपना काम किया, लेकिन वह चला नहीं। कोरोना काल में रुपयों की अधिक जरूरत पर पर इस धंधे में उतर आया। उसने उत्तराखंड के पंकज को जोड़ा और अपना काम शुरू किया। एसपी ने बताया कि आरोपी डॉ. नफीस ने पूछताछ में बताया है कि उसने नकली चांदी भी बनाने का काम किया था, लेकिन वह चल नहीं सका। काम बंद कर दिया गया था। आरोपी नफीस पर कुल छह मुकदमे दर्ज हैं। गौतमबुद्धनगर में एक, अमरोहा में तीन और मुरादाबाद में दो मुकदमे दर्ज हैं। पहली बार नफीस पर 2018 में गौतमबुद्धनगर के थाना ईकोटेक तृतिया में केस दर्ज हुआ था। इसके बाद सन 2021 में अमरोहा में दो केस दर्ज हुए। 2022 में अमरोहा पुलिस ने गैंगस्टर लगाई। इसके बाद 2022 में मुरादाबाद जिले के मझोला थाने में एक और 2023 में भोजपुर थाने में एक मुकदमा दर्ज हुआ था। चौक कोतवाली पुलिस को पूछताछ में नफीस ने बताया कि वह अब तक नोएडा व अमरोहा जिले में 10-15 लाख रुपये की नकली करेंसी चला चुका है। शाहजहांपुर में उसने निखिल मिश्रा को डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में तैयार किया था। लेकिन, यहां आते की उसे पकड़ लिया गया।

मऊ में तीन करोड़ का गांजा बरामद, ऑन ड्यूटी आर्मी लिखे ट्रक से खेप लेकर जा रहा था तस्कर, पुलिस और एसटीएफ ने पकड़ा

मऊ। एसटीएफ और शहर कोतवाली की पुलिस को बड़ी सफलता मिली। संयुक्त टीम ने ट्रक से 3.12 करोड़ रुपये कीमत का 12.50 क्विंटल गांजा तालिमुदीन इंटर कॉलेज के पास से पकड़ा है। जानकारी के अनुसार एसटीएफ को सूचना मिली कि एक ट्रक को आर्मी के ट्रक का रूप देकर गाजा की तस्करी करने की योजना तस्करों ने बनाई है। जिसके बाद मऊ पुलिस के साथ मिलकर एसटीएफ ने तालीमुद्दीन इंटर कॉलेज के पास ट्रक को पकड़ लिया।पुलिस ने वाहन से सुल्तानपुर जनपद के बेथरा कादरी थाना के गंगापुर भुलिया निवासी जर्नादन पांडेय को गिरफ्तार किया। तस्कर ने गांजे की खेप को छिपाने के लिए सेना के पदाधिकारी के नाम पर घरेलू सामान पर्ची चस्पा किया था।इतना ही नहीं पुलिस को चकमा देने के लिए ट्रक में गांजा का स्टॉक रखने के बाद उसके ऊपर से घरेलू सामान रखा गया था। संयुक्त टीम की पूछताछ में गांजा तस्कर व ट्रक चालक ने बताया कि बलिया जनपद के सुखपुरा निवासी छोटू ने असम में अलबरा नामक एक व्यक्ति से गांजा ट्रक में लोड कराया और लखनऊ में मुलाकात होने की बात कही। बताया कि असम से लखनऊ गांजा पहुंचाने पर प्रति चक्कर 70 हजार रुपये देने की बात की थी।

पंचायत में प्रेमिका से संबंध खत्म कर मांगी थी माफी... इस बात से बौखला गया देवांशू; दीप्ति को मारकर दी जान

कन्नौज। एक युवक ने बीएससी छात्रा की हत्या के बाद खुद भी जान दे दी। युवक प्रेमिका की शादी तय होने से नाराज था। रिटायर्ड फौजी पिता की बंदूक से पहले प्रेमिका की हत्या की, फिर खुद को भी गोली मार ली। यूपी के कन्नौज में प्रेमिका की शादी तय होने से नाराज प्रेमी ने रविवार देर रात करीब तीन बजे बड़ी वारदात को अंजाम दिया। युवक ने घर में घुसकर सो रही प्रेमिका के सिर में बंदूक से गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद प्रेमिका के घर से कुछ दूर जाकर खुद भी जान दे दी। दोनों के बीच तीन साल से प्रेम संबंध थे।दरअसल, रविवार को प्रेमिका दीप्ति और प्रेमी देवांशू के परिजनों के बीच पंचायत हुई थी। उसमें देवांशू ने प्रेमिका से सारे संबंध खत्म कर माफी मांगी थी। कुछ ही देर बाद उसके हृदय में प्रेम जागा तो शाम को उसने दीप्ति के फोन पर संपर्क किया, लेकिन उसका नंबर ब्लॉक होने के कारण संपर्क नहीं हो पाया। इससे बौखलाए देवांशू ने दीप्ति की घर पहुंचकर उसकी हत्या कर दी। खुद को भी गोली मारकर तीन वर्षों से चल रही प्रेम कहानी का अंत कर दिया।छात्रा दीप्ति और देवांशू के रक्त रंजित प्रेम प्रसंग की शुरुआत तीन साल पहले हुई थी। दीप्ति सौरिख के एक महाविद्यालय में बीएससी फाइनल ईयर व देवांशू सकरावा स्थित महाविद्यालय में बीएससी फाइनल इयर का छात्र था।पढ़ाई के लिए महाविद्यालय आते जाते दोनों एक-दूसरे के संपर्क में आए थे। सौरिख के एक निजी कोचिंग सेंटर में भी दोनों साथ ही पढ़ते थे। पिता अशोक कुमार को दीप्ति के प्रेम प्रसंग की भनक लग गई।इसके दीप्ती के पिता ने रविवार को पंचायत बुलाई थी। दोनों परिवारों के बीच हुई पंचायत में देवांशू भी मौजूद था। परिजनों के दबाव बनाने पर उसने दीप्ति से सारे संबंध खत्म करने का आश्वासन देते हुए माफी मांगी। इसके बाद फिर से दीप्ति से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन दीप्ति के फोन पर उसका नंबर ब्लैक लिस्टेड था। इससे बौखलाहट में आकर देवांशू ने दीप्ति की हत्या करने के बाद खुद भी खुदकुशी कर ली।दीप्ति की शादी तय होने की जानकारी होने पर देवांशू ने तालग्राम में क्लीनिक में काम करने वाले आकाश के पास जाकर उसे शादी न करने के लिए धमकाया था। शादी करने पर हत्या करने की धमकी दी थी। आकाश ने इसकी जानकारी दीप्ति के पिता अशोक को दी। अगर अशोक कुमार ने पंचायत के माध्यम से मामला निपटाने के बजाय उसी दिन सूचना पुलिस को दे दी होती तो शायद दोनों की जान बच सकती थी। वहीं, रविवार को दोनों परिवारों के बीच हुई पंचायत में देवांशू के माफी मांगने व दीप्ति से कभी न मिलने की बात कहने पर दोनों परिवार निश्चिंत हो गए थे।देवांशू ने दीप्ति के सिर में सटाकर गोली मारी। पोस्टमार्टम में दीप्ति के सिर में गोली नहीं मिली। दीप्ति के सिर से गोली आरपार हो गई, जबकि देवांशू के सिर में गोली फंसी हुई थी। इससे साफ है कि देवांशू ने खुद के गोली कुछ दूरी से मारी होगी, जिस कारण गोली उसके सिर में फंसी रह गई।पुलिस ने दीप्ति के पिता की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पोस्टमार्टम के बाद दीप्ति के शव का कन्नौज के महादेवी घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया, जबकि देवांशू का गांव में ही अंतिम संस्कार किया गया।कन्नौज में प्रेमिका की शादी तय होने से नाराज प्रेमी ने रविवार देर रात करीब तीन बजे उसके घर में घुसकर सो रही प्रेमिका के सिर में बंदूक से गोली मारकर हत्या कर दी। उसने प्रेमिका के घर से करीब 20 मीटर दूर खुद के भी सिर में गोली मारकर जान दे दी। दोनों के बीच तीन साल से प्रेम संबंध थे। कन्नौज के पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि छात्रा के पिता की तहरीर पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। वारदात में प्रयुक्त बंदूक जब्त कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।कुठला गांव निवासी महिपाल सिंह यादव सेना से रिटायर्ड हैं। बेटा देवांशू (23) का पड़ोस के गांव सुल्तानपुर के अशोक पाल की बेटी बीएससी फाइनल इयर की छात्रा दीप्ति (21) से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लड़की के परिवार वालों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने 15 दिन पहले उसकी शादी तय कर दी। देवांशू को जब इसकी जानकारी हुई तो उसने ने लड़के को दीप्ति से शादी न करने के लिए धमकाया। लड़के ने दीप्ति के पिता को यह बात बता दी। रविवार को पड़ोस के गांव नगला भजू में दोनों परिवारों के बीच पंचायत हुई। देवांशू ने दीप्ति से सारे संबंध खत्म करने की बात कही। पंचायत में औरैया के उस युवक को भी बुलाया गया था, जिससे दीप्ति की शादी तय थी।देवांशू रविवार देर रात करीब तीन बजे अपने घर से पिता की लाइसेंसी बंदूक लेकर सुल्तानपुर पहुंच गया। वह दीप्ति के मकान की छत पर चढ़कर घर में उतर गया। एक कमरे में चारपाई पर छोटी बहन दीपांशु के सो रही दीप्ति के सिर पर बंदूक सटाकर गोली मार दी। हत्या के बाद देवांशू छत के रास्ते भाग निकला और प्रेमिका के घर से कुछ दूरी पर स्थित एक तालाब के पास जाकर खुद को गोली मार ली। इससे उसका भेजा उड़ गया और मौके पर ही मौत हो गई। वारदात की जानकारी मिलते ही देवांशू के परिवार वाले घर पर ताला डालकर भाग गए।

शाहगंज मे सोए हुए व्यक्ति कि हत्या कांड का हुआ खुलासा, एसओजी तथा थाना शाहगंज पुलिस की सयुक्त टीम को मिली बड़ी सफलता

सोनभद्र। थाना शाहगंज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मराची में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या का किया गया सफल अनावरण, हत्या करने वाले तीन नफर अभियुक्तगण को किया गिरफ्तार, कब्जे से एक अदद देशी तमंचा व फायर शुदा खोखा कारतूस 315 बोर तथा एक अदद पल्सर मोटर साइकिल बरामद।प्रकरण- दिनांक 17/18.06.2025 की रात्रि समय करीब 12.33 बजे थाना शाहगंज पर कॉलर अनिल यादव पुत्र अमरनाथ यादव निवासी ग्राम मरांची थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 22 वर्ष द्वारा सूचना दी गयी कि उसके पिता अमरनाथ यादव पुत्र बुडूक यादव उम्र करीब 55 वर्ष जो चारपाई पर बाहर सोये थे कि तीन व्यक्ति 01. मंगला गुप्ता पुत्र शिवप्रसाद निवासी ग्राम मराची/उमरी खुर्द थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र 02. ओमजी पाठक पुत्र शिवशंकर पाठक निवासीगण ग्राम उसरी थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र व 03. मोटरसाइकिल चालक नाम पता अज्ञात द्वारा अमरनाथ यादव को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटना स्थल का निरीक्षण उच्चाधिकारी गण द्वारा फील्ड यूनिट के साथ किया गया, थाना शाहगंज पर मु0अ0सं0-73/2025 धारा 103(1), 3(5) बीएनएस का अभियोग पंजीकृत कर, मृतक के शव का पोस्टमार्टम नियमानुसार करायी गई। घटना उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्तगण की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय नेतृत्व में 03 टीमें बनाकर लगातार प्रयास किया जा रहा था।इसी क्रम में एसओजी व थाना शाहगंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 24.06.2025 को समय 05.45 बजे थाना क्षेत्र शाहगंज अन्तर्गत प्रा0 विद्यालय उमरी के पास से उपरोक्त घटना से सम्बन्धित 03 नफर अभियुक्तगण 01. ओमजी

पाठक पुत्र शिवशंकर पाठक निवासी उसरी खुर्द थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 35 वर्ष 02. मंगला गुप्ता पुत्र शिवप्रसाद निवासी ग्राम मराची/उमरी खुर्द थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 30 वर्ष 03. अन्तलाल गुप्ता पुत्र गुड्डू गुप्ता निवासी ग्राम उमरी खुर्द थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 22 वर्ष को गिरफ्तार कर कब्जे से एक अदद देशी तमंचा व फायर शुदा खोखा कारतूस 315 बोर तथा एक अदद पल्सर मोटर साइकिल बरामद किया गया तथा उक्त बरामदगी के आधार पर अभियोग उपरोक्त में धारा 3/25/27 आयुध अधिनियम का बढोतरी की गयी। अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है। विवरण पूछताछ-गिरफ्तारशुदा अभियुक्त मंगला प्रसाद गुप्ता से पूछताछ करने पर बताया कि अमर नाथ यादव को मैंनें गोली मारी थी, क्योकि अमरनाथ यादव ने वर्ष 2023 में मेरे घर में घुसकर मेरे माता व पिता को बहुत मारे-पीटे थे, जिससे मेरे पिताजी का हाथ टुट गया था तथा अमर नाथ यादव का परिवार मुझे व मेरे परिवार को इतना मजबूर कर दिये कि हम लोग अपनी पैतृक जमीन व मकान बेचकर लालगंज मीरजापुर में मकान बनाकर रहने लगें और हम लोग सूरत में नौकरी करने लगे। इसी बात से क्षुब्ध होकर मैंने अमरनाथ यादव को मारने का प्लान बनाया, जिसको मैं अपने दोस्त ओमजी पाठक व अन्तलाल उपरोक्त को बताया तो यह लोग दोस्ती के नाम पर राजी हो गये, और दिनांक 17.06.2025 को मैं व अन्तलाल अपनी इसी मो0सा0 संख्या यूपी64बीबी1719 से ओमजी पाठक के घर गये, उसके बाद हम तीनों लोग इसी मोटर साइकिल पर बैठकर ग्राम मराची अमरनाथ के घर के पास पहुँचे, जहाँ पर पहले से जानकारी किये थे, कि अमरनाथ यादव उपरोक्त अपने घर के बाहर ही सोता है। मो0सा0 को खजूर के पेड़ के पास खड़ी कर मैं व ओमजी पाठक उसके घर तंमचा के साथ पहुँचे, अन्तलाल मोटर साइकिल के पास खड़ा होकर देख रेख कर रहा था। मेरे और ओंम जी पाठक के पास तमंचा था मैने अपने तमंचे से ही अमरनाथ जो कि अपने दरवाजे पर मच्छरदानी के अंदर सो रहा था के सिर में गोली मार दिया तब तक उसके घर वाले जाग गये तो ओम जी पाठक भी अपने तमंचे से फायर करके तमंचा वहीं पर फेंककर मोटर साइकिल के पास भागकर आये जहां पर मोटर साइकिल लिए अन्तलाल खड़ा था उसी मोटर साइकिल से हम लोग ओंम जी पाठक को उसके घर के पास छोड़कर मैं और अंतलाल मीरजापुर भाग गये । तब से इधर-उधर छिप छिपाकर रह रहे हैं । वकील साहब ने आज कोर्ट हाजिर कराने के लिए कहा था कि हम लोग मुख्य सड़क को छोड़कर इस रास्ते कोर्ट के लिए ही जा रहे थे कि आप लोगों ने पकड़ लिया है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण का विवरण- 01. ओमजी पाठक पुत्र शिवशंकर पाठक निवासी उसरी खुर्द थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 35 वर्ष। 02. मंगला गुप्ता पुत्र शिवप्रसाद निवासी ग्राम मराची/उमरी खुर्द थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 30 वर्ष। 03. अन्तलाल गुप्ता पुत्र गुड्डू गुप्ता निवासी ग्राम उमरी खुर्द थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 22 वर्ष। बरामदगी का विवरण- 01. एक अदद देशी तमंचा व फायर शुदा खोखा कारतूस 315 बोर। 02. एक अदद पल्सर मोटर साइकिल संख्या UP64BB1719~ गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 1. प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह, एसओजी/स्वाट टीम, जनपद सोनभद्र। 2. थानाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र। 3. उ0नि0 रामसिंहासन शर्मा चौकी कस्बा शाहंज थाना शाहगंज, जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 सतीश सिंह, का0 सत्यम पाण्डेय, का0 रितेश सिंह पटेल, का0 प्रेम प्रकाश चौरसिया, का0 अजीत कुमार, एसओजी टीम, जनपद सोनभद्र। 5. हे0का0 संतोष कुमार यादव, हे0का0 सुबाष चन्द यादव, का0 मनोज कुमार, का0चालक मनोज कुमार थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र।

गुजरात व पंजाब उपचुनाव जीत का आप ने मनाया जश्न

सोनभद्र। बढ़ौली स्वर्णजयंती चौक रॉबर्ट्सगंज में आप सोनभद्र

इकाई के कार्यकर्ताओं ने गुजरात और पंजाब में हुए उपचुनावों में पार्टी की जीत का जश्न मंगलवार मिठाई बाँटकर मनाया। जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने कहा जीत पार्टी की कड़ी मेहनत और जनता के समर्थन का प्रमाण है। पार्टी के कार्यकर्ता आने वाले चुनावों में भी ऐसी ही सफलता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। काशी प्रांत कार्यकारणी सदस्य ज्योति जंग सिंह ने कहा आम आदमी पार्टी की बड़ी जीत है,गुजरात और पंजाब चुनाव 2027 के विधान सभा चुनाव का सेमीफाइनल भी है। गुजरात की जनता भाजपा के तानाशाही को नकार दिया है, वही पंजाब की जनता ने काम पर वोट किया है। आज के कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष गोविंद चौबे, वरिष्ठ कार्यकर्ता समीर खान, अनवर अली,श्याम लाल भारती,अशोक कुमार, छोटेलाल पटेल,रविन्द्र पटेल, अमरनाथ भारती, राजेंद्र प्रसाद मौर्य, तेजबहादुर पटेल,दिनेश पटेल,कमलेश पटेल, ओंकार विश्वकर्मा, लक्ष्मण मौर्या, सुरेश सिंह पटेल, विनोद सिंह, अशोक कुमार मौर्य, ललित कुमार आदि शामिल रहे।

विद्यालय मर्जर के विरोध में मंत्री को सौंपा ज्ञापन

सोनभद्र। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद सोनभद्र के जिला महामंत्री हुकूम चन्द्र के

नेतृत्व में विद्यालय मर्जर के विरोध में 50 से कम नामांकित छात्रों वाले परिषदीय विद्यालयों की पेयरिंग करने की प्रस्तावित नीति के विरोध में संजीव गोंड (समाज कल्याण मंत्री के द्वारा, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश लखनऊ,को ज्ञापन दिया गया त ज्ञापन में माननीय मंत्री से बताया गया कि इससे ग्रामीण परिवेश में रहने वाले बच्चे एवं देश के भविष्य के नौनिहालों के भविष्य के साथ खिलाड़ हो जाएगा साथ ही विद्यालय बंद होने से हजारों की संख्या में शिक्षकों के पद समाप्त हो जाएंगे त शासन के इस निर्देश से ग्रामीण परिवेश में रहने वाले आम जनमानस में रोष व्याप्त है , अतः विनम्र पूरक अनुरोध है कि प्रदेश के बच्चों के भविष्य के प्रति गहनता से विचार करते हुए विद्यालयों के मर्जर प्रक्रिया के आदेश को निरस्त करने की कृपा करे समस्त शिक्षक समाज व आम जनमानस आपका सदा आभारी रहेगात्इस मौके पर जिला सयुक्त मंत्री राजेश कुमार जायसवाल ,उपाध्यक्ष अमित चौबे , नवीन कुमार गुप्ता ब्लाक अध्यक्ष चोपन राघवेंद्र कुमार त्रिपाठी , दूधी ब्लाक अध्यक्ष भोलानाथ, ऐंउ विद्यासागर ,मनीष शर्मा , मृत्युंजय सिंह ,योगेश वर्मा ,प्रदीप बसु , रजनीश श्रीवास्तव ,रत्नाकर चतुर्वेदी ,निशु सोनकर ,दीपू ज्योति, वीरेंद्र पनिका , रेवति रमण पाठक, लाल कुमार वैश्य मनीजर प्रसाद, विनय त्रिपाठी,शशांक यादव , आदि सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रहे।

सेवन निर्मित शिक्षकों ने किया विरोध प्रदर्शन,बुलंद की आवाज, उप्र सेवन निर्मित प्राथमिक शिक्षक कल्याण परिषद बैनर तले सौंपा पत्र

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सेवन निर्मित प्राथमिक शिक्षक कल्याण परिषद बैनर तले सेवन निर्मित कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर

में विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रधानमंत्री नामित ज्ञापन जिला अधिकारी प्रतिनिधि को देखकर बुलंद की आवाज। वही संगठन अध्यक्ष बैजनाथ देव पांडेय केन्द्रीय सिविल सेवा (पेन्शन) नियमों और भारत की संचित निधि से पेंशन देनदारियों पर व्यय के सिद्धान्तों के वैधकरण से संबंधित विधेयक संसद से पारित हो जाने के फलस्वरूप केन्द्र सरकार को पूर्व पेंशनरों और वर्तमान पेंशनरों में विभेद करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया है। इस प्रकार केन्द्र सरकार के द्वारा पूर्व पेंशनरों एवं वर्तमान पेंशनरों में भेद करने के अधिकार प्राप्त करने से न केवल उच्चतम न्यायालय के विभिन्न निर्णयों का उल्लंघन होता है पहले व इसके पश्चात के पशनरों के मध्य 7वें वेतन आयोग द्वारा प्रदत्त समानता भी समाप्त होने का जोखिम उत्पन्न हो गया है। हालॉकि केन्द्र सरकार द्वारा स्पष्ट भी किया गया है कि यह कार्यवाही कतिपय मुकदमों से उत्पन्न स्थिति के कारण करनी पडी है। यदि ऐसा था तो भी उक्त बिल में इस आशय का उल्लेख किया जा सकता था कि यह एक सीमित उददेश्य के लिए है एवं इसका कोई प्रभाव आगामी केन्द्रीय वेतन आयोग पर नहीं पडेगा ।आदरणीय देश की सामाजिक व्यवस्था में देश के प्रत्येक नागरिक को न्याय एवं सुरक्षा प्रदान करना भी प्रत्येक कल्याणकारी शासन व्यवस्था का मुख्य उददेश्य होता है। इस न्याय को प्रदान किए जाने हेतु न्यायालयों के द्वारा दिये गये निर्णय को सामान्य जन सहित प्रत्येक क्षेत्र के लोगों द्वारा स्वीकार किए जाने की अपेक्षा की जाती है। इस कम में यह भी अवगत कराना है कि डी0एस0 नाकरा बनाम यूनियन आफ इण्डिया से संबंधित सिविल रिट पिटीशन उच्चतम् न्यायालय के 5 जजों की संवैधानिक पीठ द्वारा दिये गये निर्णय में अन्य के साथ निम्नलिखित संवीक्षा भी की गई. पेंशन उन लोगों के लिये सामाजिक न्याय प्रदान करने हेतु एक सामाजिक उपाय है जिन्होंने अपने जीवन की सर्वोत्तम अवधि अपनी नियोक्ता के लिये इस आश्वासन के दृष्टिगत कठिन परिश्रम किया कि बुढापे में उन्हें समाज में बेसहारा न छोडा जायेगा। सहित अन्य कई माग रही इस मौके पर लल्लन सिंह, रासबिहारी, ब्रिज देव पांडे, राजाराम ,संजय कुमार सिंह, बाबूराम सिंह ,कैलाश देव पांडे, बलराम सिंह, कपिल देव ,अमरेश ,सोहन, श्याम नारायण सिंह ,छन्नू प्रसाद आदि मौजूद रहे।

शत्रुंजय मिश्रा झारखंड के गोड्डा जिले के कोऑर्डिनेटर हुए नियुक्त

सोनभद्र। कॉग्रेस के पूर्व प्रवक्ता,युवा कॉग्रेस के कई राज्यों मे युवा कॉग्रेस का चुनाव करवा चुके

शत्रुंजय मिश्रा को झारखंड के गोड्डा जिले का कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है,इनकी नियुक्त प्रदेश रिटर्निंग अधिकारी विपिन नेगी ने की है त इस नियुक्ति से कॉग्रेस कार्यकर्ताओं मे खुसी की लहर दौड़ पडी, सभी ने उन्हें बधाईयाँ दी है त्बताते चले की झारखंड मे युवा कॉग्रेस का संगठनात्मक चुनाव होने जा रहा है त युवा कॉग्रेस मे सदस्यता अभियान की शुरूवात से लेकर चुनाव कराने की जिम्मेदारी सौपी गई है त्शत्रुंजय मिश्रा इसके पहले बिहार,असम, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर मे चुनाव कराने की जिम्मेदारी सम्भाल चुके है.बधाई देने वालो मे कॉग्रेस जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड, सूरज यादव, राहुल पटेल, सिराज हुसैन, महिला कॉग्रेस जिलाध्यक्ष ऊषा चौबे, सेवा दल अध्यक्ष कौशलेस पाठक, प्रमोद पांडे, दयाशंकर पांडे, पूर्व प्रदेश सचिव कमलेश ओझा, सहित तमाम लोगों ने खुसी जाहिर की।

सदर विधायक ने बिजली विभाग अधिकारियों के साथ की बैठक सरकार की योजनाओं को जनमानस तक पहुंचने को दिए निर्देश

सोनभद्र। सोमवार को सदर विधायक भूपेश चौबे द्वारा सोमवार को रावटसगंज नगर स्थित

पीडब्ल्यूडी डाक बंगला परिसर में बिजली विभाग कर्मचारी के साथ बैठक करते हुए केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को आम जनमानस तक पहुंचने को दिए दिशा निर्देश। वहीं सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि सभी मदो के माध्यम से आम जनमानस की योजनाओं को उन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय दिखाएं बिजली विभाग किसी भी प्रकार से लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त किसान व आम जनमानस को सरकार के हर सुविधा का मिले लाभ समुचित व्यवस्था के साथ बिजली विभाग आम जनमानस के साथ सरलता व्यवहार से करे बर्ताव । श्री चौबे ने बिजली विभाग कर्मचारी से समीक्षा करते हुए सभी फीडरो पर अत्यधिक बिजली कटौती को लेकर जताई नाराजगी क्षेत्र में बिजली कर्मचारियों द्वारा निरंतर भ्रमड कर बिजली व्यवस्था में ना की जाए लापरवाही दिए निर्देश सभी फीडर के संबंधित जेई एक्शन प्रतिदिन रिपोर्ट लेकर मिले अशुद्धाओं का निस्तारण करते हुए बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखें इस दौरान अधीक्षण अभियंता ऐ.के. सिंह, धर्मेंद्र कुमार एसडीओ, अतुल दुबे जेइ सलखन, तेजू राम गौतम, शैलेश प्रजापति, अंबुज कुमार, अमितानंद त्रिपाठी सभी बिजली विभाग के विभागीय लोगों के साथ बिजली विभाग में होने वाले दिक्कतों का जानकारी लेते हुए आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द दुरुस्त कराया जाएगा। इस मौके पर नगर अध्यक्ष भाजपा विनय श्रीवास्तव, चुर्क मंडल अध्यक्ष दिलीप चौबे, चतरा मंडल अध्यक्ष योगेंद्र बिन्द, महेंद्र पांडे दीपक दुबे राजबहादुर सिंह संतोष शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

एसओजी तथा थाना शाहगंज पुलिस द्वारा सोए हुए व्यक्ति कि हत्या कांड का हुआ खुलासा

सोनभद्र। थाना शाहगंज क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मराची में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या का किया गया सफल अनावरण, हत्या करने वाले तीन नफर अभियुक्तगण को किया गिरफ्तार, कब्जे से एक अदद देशी तमंचा व फायर शुदा खोखा कारतूस 315 बोर तथा एक अदद पल्सर मोटर साइकिल बरामद। प्रकरण- दिनांक 17/18.06.2025 की रात्रि समय करीब 12.33 बजे थाना शाहगंज पर कॉलर अनिल यादव पुत्र अमरनाथ यादव निवासी ग्राम मरांची थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 22 वर्ष द्वारा सूचना दी गयी कि उसके पिता अमरनाथ यादव पुत्र बुडूक यादव उम्र करीब 55 वर्ष जो चारपाई पर बाहर सोये थे

खनन अधिकारी की गाड़ी से युवक को रौंदने का लगा आरोप

सोनभद्र। खनन अधिकारी की गाड़ी से एक युवक को रौंदने का लगा आरोप। घटना में घायल युवक की हालत अत्यंत गंभीर। हालत गंभीर देख प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल से घायल युवक को वाराणसी किया गया रेफर। घटन के बाद मौके से टक्कर मारने के बाद वाहन फरार। वाराणसी - शक्तिनगर मार्ग पर हुई दुर्घटना। घटना के बाद पॉलिटेक्निक के छात्रों ने एम्बुलेंस द्वारा घायल को पहुंचाया जिला अस्पताल। घायल के परिजनों द्वारा खनन अधिकारी पर जानबूझकर धक्का मारने का आरोप। लोढ़ी खनन विभाग के चेकपोस्ट पर हुई दुर्घटना। प्रत्यक्ष दर्शियों ने भी बताया सरकारी गाड़ी से मारा गया टक्कर। राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के लोढ़ी टोल प्लाजा के समीप का मामला।

भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की चतुर्थ रथ यात्रा 27 जून प्रातः 8:00 बजे बाबा के दरबार से निकलेगी

सोनभद्र। बाबा जगमोहनेश्वर धाम चंद्रपुर मंदिर प्रांगण में प्राण प्रतिष्ठित भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की चतुर्थ रथ यात्रा दिनांक 27 जून 2025 आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर प्रातः 8:00 बजे बाबा के दरबार से निकलेगी जगमोहनेश्वर धाम कमेटी के मुख्य व्यवस्था प्रभारी धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने बताया की 1 जून 2022 को भगवान जगन्नाथ महाप्रभु के प्राण प्रतिष्ठा बाबा के दरबार में कराई गई थी तब से लेकर नित्य प्रात काल 9:00 बजे एवं रात्रि 9:00 बजे दोनों समय में भगवान जगन्नाथ जी की आरती हो रही है भगवान जगन्नाथ जी की प्राण प्रतिष्ठा जगन्नाथ पुरी उड़ीसा के दरबार के मुख्य पुरोहित आचार्य पंडित शिवनारायण महापात्र द्वारा वैदिक विधान से पांच दिवसीय पूजन के उपरांत दिनांक 1 जून 2022 को प्राण प्रतिष्ठित कराई गई थीदिनांक 11 जून ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा तिथि पर भगवान जगन्नाथ जी को 108 घड़ा के जल से स्नान कराया गया था, उसके बाद भगवान जगन्नाथ जी अस्वस्थ हो गए थे और उन्हें ज्वर आ गया था जिसके कारण जगन्नाथ जी 15 दिनों के लिए एकांतवास में चले गए थे दिनांक 26 जून 2025 आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर भगवान जगन्नाथ जी स्वस्थ होंगे और नौ कलेवर के रूप मे शाम को भक्तों को दर्शन देंगे और अगले दिन 27 जून को स्वस्थ होने पर नगर भ्रमण को निकलेंगे जहां पर अपनी मौसी के आवास गुंडिचा भवन को प्रस्थान करेंगे जगन्नाथ जी के लिए रथ तैयार कर लिया गया है जिसे भव्य रूप से सजाया गया है जिस नदी घोष रथ कहा जाता है यह रथ यात्रा प्रात 8:00 बजे बाबा के दरबार से निकलेगी और यूनियन बैंक से घूम करके मलिक मऊ रोड गणेश होटल होते हुए रामकृपाल चौराहा और सुपर मार्केट होते हुए बाबा के दरबार प्रातः 10:00 बजे लगभग पहुंचेगी यहां पर कुछ देर विश्राम करने के उपरांत आरती होगी और प्रसाद का वितरण होगा तदुपरांत लगभग 12:00 बजे भगवान जगन्नाथ जी अपने गर्भ ग्रह में पुनः प्रतिष्ठित होंगे जहां पर पहुंचने पर आरती होगी और प्रसाद का वितरण होगा कढ़ी चावल और 56 भोग प्रसाद का भोग लगेगा भक्तों में प्रसाद का वितरण किया जाएगा रायबरेली जनमानस से अनुरोध है कि इस चतुर्थ रथ यात्रा में सब परिवार सम्मिलित होकर के भगवान जगन्नाथ जी के रस्सी को पकड़े और अपने जीवन को धन्य बना ले

वीरता पराक्रम आदर्श के रुप मे वीरांगना महारानी दुर्गावती का हैं नाम

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी जनजाति मोर्चा मोर्चा द्वारा आयोजित वीरांगना महारानी दुर्गावती के 461वीं वर्ष के बलिदान दिवस, भाजपा जिला कार्यालय पर मनाया गया। जिसमे बतौर मुख्यअतिथि के रुप मे प्रदेश अध्यक्ष जनजाति मोर्चा डॉ0 संजय गोंड , विशिष्ठ अतिथि समाज कल्याण राज्यमंत्री उ0प्र0सरकार संजीव कुमार गोंड उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंम्भ महारानी दुर्गावती के चित्र पर मुख्यअतिथि संजय गोंड, विशिष्ठ अतिथि संजीव कुमार गोंड, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल , सदर विधायक भूपेश चौबे, क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा विनोद खरवार, पूर्व सांसद रामशकल , शारदा खरवार ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित की।कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल व संचालन जिला महामंत्री जनजाति मोर्चा शंम्भू गोंड ने किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि संजय गोंड ने कहा कि रानी दुर्गावती देश के लिए एक मिशाल के रुप मे हमेशा याद की जायेंगी उनकी वीरता और पराक्रम को आदर्श के रुप मे आज भी याद किया जाता है गोंड समाज निश्चित रुप से समाज के विकास मे अपनी अहम भूमिका के साथ स्थापित हुआ है, गोंड समाज पिछली सरकारों मे उपेक्षा का शिकार रहा लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने गोंड समुदाय को उनका हक और अधिकार दिलाने एवं सबका साथ सबका विकास की तर्ज पर सम्मान

दिलाने का कार्य कर रही है। आगे कहा कि रानी दुर्गावती जी का दमोह जबलपुर स्टेट हाईवे पर सिग्रामपुर गांव में रानी दुर्गावती प्रतिमा स्थल से छह किलोमीटर की दूरी पर रानी दुर्गावती का सिंगोरगढ़ का किला है। यह जगह रानी दुर्गावती की राजधानी थी। किले की उम्र सैकड़ों वर्ष होने के बाद भी उसकी दीवारें आज भी मजबूती से खड़ी हैं। रानी महल, हाथी दरवाजे, स्नान के लिए किले के अंदर बने जलाशय और किले की पहाड़ियों में बने गुप्त रास्तों का रहस्य आज भी पहेली लगता है। जिले के मुख्य हाथी दरवाजे से कुछ ही दूरी पर सिंगोरगढ़ जलाशय है, यहां आज भी 12 महीने पानी रहता है। रानी दुर्गावती का जन्म राजपूत परिवार में हुआ था उनकी वीरता के किस्से सुनकर गोंडवाना साम्राज्य के तत्कालीन राजा संग्राम सिंह मरावी ने अपने बेटे दलपत शाह मरावी से उनकी शादी करवाई थी। विवाह के चार वर्ष बाद ही दलपत शाह का निधन हो गया था, उस समय रानी दुर्गावती का बेटा नारायण केवल तीन साल का था। रानी ने स्वयं ही गोंडवाना साम्राज्य संभाल लिया, उन्होंने अनेक मठ, बावड़ी व अन्य धर्मशालाएं बनवाईं थीं। वर्तमान जबलपुर उनके राज्य का केंद्र था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ठ अतिथि संजीव कुमार गोंड ने कहा कि रानी दुर्गावती अपनी दासी के नाम पर चेरीताल, अपने नाम पर रानीताल व अपने विश्वस्त दीवान आधार सिंह के नाम पर अधाड़ताल बनवाया था। रानी दुर्गावती के संपन्न राज्य पर मालवा के मुसलमान शासक बाज बहादुर ने कई बार हमला किया, लेकिन हर बार पराजित हुआ। यशस्वी रानी दुर्गावती के हवाले से बताते हैं कि मुगल शासक अकबर भी राज्य को जीतना चाहता था। अकबर ने अपने एक रिश्तेदार आसिफ खान के नेतृत्व में गोंडवाना साम्राज्य पर हमला कर दिया। एक बार तो आसिफ खान पराजित हुआ पर अगली बार उसने दोगुनी सेना और तैयारी के साथ हमला बोला। दुर्गावती के पास उस समय कम सैनिक थे, उन्होंने जबलपुर के पास नरई नाले के किनारे मोर्चा लगाया और खुद पुरुष के वेश में युद्ध का नेतृत्व किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुसूचित जनजाति के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद खरवार ने कहा कि रानी दुर्गावती द्वारा युद्ध में मुगलों को भारी नुकसान हुआ और 24 जून 1564 को मुगल सेना ने फिर हमला बोला। रानी के बेटे नारायण को सुरक्षित स्थान पर भेजकर पराक्रम दिखाया हालांकि संभावित हार को देखते हुए उन्होंने खुद अपना बलिदान दे दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने कहा कि रानी दुर्गावती जी का मंडला रोड पर बरेला नामक जगह पर रानी की समाधि है। अबुल फजल की अकबरनामा में गोंडवाना राज्य का उल्लेख मिलता है। बरेला मंडला रोड पर रानी की समाधि है। यहां गोंड जनजाति के लोग जाकर रानी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। जबलपुर में विश्वविद्यालय का नाम भी रानी दुर्गावती के नाम पर ही है। दमोह जिले के बटियागढ़ ब्लॉक के आंजनी गांव में आज भी रानी दुर्गावती की सातवीं पीढ़ी रहती है। खुद को सातवीं पीढ़ी का वंशज बताने वाले इंदुर शाह ने बताया कि हमारे पूर्वज ने हमें कभी झुकना नहीं सिखाया और इसीलिए अपनी रियासत खोनी पड़ी। हालांकि रानी के वंशज सरकार की उपेक्षा से काफी दुखी हैं।अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमरेश चेरो ने कार्यक्रम मे आये हुए सभी अतिथियों व कार्यकर्ता का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।इस मौके पर सदर विधायक भूपेश चौबे, प्रदेश मंत्री जनजाति मोर्चा नागेश्वर गोंड, क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा अजीत रावत, शीतला आचार्य, रामअरुण खरवार, प्रेमनाथ गोंड, विजय खरवार, चन्द्रावती, ज्योति खरवार, ओमप्रकाश दूबे, उदयनाथ मौर्या, अनूप तिवारी, कृष्णमुरारी गुप्ता, रामसुन्दर निषाद, संतोष शुक्ला, गुडिया त्रिपाठी, रुबी गुप्ता, किरन तिवारी, परशुराम केशरी, नार सिंह पटेल, महेश्वर चन्द्रवंशी, प्रवीण सिंह, आशीष केशरी, रितु अग्रहरी, योगेन्द्र बिन्द, बलराम सोनी सहित आदि कार्यकर्ता व पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

डब्लूडब्लू को मिलने वाले हैं किंग और क्वीन, कौन पहनेगा ताज? 4 पहलवानों में है भयानक 'जंग'

नयी दिल्ली। डब्लूडब्लू अपने अगले बड़े प्रीमियम लाइव इवेंट

नाइट ऑफ चैंपियंस की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जो रियाद, सऊदी अरब के किंगडम एरिना में होगा। इस इवेंट का एक प्रमुख आकर्षण किंग और क्वीन ऑफ द रिंग टूर्नामेंट होगा। हफ्तों से प्रतियोगिता पूरे जोर-शोर से चल रही थी। इस सप्ताह के मंडे नाइट रॉ के संस्करण में धूल जमने के बाद इस साल नए किंग और क्वीन ऑफ द रिंग का ताज पहनाने के लिए फाइनल तय हो गया। डब्लूडब्लू नाइट ऑफ चैंपियंस में किंग और क्वीन ऑफ द रिंग का विजेता मिलेगा।किंग और क्वीन ऑफ द रिंग के पहले सेमीफाइनल का समापन पिछले सप्ताह फ्राइडे नाइट स्मैकडाउन के संस्करण में हुआ। महिलाओं की तरफ से असुका ने एलेक्सा ब्लिस को हराकर टूर्नामेंट में आगे बढ़ीं। दूसरी ओर रैंडी ऑर्टन ने सामी जेन को हराकर एक बार फिर किंग ऑफ द रिंग टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जैसा कि उन्होंने पिछले साल किया था।इस सप्ताह रॉ के एपिसोड में टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल हुए। शो के पहले घंटे में जेड कार्गिल ने रॉक्सैन पेरेज के खिलाफ फाइट की। एनएक्सटी स्टैंडआउट ने कार्गिल से मुकाबला किया और दोनों महिलाओं ने एक शानदार प्रदर्शन किया। धूल जमने के बाद द स्टॉर्म ने पेरेज को एक जोरदार जेडेड के साथ हराकर जीत हासिल की।शो के आगे बढ़ने पर मेन इवेंट जे उसो और कोडी रोड्स के बीच सेमीफाइनल मुकाबला हुआ। दोनों ने अपनी दोस्ती को भुला दिया और एक-दूसरे पर हर संभव हमला किया। मुकाबले के अंतिम पल में रोड्स ने उसो स्प्लैश को काउंटर किया और उसके बाद कोडी कटर और क्रॉस रोड्स के साथ जीत हासिल की और फाइनल में जगह बनाई।इन दोनों मैचों के समापन के साथ टूर्नामेंट के दोनों फाइनल तय हो गए। जेड कार्गिल का मुकाबला असुका से होगा, जबकि रैंडी ऑर्टन और कोडी रोड्स पहली बार डब्लूडब्लू में रोड्स की वापसी के बाद एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे। तो यह देखना बाकी है कि नाइट ऑफ चैंपियंस में किंग और क्वीन ऑफ द रिंग के रूप में कौन विजेता रहेगा।

898 विकेट, 43 फाइव विकेट हॉल, टूटी उंगली से ऑस्ट्रेलिया को रौंदा, दिलीप दोषी का ऐसा करिश्माई करियर

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय बाएं हाथ के स्पिनर दिलीप दोषी का 77 वर्ष की उम्र में लंदन में कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया। वह उन चुनिंदा क्रिकेटरों में शामिल हैं, जिन्होंने बिशन सिंह बेदी, चंद्रशेखर, प्रसन्ना, वेंकटराघवन की मशहूर चौकड़ी के बावजूद अपनी अलग पहचान बनाई। उनके परिवार में उनकी पत्नी कालिंदी, बेटा नयन (जो प्रथम श्रेणी क्रिकेट भी खेल चुके हैं) और बेटी विशाखा हैं। उनके निधन पर महान सचिन तेंदुलकर

सहित तमाम दिग्गजों ने अपना शोक व्यक्त किया है। 22 दिसंबर, 1947 को राजकोट, सौराष्ट्र में जन्मे दोषी ने देर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, लेकिन अपनी सटीकता, धैर्य और गेंद को हवा में घुमाने की क्षमता से अपनी छाप छोड़ी। दिलीप दोषी का प्रथम श्रेणी क्रिकेट करियर काफी शानदार रहा। उन्होंने 1968-69 सीज़न में पदार्पण किया और 1986 में संन्यास लेने तक कुल 238 प्रथम श्रेणी मैच खेले। इस दौरान उन्होंने कुल 898 विकेट लिए, जिसमें 43 बार एक पारी में पांच विकेट और छह बार एक मैच में दस विकेट शामिल थे। यह आंकड़ा उनकी असाधारण निरंतरता और विकेट लेने की क्षमता को दर्शाता है। घरेलू क्रिकेट में उन्होंने मुख्य रूप से बंगाल का प्रतिनिधित्व किया, जहां वह रणजी ट्रॉफी में टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी थे। उन्होंने सौराष्ट्र के लिए भी खेला। इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में भी उनका प्रभाव रहा, जहां उन्होंने नॉटिंघमशायर और वारविकशायर के लिए खेला। नॉटिंघमशायर के साथ चार सत्रों में उन्होंने 44 प्रथम श्रेणी मैचों में 157 विकेट लिए।दिलीप दोषी ने 1979 में 32 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, जो कि एक स्पिनर के लिए काफी देर से माना जाता है। उन्होंने अपना टेस्ट डेब्यू ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में किया, जहां उन्होंने पहली पारी में 6 विकेट सहित मैच में 8 विकेट लेकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। वह उन 9 भारतीय खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने अपने टेस्ट डेब्यू में पांच विकेट लिए हैं। उन्होंने 1979 से 1983 के बीच भारत के लिए 33 टेस्ट मैच खेले और 114 विकेट लिए। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम छह बार एक पारी में पांच विकेट शामिल हैं। उनकी गेंदबाजी औसत 30.71 और इकॉनमी रेट 2.25 थी, जो उनकी सटीकता और नियंत्रण को दर्शाती है।टेस्ट क्रिकेट में उनके कुछ यादगार प्रदर्शनों में 1981 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की ऐतिहासिक जीत में उनका प्रदर्शन शामिल है। इस मैच में उन्होंने फ्रैक्चर पैर की उंगली के बावजूद गेंदबाजी की और पांच विकेट लेकर भारत को एक छोटा लक्ष्य बचाने में मदद की। सर गैरी सोबर्स जैसे महान खिलाड़ी ने भी दोषी की प्रशंसा की थी। टेस्ट के अलावा दिलीप दोषी ने भारत के लिए 15 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले, जिसमें उन्होंने 22 विकेट लिए। एकदिवसीय मैचों में उनका औसत 23.82 और इकॉनमी रेट 3.96 प्रभावशाली रहा। न्यूजीलैंड के खिलाफ 4/30 का उनका सर्वश्रेष्ठ वनडे गेंदबाजी प्रदर्शन रहा।दिलीप दोषी ने 1983 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया, जिससे उनका अंतरराष्ट्रीय करियर 4 साल तक सीमित रहा। हालांकि, उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलना जारी रखा और 1986 में पूरी तरह से संन्यास लिया। दिलीप दोषी को एक क्लासिकल बाएं हाथ के स्पिनर के रूप में जाना जाता था, जो गेंद को हवा में फेंकने और बल्लेबाजों को धोखा देने की कला में माहिर थे। भले ही उन्हें भारतीय क्रिकेट की प्रसिद्ध स्पिन चौकड़ी (बेदी, चंद्रशेखर, प्रसन्ना, वेंकटराघवन) के बाद खेलने का मौका मिला, उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाई। वह उन चुनिंदा गेंदबाजों में से एक हैं, जिन्होंने 30 साल की उम्र के बाद टेस्ट डेब्यू करने के बावजूद 100 से अधिक टेस्ट विकेट लिए। हाल ही में 23 जून, 2025 को 77 वर्ष की आयु में लंदन में उनका निधन हो गया, जिससे क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई। दिलीप दोषी ने एक खिलाड़ी के रूप में और एक व्यक्ति के रूप में खेल में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उनकी विरासत भारतीय क्रिकेट के इतिहास में हमेशा जीवित रहेगी।

बीसीसीआई को 4 दिन पहले से पता थी विराट कोहली के रिटायरमेंट की बात, सौरव गांगुली ने बताई पर्दे के पीछे की बात

नयी दिल्ली। बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर एक हैरान करने वाला बयान दिया है। गांगुली का मानना है कि टेस्ट से संन्यास लेने का फैसला पूरी तरह से विराट कोहली का था। 36 साल के कोहली ने 12 मई को संन्यास की घोषणा की थी। विराट कोहली ने बीसीसीआई को चार दिन पहले ही बता दिया था कि वह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने विराट को अपने फैसले पर विचार करने के लिए भी कहा था, लेकिन वे नहीं माने।बता दें कि सौरव गांगुली और विराट कोहली टीम इंडिया में एक साथ काम चुके थे। सौरव गांगुली के बीसीसीआई अध्यक्ष रहते हुए विराट कोहली टीम इंडिया के कप्तान थे। ऐसे में गांगुली ने बताया कि कोहली ने यह फैसला खुद लिया था। संन्यास को लेकर उन पर किसी तरह का दबाव नहीं था। विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के निराशाजनक दौरे के बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी की थी। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में दिल्ली का प्रतिनिधित्व किया था। इसके बाद उन्होंने संन्यास का ऐलान कर दिया।विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट

से संन्यास लेने के फैसले ने कई लोगों को चौंका दिया। गांगुली भी उनमें से एक थे। कोहली पहले ही टी20 इंटरनेशनल छोड़ने का फैसला कर लिया था। टी20 से उनके संन्यास के बाद सबको उम्मीद थी कि वे कुछ और सालों तक टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में सौरव गांगुली ने कहा कि हर चीज का अंत होता है।सौरव गांगुली ने अपने खेल से संन्यास लेने के बारे में भी बात की। उन्होंने कोहली के फैसले और अपने फैसले में समानता बताई। उन्होंने 37 साल की उम्र में टेस्ट से संन्यास ले लिया था। वे एक साल से ज्यादा समय से वनडे टीम से बाहर थे और उन्होंने कभी टी20 इंटरनेशनल नहीं खेला था। 2006-2007 में वे अपने सबसे अच्छे फॉर्म में थे। उस साल उन्होंने किसी भी भारतीय बल्लेबाज से ज्यादा वनडे में रन बनाए थे। फिर भी गांगुली ने संन्यास ले लिया, क्योंकि टीम 2011 विश्व कप के लिए युवा खिलाड़ियों पर ध्यान दे रही थी।

इंग्लैंड में मुझे गेंदबाजी की थी, आपका यूं जाना तोड़ गया... दिलीप दोषी के निधन पर सचिन तेंदुलकर का भावुक पोस्ट

नयी दिल्ली। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वालेसचिन तेंदुलकर सहित भारतीय क्रिकेट

समुदाय ने बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी को श्रद्धांजलि अर्पित की जिनका सोमवार को लंदन में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। वह 77 साल के थे। तेंदुलकर ने 1990 के इंग्लैंड दौरे में दोशी के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, 'मैं दिलीप भाई से पहली बार 1990 में ब्रिटेन में मिला था और उस दौरे पर उन्होंने मुझे नेट्स पर गेंदबाजी की थी। वह मुझसे बहुत प्यार करते थे और मैंने भी उनकी भावनाओं का सम्मान किया। मुझे उनकी बहुत याद आएगी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।'दोशी के साथ खेल चुके पूर्व भारतीय ऑलराउंडर और मुख्य कोच रवि शास्त्री ने उन्हें 'बेदाग, एक सज्जन व्यक्ति और बेहतरीन गेंदबाज' के रूप में याद किया। शास्त्री ने कहा, 'उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना। उनकी आत्मा को शांति मिले। दिलीप दोशी के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ।' बिशन सिंह बेदी के संन्यास के बाद 1979 में दोशी ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और 1983 तक कुल 33 मैच खेले और 114 विकेट हासिल किए।पूर्व भारतीय क्रिकेटर और चयनकर्ता सुनील जोशी ने ट्वीट किया, 'अब भी यकीन नहीं हो रहा है, हमने पिछले बुधवार को ही बात की थी और वह ठीक लग रहे थे। दिलीप दोशी सर के निधन से दिल टूट गया है। वह मैदान पर महान खिलाड़ी थे और मैदान के बाहर सच्चे सज्जन व्यक्ति थे। वह मेरे लिए बहुत मायने रखते थे और यह क्षति बेहद निजी है। दोशी परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।'पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने कहा, 'दिलीप भाई के निधन के बारे में सुनकर दिल टूट गया। भगवान उनके परिवार और दोस्तों को इस दुख को सहने की शक्ति दे। नयन (दोशी के पुत्र) तुम्हारे बारे में सोच रहा हूं दोस्त।' पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने लिखा, 'दिल टूट गया है और मैं अब भी दिलीप अंकल के निधन से सदमे में हूं। वह वाकई बहुत खास थे।' पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने कहा, 'यह बड़ा सदमा है। भारत के दिग्गज क्रिकेटर दिलीप दोशी का 77 साल की उम्र में लंदन में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। भगवान उनके परिवार और करीबी लोगों को इस दुख से उबरने की शक्ति दे। उनकी आत्मा को शांति मिले।'पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा और हरभजन सिंह ने भी दोशी को श्रद्धांजलि अर्पित की। ओझा ने कहा, 'दिलीप दोशी सर के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। उन्होंने भारतीय क्रिकेट की सेवा गरिमा और धैर्य के साथ की। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। उनकी आत्मा को शांति मिले।' हरभजन ने लिखा, 'दिलीप दोशी सर की आत्मा को शांति मिले। परिवार के प्रति संवेदना।'

रैंडी, कोडी और रॉलिंस को एक साथ कूट देगा रेसलर,डब्लूडब्लूई तैयार कर रहा भविष्य का सुपरस्टार

नयी दिल्ली। डब्लूडब्लूई में गुंथर का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा है। उन्हें बड़े टाइटल के लिए

लड़ना होगा। वहीं सैथ रॉलिंस और कोडी रोड्स आज डब्लूडब्लूई के टॉप रेसलर माने जाते हैं। कंपनी भविष्य के लिए गुंथर को तैयार कर रही है। कीपिंग इट 100 ऑफिशियल पॉडकास्ट में गुंथर और गोल्डबर्ग के मैच पर बात हुई। गुंथर के माइक पर बोलने की कला की भी चर्चा हुई। उन्हें हर तरह से बेहतर बताया गया और भविष्य का स्टार कहा गया।पॉडकास्ट में कहा गया कि गुंथर को अब कोडी रोड्स और सैथ रॉलिंस जैसे बड़े सितारों के खिलाफ अपने टाइटल को डिफेंड करना चाहिए। सैथ रॉलिंस ने डब्लूडब्लूई में कोडी रोड्स की वापसी का क्रेडिट खुद को दिया। उन्होंने कहा कि फैंस रोमन रेंस, सीएम पंक और ब्रॉन ब्रेकर को चाहते थे, लेकिन यह सब उन्होंने ही किया है। एक डब्लूडब्लूई स्टार ने बताया कि उन्हें कंपनी से निकाला नहीं गया था, बल्कि उन्होंने खुद जाने के लिए कहा था।कीपिंग इट 100 ऑफिशियल पॉडकास्ट में गुंथर और गोल्डबर्ग के मैच पर बात हुई। पॉडकास्ट के होस्ट ने कहा 'गुंथर एक कम्पलीट पैकेज हैं। उन्होंने खुद को बहुत अच्छी तरह से संभाला है और मुझे लगता है कि वे उन्हें तैयार कर रहे हैं और उन्हें अगला कदम उठाने की जरूरत है, जहां वह कोडी, सैथ और रैंडी से रेसलिंग शुरू कर सकें। उन्हें उन लोगों के खिलाफ अपने टाइटल का बचाव करने की जरूरत है।'गुंथर और गोल्डबर्ग का मैच 12 जुलाई, 2025 को सैटरडे नाइट्स मेन इवेंट में वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप के लिए होगा। डब्लूडब्लूई में बहुत कुछ हो रहा है। गुंथर का भविष्य उज्ज्वल है। गोल्डबर्ग के खिलाफ गुंथर का ये मुकाबला उनके करियर के लिए काफी अहम होने वाला है। बता दें कि यह मैच गोल्डबर्ग के रेसलिंग करियर का आखिरी मुकाबला है। ऐसे में फैंस इस मैच पर अपनी नजरें बनाए हुए हैं।

एक बार फिर गम में डूबे भारत-इंग्लैंड के खिलाड़ी नम आंखों से दी इस पूर्व दिग्गज को श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला गम से भरा रहा। खेल के पहले दिन दोनों टीमों

के खिलाड़ियों ने बांह पर काली पट्टी पहनी। दरअसल यह काली पट्टी अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया प्लेन क्रैश में मारे गए लोगों की याद में पहना गया था। इसके बाद खेल के तीसरे दिन इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट डेविड 'सिड' लॉरेंस का निधन हुआ हो गया, जिसके कारण दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने आर्म बैंड पहना था। वहीं खेल के चौथे दिन की समाप्ति के बाद एक बार फिर से दुखद खबर आई।इस बार भारत के पूर्व बाएं हाथ के दिग्गज स्पिनर दिलीप दोषी का निधन हो गया। दिलीप दोषी भारत के बेहतरीन स्पिन गेंदबाजों में से एक रहे थे। हृदय संबंधित बीमारी के कारण उनका लंदन में निधन हुआ। वह कई सालों से लंदन में रह रहे थे। उन्होंने 1980 के दशक में अचनाक इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेकर सबको हैरान कर दिया था। दिलीप दोषी के निधन से भारतीय क्रिकेट में शोक की लहर दौड़ गई। सचिन तेंदुलकर और हरभजन सिंह जैसे दिग्गजों ने सोशल मीडिया के माध्यम से शोक प्रकट किया।भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे हेडिंग्ले टेस्ट मैच का चौथा दिन ही रोमांचक हो गया। खेल के चौथे दिन की समाप्ति तक लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान इंग्लैंड की टीम ने बिना किसी विकेट के नुकसान पर 21 रन बना लिए थे। इससे पहले भारतीय टीम की पारी 364 रन के स्कोर पर सिमटी थी। वहीं पहली पारी में टीम इंडिया को 6 रन की बढ़त हासिल थी। इस कारण इंग्लैंड को चौथी पारी में टेस्ट मैच जीतने के लिए 371 रनों का लक्ष्य मिला।इस मुकाबले की बात करें तो इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। वहीं टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत की शतकीय पारी से 471 रन बनाए थे। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम ने 465 रन के स्कोर पर सिमट गई थी। यही कारण है कि टीम इंडिया को पहली पारी में 6 रन की लीड मिली थी।

क्या डब्लूडब्लूई करने जा रहा बहुत बड़ा बदलाव? कोडी रोड्स से जुड़ा है मामला

नयी दिल्ली।डब्लूडब्लूई के पूर्व अनडिस्प्यूटेड चैंपियन कोडी रोड्स आजकल डब्लूडब्लूई में अपनी जगह

बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उनके एंट्री थीम सॉन्ग किंगडम में भी बदलाव होने की संभावना थी। डब्लूडब्लूई अपनी रचनात्मक चीजों में कई नए बदलाव कर रहा है। खासकर रेसलर के एंट्री थीम में। अटकलें लगाई जा रही थीं कि कोडी रोड्स के थीम सॉन्ग को भी बदला जा सकता है। लेकिन अच्छी खबर यह है कि उनके थीम सॉन्ग किंगडम को नहीं बदला जाएगा। यह गाना डाउनस्टैट ने गाया है। शॉन रॉस सैप ने भी इसकी पुष्टि की है। कोडी रोड्स का यह सिग्नेचर थीम सॉन्ग बना रहेगा। हाल ही में एक सवाल-जवाब सेशन के दौरान शॉन रॉस सैप से पूछा गया कि क्या कोडी को अपना थीम सॉन्ग बदलने के लिए मजबूर किया जा सकता है। सैप ने साफ किया कि कंपनी में कोडी की मौजूदा स्थिति को देखते हुए ऐसा होने की संभावना नहीं है।शॉन रॉस सैप ने कहा, 'मुझे लगता है कि उस आदमी के पास इतना दम है कि वह इससे बच सकता है। यह उनकी परफॉर्मेंस और डब्लूडब्लूई की परफॉर्मेंस का एक अहम हिस्सा है। आप वहां जाना चाहते हैं और 'हुआ ' करना चाहते हैं, आप गाना सुनना चाहते हैं, यह सब अच्छा है। मुझे लगता है कि यह बहुत बुरा होगा।' उन्होंने आगे कहा कि अगर कोडी खुद इसे बदलना चाहें तो यह अलग बात है, लेकिन डब्लूडब्लूई उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर करे, इसकी संभावना बहुत कम है।पहले, रोड्स ने अपने थीम सॉन्ग किंगडम को बदलने का विचार रखा था। वह चाहते थे कि उनकी बेटी लिबर्टी फेमस Fve Wrestling Has More Than One Royal Family को फिर से रिकॉर्ड करे। इससे गाने में एक पर्सनल टच आ जाएगा और यह उनकी रेसलिंग विरासत को श्रद्धांजलि होगी।

क्रिकेटर शिवम दुबे ने एक ही साथ करोड़ों में खरीदे दो लग्जरी अपार्टमेंट, वहीं युजवेंद्र चहल का किराए का घर

मुंबई। धनश्री वर्मा से तलाक के दौरान क्रिकेटर युजवेंद्र सिंह चहल ने मुंबई में आलीशान घर किराए पर लिया था। वह हर महीने 3 लाख रुपए किराया देते हैं, जबकि 10 लाख रुपए की सिक्योरिटी डिपॉजिट भी थी। माना जा रहा है कि इसी घर में आरजे महवश के साथ शिफ्ट होंगे, जो आईपीएल 2025 में लगातार यूजी को चीयर करते नजर आई थीं। लीव एंड लाइसेंसिंग एग्रीमेंट के अनुसार, अभिनेत्री, सुपरमॉडल, टीवी होस्ट और पूर्व मिस वर्ल्ड इंडिया सूरी नताशा अंधेरी पश्चिम में ट्रांसकॉन ट्रायम्फ में 1399 वर्ग फुट की संपत्ति की मालिक हैं। इस बीच भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर शिवम दुबे ने मुंबई के अंधेरी पश्चिम में ही ओशिवारा इलाके में दो आलीशान अपार्टमेंट खरीदे हैं।ऑनलाइन प्रॉपर्टी पोर्टल स्क्वायर यार्ड्स डॉट कॉम द्वारा महानिरीक्षक पंजीकरण की वेबसाइट पर समीक्षा किए गए संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, इस लेनदेन की कुल कीमत 27.50 करोड़ रुपये

है और यह जून 2025 में पंजीकृत किया गया। ये दोनों अपार्टमेंट डीएलएच एन्क्लेव नामक एक आवासीय परियोजना में स्थित हैं और एक-दूसरे से सटी मंजिलों पर हैं। इन दोनों अपार्टमेंट्स का कुल कारपेट एरिया 4,200 वर्ग फुट (390 वर्ग मीटर) है, और इनके साथ 3,800 वर्ग फुट (353 वर्ग मीटर) की एक छत भी है। दोनों अपार्टमेंट का कुल निर्मित क्षेत्र 892.19 वर्ग मीटर (9,603 वर्ग फुट) है। यह देव लैंड एंड हाउसिंग लिमिटेड (अन्र्थ्ह् ह् पदल्ेहु थस्सू) से सीधे खरीदा गया है और इसमें तीन कार पार्किंग स्थल भी शामिल हैं। इस खरीद पर कुल 1.65 करोड़ रुपये का स्टांप शुल्क और 30,000 रुपये का पंजीकरण शुल्क लगा है। अंधेरी पश्चिम मुंबई के प्रमुख व्यावसायिक जिलों और मनोरंजन क्षेत्रों के बीच रणनीतिक रूप से स्थित है। यह वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, लिंक रोड, एसवी रोड और वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर मेट्रो लाइन के माध्यम से शानदार कनेक्टिविटी प्रदान करता है।इन वर्षों में अंधेरी पश्चिम एक जीवंत वाणिज्यिक और आवासीय केंद्र के रूप में विकसित हुआ है, जिसमें आधुनिक कार्यालय परिसरों, सह-कार्यस्थलों, ल्र्ज्ञ्ेत खुदरा दुकानों, मनोरंजन केंद्रों और प्रीमियम आवासीय विकास का एक गतिशील मिश्रण है। इसकी मजबूत बुनियादी ढांचा और प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों से निकटता इसे व्यवसायों, उच्च-निवल-मूल्य वाले व्यक्तियों, मशहूर हस्तियों और कामकाजी पेशेवरों के लिए एक पसंदीदा स्थान बनाती है।25 जून 1993 को जन्मे शिवम दुबे एक भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं। वह घरेलू क्रिकेट में मुंबई और इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हैं। उन्होंने नवंबर 2019 में भारतीय क्रिकेट टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया और उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2024 का टी20 विश्व कप जीता था। यह खरीद मुंबई के रियल एस्टेट बाजार में हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों के बढ़ते निवेश को दर्शाती है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जो उत्कृष्ट कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाओं की पेशकश करते हैं।

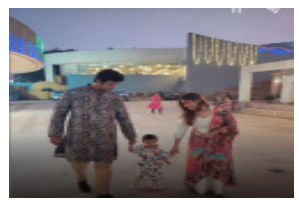

रोहित शर्मा ने हरभजन को अपनी लव स्टोरी बताई:बोले- 6 साल रितिका से दोस्ती रही, पिच पर प्रपोज किया, आई लव यू नहीं बोल पाया

नयी दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपनी पत्नी गीता बसरा के साथ यूट्यूब पर नया चैट शो 'हू इज द बॉस' शुरू किया है। इसके पहले एपिसोड में भारतीय वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा अपनी पत्नी रितिका सजदेह के साथ पहुंचे। 48 मिनट के एपिसोड में रोहित ने हरभजन के सामने जिंदगी के कई राज खोले। बातचीत में रोहित ने अपनी लव स्टोरी भी सुनाई।रोहित ने बताया- रितिका से मैं पहली बार उनकी कंपनी जॉइन करने के लिए मिला था, लेकिन जब रितिका आईं तो मैं सोता रह गया। करीब 6 साल हम अच्छे दोस्त रहे। जब मैं प्रैक्टिस करता था, तो रितिका मेरे लिए घर का खाना बनाकर लाती थीं, क्योंकि मुझे होटल का खाना पसंद नहीं था।उन्होंने बताया- 2014 में मुझे प्यार का पता चला। मैं रितिका को बोरीवली के स्टेडियम में लेकर गया और पिच पर घुटनों पर बैठकर प्रपोज किया। मैं रितिका को आई लव यू नहीं बोल पाया। मैंने सिर्फ रितिका को 'आई यू' कहा, लव बोलना भूल गया।रोहित से पहली मुलाकात को लेकर पूछे हरभजन के सवाल पर रितिका ने कहा- एक लॉन्चिंग के दौरान हमें मिलना था। मुझे मेरे किसी जानकार ने बताया था कि अगर आपको इस फील्ड में काम करना है तो ये अच्छा मौका है। उन्होंने कहा कि वह किसी रोहित शर्मा से मिलवाएंगे। जब मैं मिलने के लिए पहुंची तो रोहित शर्मा वहां सोफे पर सो रहे थे। आसपास तेज आवाज में गाने चल रहे थे। मैं पहली बार रोहित से मिल रही थी। इसमें रोहित ने आगे बताया- इस घटनाक्रम के 3 महीने बाद रितिका से मुंबई में मुलाकात हुई।

अच्छे पैरेन्ट्स बच्चों की जरूरतें पूरी करते हैं, चाहत नहीं!

7 साल की समायरा मुम्बई के चेम्बूर में एक बड़े रिटेल स्टोर की शेल्फ के बीच में खड़ी थी। उसने अपनी मां अमृता से पूछा, 'मम्मी मुझे ये मिठाई चाहिए'। अमृता ने इधर-उधर देखा और पाया कि वहां समायरा के कद का एक और बच्चा पहले से मिठाई खा रहा था और इसीलिए उसकी बच्ची ने भी उसी मिठाई की मांग की। वह जानती थी कि इस उम्र में यह स्वाभाविक है कि बच्चों को वो सब चाहिए, जो साथियों के पास है।अमृता ने ग्रोसरी शेल्फ की ओर देखना बंद किया, हालांकि उसे पता था कि वह लेट हो रही थी और उसे सिर्फ दो और चीजें ही लेनी थी और घर जाना था क्योंकि मेहमान लंच पर आने वाले थे। लेकिन अपनी बेटी की मांग पर सख्ती से 'ना' कहने या उसकी मांग के आगे झुक जाने के बजाय उसने अपने काम को रोकने और बेटी से बात करने का फैसला किया।वह थोड़ा झुकी और समायरा की आंखों में आंखें डालकर बोली 'बताओ बच्चा' (सख्त स्वर में), ईमानदारी से बताओ (करुण स्वर में) तुम्हें इस मिठाई की जरूरत है (सामान्य स्वर में) या...तुम बस इसे लेना चाहती हो? (जिज्ञासु स्वर में, जैसे मां को जवाब पता नहीं)।' समायरा शर्माती सी उसके कंधे पर टिक गई, और धीमे स्वर में दूसरे बच्चे की ओर अंगुली करते हुए बोली 'उसके पास ऐसी मिठाई है'।अब इस मोलभाव में मां का पक्ष मजबूत था। अमृता ने कहा, 'कोई बात नहीं, तुम्हें खाने के लिए मिठाई चाहिए। हमारे फ्रिज में रखीं हैं। हम घर जा रहे हैं, यदि तब भी

तुम्हें लगे कि ये खानी है, तुम हमेशा ले सकती हो। पर सिर्फ इसलिए कि किसी दूसरे के पास यह है, इसका मतलब यह नहीं कि हमारे पास भी वही होनी चाहिए।'स्टोर में कोई नहीं जानता कि समायरा इन गहरे शब्दों को समझ पाई या नहीं, लेकिन दूसरे बच्चे की मां अमृता के पास आई और उसकी तारीफ की। अमृता ने जल्दी से वो चीजें ली, जो वो चाहती थी और समायरा भी एक मेमने की तरह मां के पीछे खुशी-खुशी, नाचती हुई चलती दिख रही थी।समायरा के पिता समीर और मां अमृता से ही उसे अपना नाम मिला। दोनों ही बैंकर हैं और ऊंचे पद पर हैं और मुम्बई की सबसे पॉश कॉलोनी में रहते हैं, इसलिए उनके लिए अफॉर्डेबिलिटी कभी कोई मसला नहीं रहा। फिर भी समायरा को वह सब कुछ नहीं मिलता, जो वह चाहती है।यही उनकी परवरिश की खूबसूरती है। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली समायरा के दादा-दादी ने इस रविवार को मुझे और मेरी पत्नी को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। इसी कारण मैं इस वाकिये के बारे में जान पाया।अमृता ने कहा,'माता-पिता बच्चों के सुखद बचपन के निर्माण के लिए नियमित प्रयास करते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि बढ़ते बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखा जाए और वो सबकुछ दिया जाए, जिसकी उन्हें जरूरत है। लेकिन ठीक उसी समय, इच्छाओं व सनक के बीच महीन रेखा होती है, और पैरेंन्ट्स को चाहिए कि वे अपने बच्चों को इस अंतर के बारे में समझाने की जिम्मेदारी लें।जब उन्हें सब मिल जाता है तो एक समय पर वह बहुत सी चीजों के प्रति लालची हो जाते हैं। यह जरूरी है कि वे बड़े होने पर आवश्यकता और चाहत के बीच के अंतर को समझे। यह सब बताते हुए अमृता ने ये भी कहा कि मैं खुद को कभी नहीं रोकती, मैं बेटी की जरूरतें पूरी करती हूं, उसके बचपन में चमक बिखेरने वाले गिफ्ट देती हूं और उसे उनका आनंद लेने देती हूं।लेकिन सिर्फ माता-पिता ही यह जानते हैं कि कब बच्चा थोड़ा जिद्दी हो रहा है और यही वह समय होता है जब बच्चों को यह सीख देनी होती है कि 'अपनी जरूरतों को जानो'। समायरा के पैरेंट्स से बातचीत में मुझे एहसास हुआ कि वे मेरी पीढ़ी की तुलना में अधिक बेहतर माता-पिता है। उसी समय मैंने निर्णय किया कि अगली 'गुड पैरेंटिंग' सेमिनार में उन्हें बुलाया जाना चाहिए।फंडा यह है कि जरूरतों को प्राथमिकता के स्तर पर तय करने से किसी बच्चे को यह समझने में सहायता मिलती है कि उसे किस चीज की जरूरत है और कौन-सी चीज सिर्फ उसकी चाहत है। इससे उनमें एहसानमंद होने और संतोष की भावना विकसित होती है। इससे बच्चा जिम्मेदारी, मुसीबतों से पार पाने की क्षमता और कठिन परिश्रम के महत्व जैसे जीवन के मूल्यवान सबक भी सीखता है।

अमेरिका को अपनी कम्पनी की तरह चला रहे हैं ट्रम्प

वॉल स्ट्रीट के विश्लेषकों ने यह मजाक करना शुरू कर दिया है कि ट्रम्प के व्यवहार को भांपने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप 'टाको ट्रेड' का अभ्यास करें। इसका अर्थ है 'ट्रम्प ऑलवेज चिकन आउट'। यानी जरूरत पड़ने पर ट्रम्प हमेशा बच निकलते हैं। इशारा यह है कि ट्रम्प चाहे जितने जोर-शोर से टैरिफ की घोषणा करें, वे देर-सबेर उससे मुकर जाएंगे।एक दिन वे यूक्रेन को अपने से दूर कर रहे होते हैं, अगले दिन यूक्रेन पर खनिज सौदे के लिए दबाव बना रहे होते हैं,

फिर तीसरे दिन यूक्रेन फिर से उनकी योजनाओं में शामिल हो जाता है।एक दिन व्लादिमीर पुतिन ट्रम्प के दोस्त होते हैं, अगले ही दिन ट्रम्प उन्हें 'क्रेजी' बता देते हैं।एक दिन कनाडा अमेरिका का 51वां स्टेट होता है, अगले दिन वह टैरिफ का निशाना बन जाता है। एक दिन ट्रम्प कहते हैं कि वे सबसे अच्छे लोगों को नियुक्त करते हैं, अगले ही दिन नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल से 100 से अधिक विशेषज्ञों को निकाल दिया जाता है, जबकि उनमें से कई तो कुछ सप्ताह पहले ही भर्ती किए गए थे।यही बात इलॉन मस्क के बारे में भी कही जा सकती है। एक दिन वे वर्जीनिया गोल्फ क्लब में अपने मीमकॉइन के सबसे बड़े खरीदारों के लिए समारोह आयोजित करते हैं, जिन्होंने प्रेसिडेंशियल सील के पीछे खड़ा होकर उनकी बात सुनने का मौका पाने के? लिए 148 मिलियन डॉलर खर्च कर दिए थे। और व्हाइट हाउस प्रवक्ता का कहना है कि यह भ्रष्टाचार नहीं है, क्योंकि राष्ट्रपति ने अपने निजी समय में इस आयोजन में हिस्सा लिया था।ट्रम्प फिलहाल अपनी निजी सनकों के आधार पर राज कर रहे हैं। उनकी सरपरस्ती में सरकारी एजेंसियों के बीच बहुत कम या नगण्य तालमेल नजर आता है। वे प्राधिकार की किसी वास्तविक सीमा का सम्मान नहीं करते, जिसमें उनके गोल्फ के साथी (स्टीव विट्कॉफ) विदेश मंत्री की तरह काम करने लगते हैं और उनके विदेश मंत्री मार्को रूबियो पनामा में उनके राजदूत की भूमिका निभाने लगते हैं।जो भी उन्हें रोकने की कोशिश करता है, वे उसे कोर्ट में जाने के लिए मजबूर करते हैं। उनकी कार्यशैली ऐसी है कि कानूनी जिम्मेदारियों और निजी समृद्धता के बीच की मर्यादाएं गड्डमड्ड हो गई हैं। यह सब हमें क्या बताता है? यह नहीं कि हम एक पारम्परिक अमेरिकी प्रशासन द्वारा शासित नहीं हो रहे हैं। बल्कि यह कि हम पर ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन इनकॉर्पोरेशन का राज है।अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प खुद को ऐसे लोगों से घिरा हुआ रखते थे, जो उन्हें किसी सम्भावित नुकसान से बचा सकें। लेकिन अपने दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अपने चारों ओर सिर्फ और सिर्फ चाटुकारों की फौज जमा कर रखी है।पहले कार्यकाल में उन्होंने अराजकतापूर्ण शैली से ही सही, लेकिन मानकों के अनुरूप शासन किया था। लेकिन दूसरे कार्यकाल में वे बिना किसी रोकटोक के अमेरिकी सरकार को इस तरह से चला रहे हैं, जैसे कि वे अपनी निजी कम्पनी को चला रहे हों। केवल बाजार और अदालतें ही उन्हें रोकने में सक्षम हैं। इसमें बहुत हद तक डेमोक्रेट्स की अपनी कमजोरी का भी योगदान है।पद सम्भालने के कुछ ही हफ्तों बाद ट्रंप ने ऑटो इंडस्ट्री से कोई गंभीर सलाह-मशविरा किए बिना ही ग्लोबल टैरिफ की कई घोषणाएं कर दीं। इसी बीच, उन्हें पता चला कि लोकप्रिय फोर्ड एफ-150 के केवल एक-तिहाई पुर्जे ही अमेरिका में बनते हैं और उन्हें कभी भी बहुत जल्दी नहीं बदला जा सकता। टैरिफ घोषणाओं से ऑटो इंडस्ट्री को बड़ा धक्का पहुंचा और फोर्ड, जनरल मोटर्स और स्टेलैंटिस जैसी कंपनियों ने घोषणा की कि टैरिफ को लेकर असमंजस और सप्लाई-चेन गड़बड़ाने की संभावना के चलते वे इस साल की शेष अवधि के लिए आय के पूर्वानुमान नहीं बता सकतीं। फिर जैसा कि पूर्वानुमान था, चीन ने ट्रम्प द्वारा 145 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर प्रतिक्रिया दी। टाइम्स के बीजिंग संवाददाता कीथ ब्राडशर ने अपनी हाल की रिपोर्ट में बताया है कि बीजिंग ने अचानक से रेयर अर्थ मैग्नेट का निर्यात रोक दिया है, जो अमेरिका में निर्मित होने वाली कारों, ड्रोन्स, रोबोट और मिसाइल में काम आता है। अब ट्रम्प यदि चीन पर लगाए टैरिफ पर कोई सौदेबाजी नहीं कर पाते हैं तो अमेरिकी कार फैक्ट्रियों को आगामी दिनों या हफ्तों में उत्पादन में कटौती करना पड़ सकती है। आपको क्या लगता है इस बात की कितनी सम्भावना है कि ट्रम्प ने चीन पर टैरिफ लगाने के बाद होने वाले परिणामों से निपटने के बारे में पहले से सोच लिया होगा? मैं शर्तिया कहता हूं कि कतई नहीं। उन्होंने बस मनमानी की है। अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प खुद को ऐसे लोगों से घिरा हुआ रखते थे, जो उन्हें किसी सम्भावित नुकसान से बचा सकें। लेकिन दूसरे कार्यकाल में उन्होंने अपने चारों ओर सिर्फ चाटुकारों की फौज जमा कर रखी है।

देश में गरीबी घट रही है और इस पर दुनिया की नजर है

क्या भारत में गरीबी दर घट रही है? और अगर ऐसा है, तो

सरकार अभी भी 80 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? पहले सवाल का जवाब है- हां, भारत में गरीबी दर वाकई घट रही है, और पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। आरबीआई के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली समिति की नई रिपोर्ट के अनुसार गरीबी दर 2011-12 में 29.5फीसदी थी, जो 2023-24 में घटकर 4.9फीसदी हो गई है। यह एक असाधारण गिरावट है। रंगराजन कहते हैं गिरावट की दर पिछले 12 साल की अवधि में 2.02फीसदी प्रति वर्ष रही है।तब सवाल उठता है कि अगर पिछले 12 सालों में गरीबी में इतनी नाटकीय गिरावट आई है, तो सरकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 806.7 मिलियन भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? इसका जवाब आंशिक रूप से राजनीतिक और आंशिक रूप से वैज्ञानिक है। मुफ्त खाद्यान्न योजना को गरीबों के वोटों के लिए शुरू किया गया था, लेकिन यह पोषण संबंधी सप्लीमेंट के लिए भी थी।सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) एक प्रसिद्ध पत्रिका डाउन टु अर्थ प्रकाशित करता है। इसने एक रिपोर्ट का हवाला दिया कि भारत में हर साल 17 लाख से ज्यादा लोगों की कुपोषण से मृत्यु हो जाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 71फीसदी भारतीय पौष्टिक भोजन नहीं खरीद सकते।हालांकि गरीबी दर गिरकर 4.9फीसदी हो गई है, लेकिन पोषण एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। गरीब भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा पौष्टिक आहार नहीं खरीद सकता। इसलिए मुफ्त खाद्यान्न सहायता दी जाती है। बचे हुए पैसों को ज्यादा पौष्टिक भोजन पर लगाया जा सकता है।जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी सेनेटर एलिसा स्लोटकिन से कहा- सेनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं लाता। वास्तव में, दुनिया के जिस हिस्से में मैं रहता हूं, वहां ऐसा होता है। आज चूंकि हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं, इसलिए हम 800 मिलियन से ज्यादा लोगों को पोषण-सहायता और भोजन देते हैं।विश्व बैंक ने भी भारतीय गरीबी में गिरावट की पुष्टि की है। इंडियन एक्सप्रेस में लिखते हुए सी. रंगराजन और एस. महेंद्र देव (प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष) ने बताया कि विश्व बैंक ने हाल ही में 100 से अधिक विकासशील देशों के लिए गरीबी और समानता संबंधी संक्षिप्त रिपोर्ट जारी की है।इसमें कहा गया है कि भारत ने पिछले दशक में गरीबी में उल्लेखनीय कमी की है। अत्यधिक गरीबी (क्रय शक्ति समता के संदर्भ में प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम पर जीवन यापन करना) 2011-12 में 16.2फीसदी से घटकर 2022-23 में 2.3फीसदी हो गई। इस अवधि में 17 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी की स्थिति से ऊपर उठ गए।निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा के मानदंड से नीचे के लोगों की संख्या (प्रतिदिन 3.65 डॉलर) 61.8फीसदी से घटकर 28.1फीसदी हो गई। यदि गरीबी को परिभाषित करने के लिए घरेलू आय का कट-ऑफ स्तर बढ़ा दिया जाए, तो गरीबी दर तेजी से बढ़कर 28.1फीसदी हो जाती है। यह लगभग 50 करोड़ भारतीयों का जनसांख्यिकीय समूह है, जिसे पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अतिरिक्त 30 करोड़ और लोगों को शामिल किया गया है, ताकि स्पष्ट चुनावी लाभ के साथ व्यापक जनसांख्यिकीय समूह तक भी पहुंचा जा सके। भारत में गरीबी के निरंतर प्रसार के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी जा सकती है।1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत में अकाल नहीं पड़ा है। जबकि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के 190 वर्षों के दौरान 31 बड़े अकाल पड़े थे, जिनमें से आखिरी 1943 का बंगाल अकाल था। उसमें 30 लाख लोग मारे गए थे।रंगराजन गरीबी दर में गिरावट को जीडीपी में वृद्धि से सही ढंग से जोड़ते हैं। वे लिखते हैं कि गरीबी का निर्धारण जीडीपी वृद्धि, कीमतों और सेफ्टी नेट जैसे फैक्टर्स से होता है। जीडीपी वृद्धि 2022-23 में 7.6इ से बढ़कर 2023-24 में 9.2फीसदी हो गई, यानी एक वर्ष में 1.6फीसदी की वृद्धि।उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 2022-23 में 6.7फीसदी से घटकर 2023-24 में 5.4फीसदी हो गया यानी 1.3फीसदी अंकों की गिरावट। हालांकि इसी अवधि के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 6.6फीसदी से बढ़कर 7.5फीसदी हो गई है। ऐसे में लगता नहीं कि अगले चरण में कल्याणकारी कार्यक्रमों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव होगा।भारत की कम प्रति व्यक्ति आय (2,900 डॉलर) की ओर इशारा किया जाता है। पर इसकी सही माप क्रय शक्ति समता पर आधारित है। मुंबई में 500 रु. में हवाई अड्डे से शहर तक पहुंचा जा सकता है, टोक्यो में 5,000 रु. लगते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

संसद का विशेष सत्र बुलाने से ऐतराज क्यों किया जा रहा?

इस सप्ताह 17 दलों के नेताओं

ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जून में संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया। इसके कुछ ही घंटों में सरकार ने 21 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र की तारीखों की जल्दबाजी में घोषणा कर दी, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि विशेष सत्र की मांग को ठुकरा दिया गया है।आम तौर पर, संसद सत्र की घोषणा सत्र से लगभग 20 दिन पहले की जाती है। लेकिन मानसून सत्र की घोषणा 47 दिन पहले ही कर दी गई है! जब यह लेख लिखा जा रहा था, तब विपक्ष के 250 और सांसद अपने नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री को भेजे पत्र का समर्थन कर रहे थे। पहलगाम में हुई त्रासदी के तीन दिन बाद कपिल सिब्बल ने सबसे पहले विशेष सत्र की मांग उठाई थी।संविधान के अनुच्छेद 85 (1) में प्रावधान है कि राष्ट्रपति समय-समय पर संसद के दोनों सदनों को ऐसे समय और स्थान पर बैठक के लिए बुलाएंगे, जिसे वे उचित समझें...। विपक्षी दलों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र प्रधानमंत्री को संबोधित है। हां, विशेष सत्र बुलाना सरकार का निर्णय है।जब सांसद विशेष सत्र के लिए कहते हैं, तो संसदीय कार्य मंत्रालय स्थिति का आकलन करने के बाद (और सत्र की आवश्यकता को स्वीकारते हुए) तारीखों और सत्र की अवधि के प्रस्ताव सहित नोट तैयार करता है। इसे संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति के समक्ष रखा जाता है। यदि प्रस्ताव को प्रधानमंत्री अनुमोदित करते हैं तो मंत्रालय इसे राष्ट्रपति को भेजता है, जो औपचारिक रूप से सत्र की तारीखों को मंजूरी देते हैं और घोषणा करते हैं।नियम-पुस्तिका में भले ही विशेष सत्र का कोई उल्लेख न हो, लेकिन इसके कई उदाहरण हैं। 1972 में स्वतंत्रता के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक बैठक बुलाई गई थी। 1992 में भारत छोड़ो आंदोलन के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में संसद ने मध्यरात्रि सत्र आयोजित किया था। 1997 में स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष सत्र बुलाया गया था। 2014 से अब तक तीन विशेष सत्र बुलाए जा चुके हैं। एक, 1949 में संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में 2015 में दो दिवसीय सत्र। दो, 2017 में जीएसटी लागू करने के लिए मध्यरात्रि सत्र। तीन, 2023 में नए संसद भवन के उद्घाटन के उपलक्ष्य में पांच दिवसीय सत्र। इसी सत्र में महिला आरक्षण विधेयक भी पारित किया गया था। ऐसे कई मौके आए हैं, जब सरकारों ने इस नियमित प्रक्रिया को तोड़ने में कोई तत्परता नहीं दिखाई है। 2006 में मुंबई लोकल धमाकों में 180 से ज्यादा लोग मारे गए थे। संसद ने प्रतिक्रिया देने से पहले अपने अगले निर्धारित सत्र का इंतजार किया। 2008 के मुंबई हमलों के बाद भी संसद तभी फिर शुरू हुई, जब पहले से निर्धारित सत्र आहुत हुआ। लेकिन संसद को पहलगाम, पुंछ, उरी, राजौरी और उसके बाद की घटनाओं पर तुरंत विचार-विमर्श करना चाहिए। यहां सबसे ठोस मिसाल यह है कि 1962 के चीन-भारत युद्ध के दौरान विपक्ष के तत्कालीन नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने एक विशेष सत्र की मांग की थी। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू इस अनुरोध पर सहमत हुए और सत्र तब आयोजित किया गया, जब संघर्ष अभी भी जारी था। 165 सदस्यों ने बहस में भाग लिया, युद्ध और सरकार की नीति पर खुली चर्चा हुई। पिछले 15 सालों में ऐसी कई संसदीय बानगियों को नजरअंदाज किया गया है। तीन उदाहरण देखें। एक, लोकसभा में उपसभापति का पद 2019 से खाली है। दो, पहले 10 में से सात विधेयक समितियों को जांच के लिए भेजे जाते थे, अब 10 में से सिर्फ दो विधेयक ही जाते हैं। तीन, कृषि कानून जैसे महत्वपूर्ण विधेयकों के पारित होने के दौरान विपक्षी सांसदों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के उनके अधिकार से वंचित कर दिया गया। विधायिका को हा?शिए पर रखने की इस प्रवृत्ति का भी एक इतिहास रहा है। 2001 से 2012 तक गुजरात की विधानसभा का ट्रैक रिकॉर्ड देखें। तत्कालीन मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य विधानसभा सबसे कम बार बैठी- गुजरात के किसी भी पिछले मुख्यमंत्री से कम। इस अवधि में, गुजरात विधानसभा में बैठकों की औसत संख्या एक साल में 30 से भी कम थी। ऐसे में क्या आश्चर्य कि इस सरकार ने विशेष सत्र बुलाने से पूरी तरह परहेज किया है? मुझे मिडिल स्कूल में अपने नागरिक शास्त्र के शिक्षक की याद आती है। उन्होंने ही सबसे पहले मुझसे कहा था कि सरकार संसद के प्रति जवाबदेह है और संसद लोगों के प्रति। ऐसे में जब संसद को ही दरकिनार कर दिया जाए तो सरकार किसके प्रति जवाबदेह होगी? 1962 के चीन-भारत युद्ध के दौरान विपक्ष के अटल बिहारी वाजपेयी ने विशेष सत्र की मांग की थी। प्रधानमंत्री नेहरू सहमत हुए और सत्र तब आयोजित किया गया, जब संघर्ष अभी भी जारी था। 165 सदस्यों ने खुली चर्चा की। (ये लेखक के अपने विचार हैं। इस लेख के सहायक शोधकर्ता चाहत मंगतानी और आयुष्मान डे हैं)

विपक्षी दलों में भी कुछ अच्छे चेहरे उभरकर सामने आए हैं

पहलगाम के बाद जो हालात बने, उन्होंने भारत में विभिन्न दलों में उभर रहे नए नेतृत्व को सामने ला दिया है। ऑपरेशन सिंदूर पर 'ग्लोबल-आउटरीच' के लिए सात प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने वाले या इसका हिस्सा रहे अधिकांश लोग काफी समय से राजनीति के क्षेत्र में हैं।वे अपनी-अपनी पार्टियों में नेतृत्व की दूसरी या तीसरी पंक्ति के नेता रहे हैं। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी जैसे कुछ ने तो अपनी पार्टियों का नेतृत्व भी किया है।

लेकिन पिछले हफ्तेभर में जिस तरह से उन्होंने विश्व की राजधानियों में भारत की पोजिशन को स्पष्ट शब्दों में सामने रखा, उससे देश ने अचानक उन्हें नई नजर से देखा है। इसने भारत की संसद में मौजूद प्रतिभा को भी रेखांकित किया है।देश ने इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। इस आउटरीच-कार्यक्रम की अन्य उपलब्धियां चाहे जो हों, लेकिन इतना तो तय है कि इसने भारत में एक नए राजनीतिक नेतृत्व को उभरता हुआ दिखाया है।इन विपक्षी नेताओं ने विदेश में भारतीय राष्ट्रवाद को अलग-अलग तरीकों से व्यक्त किया। ओवैसी- जो भारत के अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को उठाने के लिए जाने जाते हैं- ने पाकिस्तान को कड़ी भाषा में आड़े हाथों लिया।यहां तक कि उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जारी की गई फर्जी तस्वीरों का जिक्र करते हुए कहा कि नकल के लिए भी अकल चाहिए! प्रियंका चतुर्वेदी (शिवसेना यूबीटी) ने भारत को न केवल बुद्ध और गांधी, बल्कि कृष्ण की भूमि भी बताया, जिन्होंने पांडवों से आग्रह किया था कि धर्म की रक्षा के लिए आवश्यक हो तो युद्ध करने से न हिचकिचाएं।कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने हमलों का भारत द्वारा करारा जवाब देने के बारे में बात की। मनीष तिवारी ने पाकिस्तान को चेताया कि अगर उसने आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद नहीं किया, तो भविष्य में भारत की प्रतिक्रिया बहुत तीखी होगी।इस तरह की कवायद से स्वाभाविक ही सरकार को फायदा होता है, क्योंकि पूरा राजनीतिक वर्ग पहलगाम के बाद सरकार की पोजिशन को भारत की पोजिशन मानकर उसका बचाव कर रहा था। यदि सर्वदलीय समूहों ने 33 देशों (और वहां बसे भारतीय प्रवासियों) तक कोई एक शक्तिशाली संदेश पहुंचाया तो वो यह था कि आतंकवाद और पाकिस्तान के मुद्दे पर भारत एकजुट है, जबकि पाकिस्तान आतंकवादी हमले के माध्यम से देश में साम्प्रदायिक तनाव बढ़ाने की उम्मीद कर रहा था।जम्मू और कश्मीर भी शेष भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहा। विपक्ष को भी इस कवायद से फायदा हुआ है, क्योंकि उसके नेता सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं की तुलना में अधिक उभरकर सामने आए हैं- चाहे वे कांग्रेस से डॉ. शशि थरूर, सलमान खुर्शीद, मनीष तिवारी, आनंद शर्मा हों। या अन्य दलों से असदुद्दीन ओवैसी, सुप्रिया सुले या कनिमोझी।जहां तक कांग्रेस नेताओं का सवाल है, एक और निहित संदेश सामने आया कि सिर्फ गांधी परिवार ही कांग्रेस का नेतृत्व नहीं कर सकता। भारत की सबसे पुरानी पार्टी में अभी भी प्रतिभाओं का खजाना है, उसके पास अनुभवी नेता हैं, जो जटिल मुद्दों को समझने और नेतृत्व देने में सक्षम हैं।यह देखना बाकी है कि क्या सरकार ऐसे और कूटनीतिक प्रयासों में विपक्षी नेताओं का इस्तेमाल करना जारी रखेगी। हालांकि अधिकांश देशों ने पहलगाम आतंकवाद की निंदा की, लेकिन शायद ही कोई देश पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर भारत के साथ खड़ा हुआ।भारत का सदाबहार मित्र रूस भी दोनों तरफ से खेलता हुआ नजर आया। लेकिन कुछ देशों के साथ मुद्दों को सुलझाने के लिए ट्रैक-टू प्रयासों में भारत की अनुभवी और मुखर आवाजों का उपयोग करने की गुंजाइश आगे भी बन सकती है, क्योंकि विपक्षी नेताओं ने दिखाया है कि अगर उन्हें ऐसी भूमिका निभाने के लिए कहा गया तो वे पीछे नहीं रहेंगे।पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद (कांग्रेस) ने तो एक कदम आगे बढ़कर अनुच्छेद 370 को हटाने तक का समर्थन किया। उन्होंने कहा अनुच्छेद 370 से यह धारणा बनती थी कि कश्मीर अलग है। इससे उनकी अपनी पार्टी में नाराजगी पैदा हो गई, जिसने इस मुद्दे पर अस्पष्ट रुख अपनाया है।डॉ. शशि थरूर तो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के स्टार के रूप में उभरे। जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन करके और आतंकवाद के प्रति भारत की प्रतिक्रिया के इस न्यू-नॉर्मल की सराहना करके खूब वाहवाही बटोरी, लेकिन उनकी पार्टी इससे नाराज है और अब उनके राजनीतिक भविष्य के बारे में सवाल पूछे जाने लगे हैं।देश ने विभिन्न विपक्षी दलों के इन नेताओं को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते और एक लय में आगे बढ़ते देखा, जबकि संसद में वे केवल आपस में लड़ते दिखलाई देते थे। एक नया राजनीतिक नेतृत्व उभरता नजर आया है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

'दुनिया की छत' पर चीन की हरकतें सबके लिए खतरनाक

तिब्बत के पठार पर विशाल ग्लेशियल-रिजर्व्स हैं, जो दुनिया में ताजे पानी के सबसे बड़े भंडारों में से एक हैं। यह दस प्रमुख एशियाई नदी-प्रणालियों का उद्गम भी है- जिनमें चीन की येलो और यांग्त्से, दक्षिण-पूर्व एशिया की मेकांग, साल्विन और इरावदी और भारत की सिंधु और ब्रह्मपुत्र नदियां शामिल हैं।ये वैश्विक आबादी के लगभग 20इ हिस्से को पानी की आपूर्ति करती हैं। लेकिन आज यही पठार एक आसन्न पर्यावरणीय संकट का साक्षी बन रहा है, जो पूरे एशियाई महाद्वीप की जल सुरक्षा, पारिस्थितिक संतुलन और भू-राजनीतिक स्थिरता को खतरे में डाल सकता है।पिछले दो दशकों से चीन तिब्बती पठार पर केंद्रित एक आक्रामक बांध निर्माण अभियान में लगा हुआ है। चीन की सरकार ने इसके निचले हिस्से के किसी भी देश के साथ जल-साझाकरण संधि पर बातचीत करने से इनकार कर दिया है। इससे इन देशों को चीन की सनक के परिणाम भुगतने होंगे। पठार की सीमा के पास चीन द्वारा निर्मित भीमकाय-बांधों ने पहले ही मेकांग नदी में पानी के स्तर को अभूतपूर्व रूप से कम कर दिया है, जिसका कंबोडिया, लाओस, थाईलैंड और वियतनाम में मत्स्य-पालन और आजीविका पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है।जैसे-जैसे दक्षिणी वियतनाम में मेकांग डेल्टा पीछे हट रहा है, चावल के किसानों को पारंपरिक आजीविका छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। फिर भी चीन की बांध बनाने की महत्वाकांक्षाएं बढ़ती जा रही हैं। यांग्त्से नदी पर बना थ्री गॉर्जेस डैम दुनिया का सबसे बड़ा बांध है।लेकिन वह भी चीन द्वारा तिब्बती पठार के भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (उसे वहां यारलुंग जंगबो कहा जाता है) पर बनाए जा रहे बांध के सामने बौना साबित होगा। अगर यह परियोजना पूरी हो जाती है, तो इससे भारत और बांग्लादेश में पानी के प्रवाह में भारी बदलाव आएगा, क्षेत्र की खाद्य सुरक्षा और पारिस्थितिक संतुलन को खतरा होगा और निचले इलाकों के देशों पर चीन का भू-राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा। पानी के हथियारीकरण का खतरा मंडरा रहा है।दरअसल, पानी तेजी से नया तेल बनता जा रहा है- यानी ऐसा रणनीतिक संसाधन, जो संघर्षों को बढ़ावा दे सकता है। देशों के भीतर और उनके बीच पानी के विवाद पहले ही तेज होते जा रहे हैं। चीन की नजर तिब्बत की खनिज-समृद्ध भूमि- जिसमें लीथियम, सोना, तांबा जैसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं- पर भी है। वह वहां पर जंगलों की कटाई कर रहा है और विषाक्त उत्सर्जन में योगदान दे रहा है। उसकी ये तमाम गतिविधियां तिब्बती पठार के सैन्यीकरण के लिए कवर प्रदान कर रही हैं।चीन वहां पर जो विनाश-लीला कर रहा है, उसके पूरे ब्योरे जानना असंभव है। यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की नजरों से बहुत दूर है, और स्थानीय तिब्बती समुदायों की आवाजों को दबा दिया जाता है। इस सबसे वहां का पारिस्थितिक तंत्र लगातार कमजोर होता जा रहा है। तिब्बती पठार वैश्विक औसत से दोगुनी गति से गर्म हो रहा है और उसकी बर्फ ध्रुवों की तुलना में तेजी से पिघल रही है। इसके दूरगामी निहितार्थ हैं। तिब्बती पठार एशियाई जलवायु, मौसम और मानसून के पैटर्न को गहराई से प्रभावित करता है। इसका क्षरण सूखे और बाढ़ को बढ़ाएगा, जैव विविधता के नुकसान को बढ़ाएगा, कृषि के पतन में योगदान देगा और एशिया और उसके बाहर बड़े पैमाने पर पलायन को बढ़ावा देगा।इन तमाम जोखिमों के बावजूद वैश्विक जलवायु मंचों से लेकर संयुक्त राष्ट्र और विश्व बैंक जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं तक- अंतरराष्ट्रीय समुदाय तिब्बत को लेकर पूरी तरह से चुप है।इसका कारण अज्ञानता नहीं, बल्कि डर है। क्योंकि चीन अपने प्रभाव का इस्तेमाल 'दुनिया की छत' पर अपनी गतिविधियों की सार्थक आलोचना को दबाने के लिए करता है। जबकि दुनिया के देशों को तिब्बती पठार पर चीन की गतिविधियों के बारे में पारदर्शिता के लिए लगातार दबाव डालना चाहिए। विशेष रूप से, चीन को अपने रियल-टाइम हाइड्रोलॉजिकल डेटा को साझा करने के लिए मजबूर किया जाना चाहिए और उसे अपनी परियोजनाओं को अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना चाहिए।स्वतंत्र पर्यावरण शोधकर्ताओं को महत्वपूर्ण डेटा एकत्र करने और निष्पक्ष विश्लेषण के लिए पठार तक बेरोकटोक पहुंच प्रदान की जानी चाहिए। चीन को तिब्बतियों के अधिकारों के उल्लंघन के लिए भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। 2000 से लगभग दस लाख तिब्बतियों को अपनी पैतृक भूमि से जबरन विस्थापित किया गया है।

एमबीबीएस के चक्कर में डॉक्टर ने गंवा दिए 85 लाख आप कैसे बचाएं खून-पसीने की कमाई?

नयी दिल्ली। नीट 2025 काउंसलिंग शुरू होने वाली है। इसी के साथ लाखों स्टूडेंट्स मेडिकल में दाखिले के सपने संजोए बैठे हैं। लाखों पैरंट्स अपने बच्चे के एमबीबीएस एडमिशन की उम्मीद लगाए हैं। इसी बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जो ऐसे लाखों बच्चों और उनके माता-पिता के लिए सबक है। डॉक्टर बनने के उतावलेपन में आप कुछ ऐसा न कर बैठें, जिसके लिए जीवनभर पछताना पड़े। इस खबर में आपको ऐसी एक वास्तविक घटना बताई गई है। साथ ही ये भी बताने की कोशिश की गई है कि आपको इस दौरान क्या करना चाहिए, क्या नहीं?ये सच्ची कहानी है दिल्ली के रहने वाले डॉ गिरीश गुप्ता की। जो अपनी बेटी को एमबीबीएस में दाखिला दिलाना चाहते थे। लेकिन एक भूल के कारण पिछले 3 साल से उन्हें परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। डॉक्टर के अनुसार, उन्हें अपनी बेटी का एडमिशन एमबीबीएस में कराना था। इसके लिए उनका संपर्क राहुल मित्तल से हुआ था। वह सेक्टर-63 में ही एजुकेशन से जुड़ा ऑफिस चलाता था। उसने 2022 में बेटी का एडमिशन कराने का वादा किया और एडवांस पेमेंट भी ली। आरोपी ने बेटी के कुछ इंटरव्यू कराए और जल्द ही एडमिशन की बात करते हुए कई बार में 85 लाख

रुपये ले लिए। लेकिन डॉक्टर गुप्ता की बेटी का एडमिशन नहीं हुआ।उन्होंने पुलिस को बताया है कि जब उन्होंने रुपये वापस मांगे, तो उन्होंने कुछ एडमिशन के आगे मौके होने की बात कही। बाद में उनका कॉल रिसीव करना बंद कर दिया। आरोपियों ने अपना ऑफिस भी बंद कर दिया। जब डॉक्टर गुप्ता ने अपने परिचितों के माध्यम से आरोपी से संपर्क किया, तो उसने दोबारा रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। इससे परेशान होकर उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने कहा कि शिकायत के आधार पर राहुल मित्तल और पंकज गोयल पर केस दर्ज किया गया है। इस संबंध में डिटेल निकाली जा रही है।फर्जी कॉलेजों के नाम से चल रही वेबसाइटों से बचें। केवल सरकारी या एनएमसी मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेज ही चुनें। एमबीबीएस की सभी मान्यता प्राप्त कॉलेजों की लिस्ट नेशनल मेडिकल कमीशन की वेबसाइट हस्म्.दु.ग्ह पर है। आप कॉलेज एंड कोर्स सर्च ऑप्शन से इसे चेक कर सकते हैं। मेडिकल के किसी भी कोर्स में एडमिशन के लिए दलाल या एजेंट पर निर्भर न रहें। मेडिकल में डायरेक्ट एडमिशन, डोनेशन के बिना सीट, लो नीट रैंक पर भी सीट पक्की जैसे दावे करने वालों से सावधान रहें। भारत का कोई भी मान्यता प्राप्त मेडिकल कॉलेज बिना नीट स्कोर प्रवेश नहीं देता है। कोई भी पेमेंट केवल कॉलेज के नाम पर ही करें। कैश या किसी व्यक्ति के पर्सनल अकाउंट में पैसा ट्रांसफर करना खतरनाक है। पेमेंट की रसीद जरूर लें।फर्जी कॉल और ईमेल से सतर्क रहें। कोई भी व्यक्ति फोन करके या ईमेल, मैसेज भेजकर आपको एडमिशन का ऑफर दे, तो उसकी शिकायत एनएमसी को करें। ऐसे कॉलर्स के साथ किसी प्रकार की निजी जानकारी या ओटिपी शेयर न करें। सही कॉलेज कभी कॉल कर के सीट बुक करने के लिए पैसे नहीं मांगते।नीट काउंसलिंग पोर्टल से ही प्रक्रिया पूरी करें। इसके लिए ऑल इंडिया काउंसलिंग की ऑफिशियल वेबसाइट स्म्.हग्म्.ग्ह है। स्टेट मेडिकल सीट्स के लिए संबंधित राज्य की नीट काउंसलिंग वेबसाइट (आधिकारिक) पर ही जाएं।अभी जब नीट यूजी काउंसलिंग शुरू होने वाली है, ऐसे कई दलाल आपको तरह-तरह से फंसाने की कोशिश करेंगे। लेकिन कहीं भी, किसी पर भी भरोसा करने से पहले अपना दिमाग लगाइए। क्योंकि एक बार इनकी जाल में फंसने के बाद पछताने के सिवा कोई चारा नहीं।

यूपी में पीएम आवास योजना के घर हो सकते हैं महंगे, दाम बढ़ाने की तैयारी में सरकार

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत अपने घर का सपना पूरा करना अब थोड़ा महंगा हो सकता है। यूपी में

प्रशासन ईडब्लूएस कैटेगरी के लिए बनने वाले एएचपी घरों की कीमत बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। इस योजना के तहत प्राइवेट बिल्डर्स के साथ मिलकर किफायती घर बनाए जाते हैं और बहुत ही कम कीमत पर पीएम आवास की पात्रता की शर्तें पूरी करने वालों को दिए जाते हैं।मगर इस योजना को आगे बढ़ाने में एक बड़ी दिक्कत आ रही है। दरअसल इस योजना के तहत लाभार्थियों को 30 से 45 वर्ग मीटर के घर बनाकर दिए जाते हैं। आमतौर पर ईडब्ल्यूएस घरों की कीमत 4.5 लाख से 6.5 लाख रुपये ही लाभार्थियों को देने होते हैं। 2.5 लाख रुपये तक की सब्सिडी सरकार की ओर से अलग से मिलती है। मगर अब बिल्डर्स इस योजना में बहुत रुचि नहीं दिखा रहे हैं।बिल्डर्स का मानना है कि PMAY-U 2.0 के तहत बनने वाले किफायती आवास की कीमत बहुत ही कम है। इस कीमत में लागत भी निकालना मुश्किल हो गया है। इसलिए वे इस योजना से जुड़ने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। इसे लेकर प्रशासन ने बैठक भी की है और इस बात पर सहमति बन रही है कि मकानों का कारपेट एरिया बढ़ाया जाए और उसके साथ ही दाम भी बढ़ा दिए जाएं। मीडिया खबरों के अनुसार केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों के मुताबिक इस पर विचार किया जा रहा है।पीएम आवास योजना शहरी के एएचपी (Affordable Housing in Partnership) कैटेगरी के अंतर्गत बिल्डर्स को ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी में 25प्रतिशत घर ईडब्लूएस कैटेगरी के लिए बनाने होते हैं। जिन लोगों की वार्षिक आय 3 लाख रुपये से कम है, वे इन घरों के लिए आवेदन कर सकते हैं। लिस्ट में नाम आने के बाद लाभार्थी को न्यूनतम बुकिंग राशि देनी होती है। इस योजना के तहत 30 से 45 मीटर कारपेट एरिया का घर मिलता है।केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों के मुताबिक राज्य योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों को देने के लिए इन घरों की कीमत (प्रति वर्ग मीटर) अपने हिसाब से कर सकते हैं। इस योजना के तहत केंद्र सरकार की ओर से आर्थिक मदद तभी मिलती है, जब हाउसिंग सोसाइटी में 25 फीसदी घर ईडब्लूएस के लिए बनाए गए हों। केंद्र सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि ये घर No Profit No Loss के आधार पर बनने चाहिए।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को बुलायाःमहाराष्ट्र चुनाव में गड़बड़ी के आरोप पर बातचीत करेगा

नयी दिल्ली। इलेक्शन कमीशन ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेटर लिखा

है। इसमें महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली के उनके आरोपों पर चर्चा का इन्विटेशन भेजा गया है। एएनआई के मुताबिक, लेटर 12 जून को मेल और राहुल के आवास पर भी भेजा गया है। ईसी ने लेटर में लिखा- भारत की संसद के पारित इलेक्टोरल लॉ, उसके नियमों और समय-समय पर चुनाव आयोग के निर्देशों के जरिए बहुत सख्ती से देश में चुनाव आयोजित कराए जाते हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रक्रिया विधानसभा क्षेत्र स्तर पर सेंट्रलाइज्ड आयोजित की जाती है। इसमें ईसी के नियुक्त 1,00,186 से ज्यादा बीएलओ, 288 इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर, 139 जनरल ऑब्जर्वर, 41 पुलिस ऑब्जर्वर, 71 खर्च ऑब्जर्वर और 288 रिटर्निंग अधिकारी और महाराष्ट्र में राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों के नियुक्त 1 लाख 8 हजार 26 बूथ स्तरीय एजेंट शामिल हैं। इनमें कांग्रेस के 28,421 एजेंट शामिल हैं।इधर, राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री (देवेंद्र फडणवीस) के अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची में केवल 5 महीनों में 8फीसदी की वृद्धि हुई है। कुछ बूथों पर 20-50फीसदी की वृद्धि देखी गई। बीएलओ ने अज्ञात व्यक्तियों के वोट डालने की खबर दी। मीडिया ने बिना वेरिफिकेशन पते वाले हजारों मतदाताओं का पता लगाया और चुनाव आयोग चुप है। क्या ये मिलीभगत है। ये अलग-अलग गड़बडियां नहीं हैं। यह वोट चोरी है। कवरअप ही कबूलनामा है। इसलिए हम मशीन रीडेबल डिजिटल वोटर लिस्ट और सीसीटीवी फुटेज को तुरंत जारी करने की मांग करते हैं।महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राहुल के दावे पर कहा- ये कांग्रेस की हार से उपजा एक हताशा भरा दावा है। झूठ बोले कौवा काटे, काले कौवे से डरियो। यह साफ है कि महाराष्ट्र में आपकी पार्टी की अपमानजनक हार का दंश दिन-प्रतिदिन गहराता जा रहा है। आप कब तक अंधेरे में तीर चलाते रहेंगे?फडणवीस ने कहा- बेहतर होता कि आप (राहुल गांधी) ये पोस्ट करने से पहले अपने पार्टी सहयोगियों, असलम शेख, विकास ठाकरे और नितिन राउत जैसे लोगों से बात करते। कम से कम कांग्रेस के भीतर संवाद की इतनी बड़ी कमी सार्वजनिक रूप से उजागर नहीं होती।पश्चिमी नागपुर में वोटर्स में 7फीसदी की (27065 मतदाता) वृद्धि हुई। कांग्रेस के विकास ठाकरे जीते। उत्तर नागपुर में 7फीसदी की वृद्धि (29,348 मतदाता) हुई। यहां कांग्रेस के नितिन राउत जीते। पुणे में वडगांव शेरी में 10इ की बढ़ोतरी (50,911 मतदाता) के साथ शरद पवार गुट के बापू पठारे ने जीत हासिल की। मुंब्रा में 9फीसदी की वृद्धि (46,041 मतदाता) के साथ शरद पवार गुट के जितेंद्र आव्हाड ने जीत दर्ज की।

बेंगलुरु हमें धीरे-धीरे मार रहा है, हेल्दी जिंदगी के लिए कपल ने नौकरी छोड़ी और छोड़ा बैंगलोर, शेयर की पोस्ट

बेंगलुरु। भारत की आईटी सिटी बेंगलुरु का एक कपल इन दिनों चर्चा में है। यह कपल जिसने

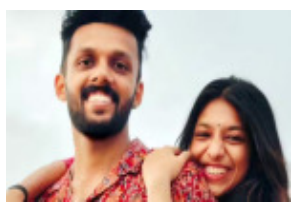

बेंगलुरु में दो साल बिताने के बाद यह शहर छोड़ने का फैसला लिया। अश्विन और अपर्णा नाम के इस कपल ने कहा कि भले ही वे बेंगलुरु के जीवंत वातावरण, सुखद मौसम और गर्मजोशी वाले लोगों को पसंद करते हैं लेकिन बेंगलुरु की हवा उन्हें रास नहीं आ रही। उन्होंने समझाया कि उनके इस कदम के पीछे का कारण बिगड़ती वायु गुणवत्ता है, जिसके बारे में उनका कहना है कि इससे उनके स्वास्थ्य पर असर पड़ा है।कपल ने शहर के लिए अपने प्यार को दोहराते हुए कहा कि वे बैंगलोर को इसके मौसम, इसके माहौल और इसके लोगों के लिए प्यार करते हैं। लेकिन समय के साथ, उन्होंने लगातार स्वास्थ्य समस्याओं को नोटिस करना शुरू कर दिया। अश्विन ने कहा हम बीमार पड़ने लगे। मुझे सांस लेने में समस्या और एलर्जी हो गई।अपर्णा ने कहा कि और मैं, जिसे सर्दी भी नहीं लगती, हमेशा खांसती और छींकती रहती हूं।' एक स्वस्थ जीवन शैली जीने के प्रयासों के बावजूद-स्वच्छ भोजन करने और नियमित रूप से व्यायाम करने के बावजूद-उन्होंने महसूस किया कि वास्तविक मुद्दा शहर की वायु गुणवत्ता थी।कपल कहता है, 'लोग कहते हैं कि बैंगलोर में ताजी हवा और अच्छा मौसम है, लेकिन क्या वास्तव में ऐसा है?' उन्होंने फरवरी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की जांच करने और 297 के एक चौंकाने वाले आंकड़े की खोज को याद किया, जिसमें हवा को बहुत अस्वस्थ और खतरनाक के रूप में वर्गीकृत किया गया था।दंपति ने स्वच्छ, स्वस्थ परिवेश की तलाश में स्थानांतरित होने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि नम्मा बेंगलुरु अद्भुत है। यहां तक कि व्यवसाय शुरू करने के लिए भी, यह सबसे अच्छी जगह है, लेकिन हमें जल्द से जल्द यह विकल्प चुनना था। इससे पहले कि शहर हमें अंदर डुबो पाता, हम बैंगलोर से निकल गए। कपल ने निर्णय की कठिनाई को स्वीकार किया, यह देखते हुए कि हमारी नौकरी और हमारे दोस्त यहां हैं, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि हमें अपने स्वास्थ्य को पहले रखना होगा। उनके वीडियो को इंस्टाग्राम पर लगभग 1 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। हालांकि, जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, इंटरनेट ने उनका ज्यादा समर्थन नहीं किया और उन्हें बहुत आलोचना मिली।

क्या गुजरात में कांग्रेस की जमीन हथिया लेगी आप? आखिर राहुल गांधी से ताकतवर कैसे हुए केजरीवाल?

अहमदाबाद। गुजरात में दो विधानसभा सीटों के उप चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) की

विसावदर में बड़ी जीत दर्ज करके चौंका दिया है। इसके बाद चर्चा छिड़ गई है कि क्या आप गुजरात में कांग्रेस की जगह लेगी? आप ने बीजेपी के गढ़ गुजरात में वह कारनामा कर दिखाया है जिसकी राजनीति प्रेक्षकों को भी बेहद कम उम्मीद थी। उप चुनाव में पार्टी ने 2022 की जीती सीट पर न सिर्फ कब्जा बरकरार बल्कि जीत का अंतर भी बढ़ा लिया। ऐसा करके आप यह बताने में सफल रही है कि उसे बीजेपी से लड़ना आता है। विसावदर की सीट पर बीजेपी को 2007 में आखिरी बार तब जीत मिली थी जब राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद सीएम थे। तब से बीजेपी केशुभाई पटेल की इस सीट पर जीत हासिल करने की जुगत में लगी है लेकिन उसकी रणनीति सफल नहीं हो पाई है। विसावदर में आप की जीत के बाद केजरीवाल की कूटनीतिक की चर्चा हो रही है। इसमें कहा जा रहा है कि दिल्ली चुनावों में खुद भी चुनाव हारकर बैठे केजरीवाल ने कैसे मजबूत होकर कम बैक कर लिया?1. हिट रहा दो गोपाल का प्रयोगः दिल्ली चुनावों में करारी हार के बाद अलर्ट मोड़ में आए केजरीवाल जानते थे कि गुजरात में अगर अपनी जीती सीट बचानी है तो कुछ अलग करना पड़ेगा। केजरीवाल ने अपने विश्वसनीय गोपाल राय को गुजरात का प्रभारी बनाया और तुरंत फिर गोपाल इटालिया को कैंडिडेट घोषित कर दिया। राज्य में आप से अधिक वोट शेयर रखने वाली कांग्रेस आखिर मे कैंडिडेट घोषित कर पाई। तब तक विसावदर में इसुदान गढ़वी गोपाल राय के साथ मिले गोपाल इटालिया के पूरी चुनावी गणित बना चुके थे।2. कांग्रेस को किनारे पर समेटाः विसावदर में आम आदमी पार्टी की जीत इसलिए बड़ी है क्यों पार्टी ने उप चुनाव में बीजेपी को हराया है। इतना ही नहीं उसे विसावदर में 51.05इ वोट मिले, जबकि कांग्रेस की जमानत जब्त हो गई। कडी में जीती बीजेपी 59.39 फीसदी वोट मिले। पंजाब में जहां आप सत्ता में हैं। वहां पर पार्टी 39.02 फीसदी वोट हासिल कर पाई। ऐसे में आप की गुजरात की जीत बड़ी है। इसीलिए आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रमुख इसुदान गढ़वी ने जीत के बाद खुला ऑफर दिया है कि कांग्रेस में जो अच्छे लीडर हैं वो आप में आए। हम बीजेपी को हराएंगे। विसादवर की जीत ने आप में नया जोश भर दिया है, तो वहीं कांग्रेस गहरे निराश में चली गई है। राहुल गांधी के 'नया गुजरात-नई कांग्रेस' की मुहिम के बाद भी गुटबाजी जारी है। उप चुनाव नतीजों के बाद प्रदेश प्रमुख शक्ति सिंह गोहिल ने इस्तीफा दे दिया है। ऐसे में कांग्रेस का संकट और बढ़ने की उम्मीद है। कांग्रेस की सौराष्ट्र में पकड़ कमजोर हो गई तो वहीं आप के पांच में चार विधायक सौराष्ट्र से हैं। जब विसावदर में गोपाल इटालिया को जीत मिली तो जवाहर चावड़ा जिंदाबाद के नारे लगे। जवाहर चावड़ा अभी बीजेपी में हैं। वे कांग्रेस से बीजेपी में गए थे। विसावदर की जीत के बाद मुमकिन है कि कुछ नेता आप का रुख करें।राहुल गांधी लोकसभा चुनावों के बाद तीन बार गुजरातआ चुके हैं। वे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को बब्बर शेर कहते हैं कार्यकर्ता जमीन पर जुटते हैं लेकिन प्रदेश ईकाई के 10 बड़े नेता चुनाव में उतरने से कतराते हैं। ऐसे में राहुल गांधी की रणनीति अमल में नहीं आ पा रही है। आप की नजर अब कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं तोड़ने की है। अगर ऐसा हुआ तो कांग्रेस के लिए संकट और बढ़ सकता है। आप ने अपनी सीट बचाकर दिखा दिया है पार्टी अभी कमजोर नहीं है। विसावदर की जीत के बाद आप ने कहना शुरू कर दिया है बीजेपी से आप ही लड़ सकती है। गुजरात में कांग्रेस के वोटर पिछले 30 साल से सत्ता परिवर्तन की उम्मीद लगाए बैठे हैं। कार्यकर्ता और जिला ईकाई के नेता संघर्ष करके थक चुके हैं। गुजरात में यह चर्चा आम रही है कि कांग्रेस के ऊपर के नेता बीजेपी से सेंटिंग कर लेते हैं। दूसरा नैरेटिव यह है कि वे कांग्रेस से जीतने के बाद बीजेपी में चले गए जाते हैं। आप का 30 महीने में एक विधायक टूटा था लेकिन आप ने सीट पर कब्जा करके हिसाब बराबर कर लिया है। ऐसे में बीजेपी को वोट नहीं करने वाले कांग्रेस समर्थक आप की तरफ जा सकते हैं।गुजरात में 1995 में सत्ता से बाहर हुई कांग्रेस के सामने अब संकट बढ़ने की उम्मीद है। विसावदर से नई संजीवनी पाकर आप फिर से अपने को मजबूत करने में जुटेगी तो वहीं दूसरी आप के सामने अपने नेताओं और वोट बैंक को साधने की दोहरी चुनौती है। राहुल गांधी के सामने समस्या यह है कि वह राज्य के नेताओं के बीच झगड़ा नहीं सुलझा पा रहे हैं। 2022 के चुनावों में आप की वजह से कांग्रेस को वोट प्रतिशत 41.4 फीसदी से घटकर 27.28 फीसदी रह गया था, जबकि बीजेपी का वोट शेयर बढ़ गया था। बीजेपी ने 156 सीटें जीती थीं उसे 49.01 फीसदी वोट से बढ़कर 52.50 फीसदी वोट मिले थे। आप को 12.92 फीसदी वोट मिले थे। ऐसे में दिल्ली वाला किस्सा अगर गुजरात में दोहराए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

मृत्युभोज में खाना खाकर मौत! बुजुर्ग ने दाल-चावल और पूड़ी खाकर तोड़ा दम, पूरे गांव ने खाया था भोजन

झाबुआ। मध्य प्रदेश के झाबुआ में एक दाल, चावल और पूड़ी खाना एक बुजुर्ग के लिए घातक साबित

हुआ। उन्होंने मृत्युभोज में भोजन किया जिसके बाद उनकी मौत हो गई। इस भोज कार्यक्रम में भोजन करने वाले कई ग्रामीण बीमार हो गए। यह घटना भामल गांव में हुई। सभी ग्रामीणों ने मिलकर एक मृत्युभोज में भोजन किया था। कुछ लोग भोजन में फूड पॉइजनिंग की आशंका जता रहे हैं। 250 ग्रामीणों ने यह भोजन किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस जांच कर रही है।झाबुआ के भामल गांव में शनिवार और रविवार को कई लोगों को उल्टी और दस्त की शिकायत हुई। इस वजह से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। पहले कहा जा रहा था कि कुएं का पानी पीने से लोग बीमार हुए हैं। लेकिन, पुलिस की जांच में कुछ और ही पता चला है। पुलिस के अनुसार गांव में एक मृत्युभोज था। ग्रामीणों ने इसमें दाल, चावल और पूड़ी खाई थी।एसपी पद्म विलोचन शुक्ल ने तुरंत पुलिस टीम को जांच करने के लिए कहा। जांच में पता चला कि ग्रामीणों ने नुक्ते का भोजन किया था। इसके बाद पुलिस ने खाना बनाने वाले रसोइए और किराना सामान देने वालों से भी पूछताछ की। एसपी शुक्ल ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने थांदला एसडीओपी, थाना प्रभारी और उनकी टीम को तुरंत जांच करने के निर्देश दिए थे। जांच में पता चला कि भामल की राजपूत धर्मशाला में लगभग 250 ग्रामीणों ने नुक्ते का भोजन किया था। यह मृत्युभोज जाधव परिवार ने आयोजित किया था। करण सिंह ने खाना बनाया था। विनोद सोलंकी की दुकान से किराना सामान लाया गया था। खाने में दाल, चावल और पूड़ी बनी थी।पुलिस की जांच के बाद अब फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई जा रही है। एक व्यक्ति की मौत होने से मामला और भी गंभीर हो गया है। एसपी शुक्ल का कहना है कि मृतक की विसरा रिपोर्ट भोपाल से आने के बाद ही सब कुछ स्पष्ट हो पाएगा।

इन्टरनेट पर चल रहे न्यूज पोर्टल समाचार चैनल किसी भी तरह के पत्रकार की नियुक्ति नहीं कर सकता है और न ही प्रेस आईडी जारी कर सकता है

नई दिल्ली। भारत में सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा फर्जी पत्रकारों एवं फर्जी प्रेस के नाम पर ब्लैकमेलिंग व वसूली का धंधा चला रहे हैं ऐसे लोगों पर अंकुश लगाना अति आवश्यक है इन पर कठोर कार्यवाही होगी। इस संबंध में सभी राज्यों के प्रेस सूचना मंत्रालय को निर्देश जारी

चैनलों पर शिकंजा कसने की तैयार शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मामले में मंत्रालय बहुत सख्त कार्यवाही की योजना बना रहा है। जिसमें जो लोग बगैर आर.एन.आई के अखबार या चैनल चला रहे हैं उन पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस मुद्दे पर सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि देश भर में जितने भी लोग प्रेस आईडीकार्ड लेकर घुम रहे हैं या फजी चैनल चला रहे हैं ऐसे लोगों की तत्काल जांच शुरू होगी। इस मामले में दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति पर त्वरित कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आगे प्रसारण मंत्री ने कहा कि कुछ दोषी लोगों के कारण अच्छे, सच्चे एवं ईमानदार पत्रकारों के छवि धूमिल हो रही है और उनके कार्य करने में बाधा उत्पन्न हो रही है। आगे जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि पूरे देश में कुछ पैसा लेकर जाली कार्ड बना कर बांटने व फर्जी पत्रकार नियुक्त करके कर दिया गया है। आगे उन्होंने बताया कि जो अखबार/पत्रिका भारत सरकार के आरएनआई द्वारा रजिस्टर्ड हो या जो टीवी/रेडियो सूचना प्रसारण मंत्रालय से रजिस्टर्ड हो उसी के द्वारा पत्रकार/संवाददाता की नियुक्ति हो सकती है व केवल उसका सम्पादक ही प्रेस कार्ड जारी कर सकता है। जब न्यूज पोर्टल के बारे में पत्रकारों ने पूछा तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इन्टरनेट पर चल रहे न्यूज पोर्टल के रजिस्ट्रेशन का प्रावधान सूचना प्रसारण मंत्रालय में नहीं है एवं कोई भी न्यूज पोर्टल एवं केबल (डिश) टीवी पर चल रहे समाचार चैनल किसी भी तरह के पत्रकार की नियुक्ति नहीं कर सकता है। और न ही प्रेस आईडी जारी कर सकता है यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता है तो वह अवैध है एवं उसके विरुद्ध कार्यवाही होनी सुनिश्चित है अगर कोई बगैर आरएनआई के पोर्टल या अखबार चलाता मिला तो उस पर उचित कार्यवाही की जाएगी और ऐसे व्यक्ति को हरगिज माफ नहीं किया जायेगा।

क्या पिता की जाति के आधार पर बच्चे को मिलेगा ओबीसी आरक्षण? सुप्रीम कोर्ट तय करेगा दिशानिर्देश

नयी दिल्ली। क्या किसी शख्स की ओबीसी कोटे की पात्रता सिर्फ उसके पिता की जाति से तय होनी चाहिए? सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के. वी. विश्वनाथन और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने एक सिंगल ओबीसी मां की ओर से अपने बेटे के लिए उठाए गए इस मुद्दे पर विचार करने के लिए सहमति जताई है। केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस. डी. संजय ने भी सुप्रीम कोर्ट से इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर विचार करने का आग्रह किया है। यह मुद्दा एक ऐसी महिला ने उठाया है जो अपने पति से अलग रहती है और अपने बच्चे के साथ रहती है। कोर्ट इस मामले में गाइडलाइंस जारी कर सकता है।सुप्रीम कोर्ट यह देखेगा कि क्या ओबीसी आरक्षण का लाभ सिर्फ पिता की जाति के आधार पर मिलना चाहिए। कोर्ट यह भी देखेगा कि अगर किसी ओबीसी महिला ने दूसरी जाति के पुरुष से शादी की है तो क्या उसके बच्चों को भी ओबीसी सर्टिफिकेट मिलना चाहिए। कोर्ट ने इस मामले को जुलाई में अंतिम सुनवाई के लिए रखा है। याचिकाकर्ता ने उन मौजूदा नियमों को चुनौती दी है जिनके अनुसार किसी शख्स को ओबीसी सर्टिफिकेट तब दिया जाता है जब उसका पिता ओबीसी हो। कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में गाइडलाइंस जारी करेगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह यह देखेगा कि क्या ओबीसी महिला के बच्चे, जिन्होंने दूसरी जाति में शादी की है, ओबीसी सर्टिफिकेट के हकदार होंगे।इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को 2012 के एक फैसले का भी सहारा लेना पड़ सकता है। उस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने एक आदिवासी महिला

और एक ऊंची जाति के पुरुष के बीच शादी के मामले पर विचार किया था। 'रमेशभाई दभाई नाइका बनाम गुजरात' मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अंतरजातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी के बीच विवाह से पैदा हुए बच्चे की जाति का निर्धारण मामले के तथ्यों को पूरी तरह से अनदेखा करके नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा था, 'अंतरजातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी के बीच विवाह में, यह माना जा सकता है कि बच्चे की जाति उसके पिता की जाति है। यह अनुमान उस मामले में और भी मजबूत हो सकता है जहां अंतरजातीय विवाह या आदिवासी और गैर-आदिवासी के बीच विवाह में, पति अगड़ी जाति का है।' कोर्ट ने आगे कहा, 'लेकिन किसी भी तरह से यह अनुमान निर्णायक नहीं है और ऐसे विवाह के बच्चे के पास यह दिखाने के लिए सबूत पेश करने का विकल्प है कि उसका पालन-पोषण उसकी मां ने किया है जो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित है। अगड़ी जाति के पिता का पुत्र होने के नाते, उसे जीवन में कोई लाभप्रद शुरुआत नहीं मिली, बल्कि इसके विपरीत, उसने उन सभी अभावों, अपमानों, जिल्लतों और बाधाओं को झेला, जैसे कि उसके समुदाय के किसी अन्य सदस्य ने, जिससे उसकी मां संबंधित थी। इसके अतिरिक्त, उसे हमेशा उस समुदाय के सदस्य के रूप में माना जाता था जिससे उसकी मां संबंधित थी, न केवल उस समुदाय द्वारा बल्कि समुदाय के बाहर के लोगों द्वारा भी।वर्तमान मामले में, केंद्र सरकार ने कहा कि याचिकाकर्ता, संतोष कुमारी, दिल्ली नगर निगम से रिटायर्ड टीचर हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि उसकी राय है कि ओबीसी माता-पिता से पैदा हुए किसी भी बच्चे को, चाहे माता-पिता अलग हों या तलाकशुदा, ओबीसी पिता या ओबीसी माता की साख के आधार पर ओबीसी प्रमाण पत्र का हकदार होना चाहिए, यह इस बात पर निर्भर करता है कि बच्चे की कस्टडी किसके पास है या कौन सक्रिय रूप से बच्चे का पालन-पोषण कर रहा है।सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने अपने हलफनामे में कहा, 'ऐसे मामलों में जहां केवल मां की साख के आधार पर ओबीसी प्रमाण पत्र जारी किया जाना है, यह स्पष्ट रूप से स्थापित किया जाना चाहिए कि बच्चा मां के साथ रह रहा है और उसका पालन-पोषण पूरी तरह से मां द्वारा किया गया है। इसके अतिरिक्त, इस लाभ के किसी भी संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए एक निवारक तंत्र मौजूद होना चाहिए।'मंत्रालय ने आगे कहा, 'ओबीसी जातियां और इससे संबंधित विषय देश में व्यक्तिगत राज्यों के मामले हैं और राज्यों को इसके लिए तंत्र शुरू करने की आवश्यकता है. यह न्यायालय राज्यों और उसके अधिकारियों को एकल ओबीसी माताओं के वार्डों के आवेदन को माता-पिता की ओर से दस्तावेजी प्रमाण के बिना संसाधित करने के लिए दिशानिर्देश या/और निर्देश जारी कर सकता है।'यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उन महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा हुआ है जो अपने पति से अलग रहती हैं और अपने बच्चों का पालन-पोषण करती हैं। अगर किसी महिला को सिर्फ इसलिए ओबीसी सर्टिफिकेट नहीं मिलता है क्योंकि उसके पिता ओबीसी नहीं हैं, तो यह उसके साथ अन्याय होगा। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में सभी पहलुओं पर विचार करेगा और उचित फैसला देगा।

'पंचायत सीजन 4' नहीं आई कुछ खास पसंद, कहानी-कॉमेडी लगी फीकी, इस ट्विस्ट से झन्नाया माथा

नयी दिल्ली। फुलेरा गांव की कहानी ने एक बार फिर से दस्तक दे दी है। 24 जून को प्राइम वीडियो पर 'पंचायत सीजन 4' स्ट्रीम होना शुरू हो गया है। प्रधान जी से लेकर सचिव जी के आस-पास बुनी गई कहानी इस बार काफी आगे निकल गई है। जितेंद्र कुमार, रघुबीर यादव, चंदन रॉय, नीना गुप्ता , संविका, दुर्गेश कुमार और अशोक पाठक अपने-अपने किरदार से दर्शकों को एक बार फिर से एंटरटेन करने में कामयाब रहे। चंदन कुमार और दीपक कुमार मिश्रा की बनाई गई इस सीरीज के बारे में लोगों का क्या कहना है, आइए जानते हैं। 'पंचायत सीजन 4' में भी 8 एपिसोड हैं। इसे जिन लोगों ने देखा, एक्स हैडल पर खुलकर अपनी राय रखी। हालांकि सबकी मिली-जुली प्रतिक्रिया मिला। कुछ ने तो पांचवे सीजन का भी जिक्र किया है। और टीवीएफ से गुजारिश की है कि वह जल्द लेकर आएं। देरी न करें। एक यूजर ने लिखा, 'परफॉर्मेंस मजबूत है। स्टोरीलाइन भी इमोशनली बढ़िया है। लव एंगल भी कहानी में अच्छा टच दे रहा है लेकिन पिछले

सीजन की तुलना में ये कई जगह बोरिंग है। बहुत कम कॉमेडी है। कहानी ऐसी लगी जैसे खींचा जा रहा है।'एक यूजर ने सीरीज का स्पॉयलर भी बता दिया और चार स्टार देकर उसकी तारीफ की है। वहीं कुछ ने बनराकस के प्रधान बनने पर अफसोस जताया है।एक यूजर ने लिखा, 'पंचायत सीजन 4 के सभी एपिसोड देख लिए। सभी एक्टर को हमेशा की तरह उनके अच्छे अभिनय के लिए सलाम और मेकर्स को उनके इतने कमाल के प्रयास के लिए थैंक यू। अब पांचवें सीजन का इंतजार कर रहा हूं।'एक यूजर ने लिखा, 'पांचवां एपिसोड आशीर्वाद पीक पर है। इसमें पॉलिटिक्स मेजर प्लॉट है। लेकिन पिछले सीजन से तुलना किए बिना नहीं रहा जा सकता।' बता दें कि पहले ये सीजन 2 जुलाई को रिलीज किया जा रहा था लेकिन फिर इसको हफ्तेभर पहले ही स्ट्रीम किया गया।

तमिल एक्टर श्रीकांत ड्रग्स केस में गिरफ्तारःकोकीन के सेवन का आरोप, '3 इडियट्स' की रीमेक 'ननबन' जैसी फिल्मों में कर चुके हैं काम

नयी दिल्ली। तमिल एक्टर श्रीकांत को ड्रग्स से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया है। सोमवार को उनकी गिरफ्तारी चेन्नई की नुंगम्बक्कम पुलिस ने की।द हिंदू की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस का कहना है कि श्रीकांत ने एक ड्रग नेटवर्क से कोकीन खरीदी थी। इस नेटवर्क में एक घानाई नागरिक भी शामिल है, जिसे हाल ही में पकड़ा गया है। इस केस में एक और एक्टर कृष्णा का नाम भी सामने आया है, जिसके इस समय केरल में होने का संदेह है।चेन्नई पुलिस के एक सीनियर ऑफिसर ने बताया कि श्रीकांत हाल ही में गिरफ्तार तीन ड्रग अपराधियों के लगातार संपर्क में था। जांच में पता चला है कि श्रीकांत ने कोकीन खरीदी और उसका सेवन भी किया। मामले की जांच जारी है।श्रीकांत के नुंगम्बक्कम लेक एरिया स्थित घर की तलाशी में पुलिस को कोकीन की थोड़ी मात्रा मिली। सोमवार सुबह उन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया और राजीव गांधी सरकारी अस्पताल में टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।श्रीकांत को श्रीराम कृष्णमाचारी के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने 2002

की तमिल फिल्म 'रोजा कूटम' से डेब्यू किया था। उन्होंने 'एप्रिल माधाथिल', 'पार्थिबन कनवु', 'ओकरीकि ओकारु' और '3 इडियट्स' के तमिल रीमेक 'ननबन' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्हें कई नंदी और फिल्मफेयर अवॉर्ड मिल चुके हैं।17 जून को एंटी-नारकोटिक्स इंटेलिजेंस यूनिट की जानकारी के आधार पर नुंगम्बक्कम पुलिस ने प्रदीप कुमार उर्फ प्राडो (38, सलेम) और जॉन (38, घाना) को 11 ग्राम कोकीन के साथ पकड़ा था। कोकीन कथित तौर पर बेंगलुरु से लाई गई थी, जिसे प्रदीप और जॉन रु7,000 प्रति ग्राम के रेट से खरीदा और चेन्नई में रु12,000 में बेचा। पूछताछ में प्रदीप ने बताया कि उसने यह ड्रग्स टी. प्रसाद को बेचा था। प्रसाद ने यह कोकीन पिछले महीने एक पब में श्रीकांत को बेची थी। प्रसाद को पहले एक बार में हुए झगड़े और हैदराबाद के कारोबारी से धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, प्रसाद ने फिल्म प्रोडक्शन में श्रीकांत के साथ काम भी किया था।

पवन सिंह के सास-ससुर के घर में चोरी

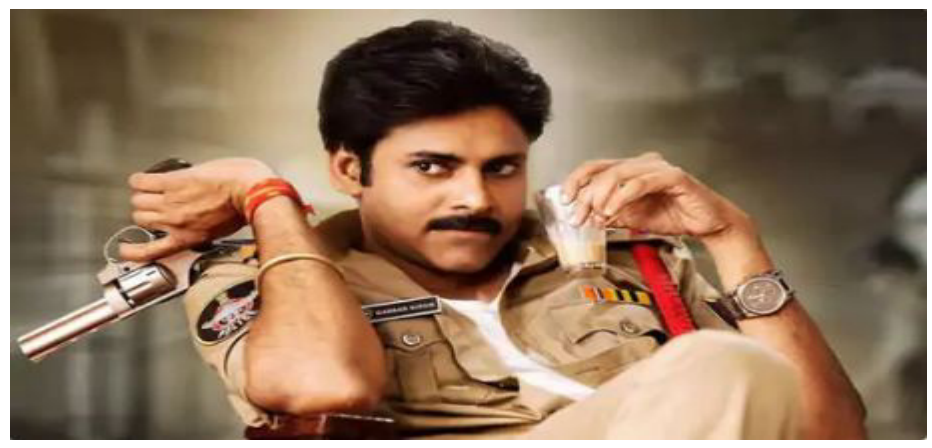

भोजपुरी फिल्म स्टार पवन सिंह के सास-ससुर के घर चोरी हो गई है। बदमाश खिड़की काटकर अंदर घुसे और 15 लाख के गहनों के अलावा राइफल की 30 बुलेट्स, 15 हजार कैश और बाकी कीमती सामान लेकर भाग गए। घटना नगर थाना क्षेत्र न्यू मारुति नगर की है और पवन सिंह के बड़े भाई रानू सिंह ने स्थानीय थाने में एफआईआर दर्ज करवाई। रिपोर्ट के मुताबिक, पवन सिंह के सास-ससुर आरा में रहते हैं। जिस घर में चोरी हुई, उसमें सास-ससुर के अलावा कोई नहीं था। घटना के वक्त पवन सिंह के सास-ससुर दूसरे कमरे में सो रहे थे। तभी बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया।पवन सिंह के भाई रानू सिंह ने बताया कि उन्हें खबर मिली थी कि घर का दरवाजा अंदर से बंद है। वह जब आए तो देखा खिड़की खुली थी। चोरों ने खिड़की को पेचकस से खोला, अंदर घुसे और राइफल की 30 बुलेट्स के अलावा 15 हजार रुपये कैश और गहने लेकर उड़ गए।

'बुड्ढा सठिया गया है...' अमिताभ बच्चन के पीछे हाथ धोकर पड़े यूजर्स, बिग बी ने भी सबको चुन-चुनकर दिया करारा जवाब

नयी दिल्ली। अमिताभ बच्चन और ट्विटर यानी एक्स का 'चोली दामन' का साथ है। शायद ही कोई दिन जाता होगा, जब वह कोई ट्वीट नहीं करते होंगे। लेकिन अकसर ही वह अपने ट्वीट्स के कारण यूजर्स के निशाने पर आ जाते हैं। ऐसा नहीं है कि उनके ट्वीट्स में कुछ आपत्तिजनक या कोई ऐसी बात होती है, जो किसी को दुख पहुंचाए, पर फिर भी यूजर्स उनका पीछा नहीं छोड़ते। बहुत बार अमिताभ बच्चन यूजर्स को सीधे तौर पर जवाब देने से बचते हैं, पर इस बार उन्होंने उन्हें नहीं बख्शा। अमिताभ बच्चन ने यूं ही एक पोस्ट किया, और यूजर्स उस पर भी उनके पीछे पड़ गए। यह देख अमिताभ ने कुछ यूजर्स को पकड़ लिया और उन्हें अपने अंदाज में जवाब देकर बोलती बंद कर दी। हद तो तब हो गई जब कुछ यूजर्स ने अमिताभ के साथ बेहदूगी की, और भद्दे कमेंट्स किए।अमिताभ बच्चन ने एक्स पर ट्वीट किया था, 'टी 5419- जी हां हुजूर, मैं भी एक प्रशंसक हूँ। तो' इस पर एक यूजर ने लिखा, 'सर ये पोस्ट आप खुद करते हो या कोई असिस्टेंट है आपका?' अमिताभ ने जवाब दिया, 'मैं खुद करता हूं। अभी समय हुआ है 23 जून, 12:05 बजे।'एक यूजर ने हद कर दी और लिखा, 'बुड्ढा सठिया गया है।' अमिताभ ने यह ट्वीट देखा और उसे जवाब देने से खुद को रोक नहीं सके। उन्होंने लिखा, 'एक दिन भगवान न करें जो जल्दी आए, आप भी सठिया जाएंगे। परंतु हमारे यहां कहावत है - जो साठा, सो पाठा।'एक ने लिखा, 'तो फोन पर बोलना बंद करो भाई।' अमिताभ ने जवाब दिया, 'सरकार को बोलो भई, उन्होंने हमसे कहा सो किया।'एक और यूजर ने लिखा, 'सॉलिड गांजा फूंकते हो सर।', अमिताभ का जवाब था- एक गंजा फूंके हुए ही ऐसे लिख सकता है

जैसे आपने लिखा है।'हाल ही अमिताभ ने बेटे अभिषेक बच्चन की फिल्म 'कालीधर लापता' का ट्रेलर देख उनकी तारीफ की थी। इस पर एक यूजर ने पूछा था कि वह अभिषेक की तारीफ करते हैं, पर पत्नी जया या बहू ऐश्वर्या की नहीं करते। जवाब में अमिताभ ने कहा था कि वह दिल में तारीफ करते हैं, पब्लिक के बीच नहीं।प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो अमिताभ बच्चन अब जल्द ही 'कल्कि 2898 एडी' के दूसरे पार्ट में नजर आएंगे, जिसकी जल्द ही शूटिंग शुरू होगी। इसके अलावा वह 'कौन बनेगा करोड़पति' का भी नया सीजन लेकर लौट रहे हैं।

'अक्षरधामः ऑपरेशन वङ्का शक्ति' का ट्रेलर रिलीज, एनएसजी कमांडो अक्षय खन्ना को देख लोग बोले- उनके लिए बुरा लग रहा

नयी दिल्ली। अक्षय खन्ना अपनी फिल्म 'अक्षरधामः ऑपरेशन वङ्का शक्ति' के साथ एक बार फिर से सिनेमाघरों में एंट्री के लिए पूरी जहां एनएसजी अधिकारी के रूप में अक्षय खन्ना को संदेश मिलता है, 'गौर से सुनिएगा, आपके वजीर-ए-आलम के लिए पैग़ाम है। इसी से हुआ। साहस, बलिदान और जीवित रहने की कहानी जीवंत हो उठी है। अक्षरधामः ऑपरेशन वङ्का शक्ति 4 जुलाई से सिनेमाघरों

तरह से तैयार हैं। हाल ही में अक्षय खन्ना फिल्म 'छावा' में ऑरंगजेब के किरदार में धूम मचा गए और अब ऐसा लग रहा है कि एक बार फिर वो अपने धाकड़ अंदाज में दिखने वाले हैं। 'अक्षरधामः ऑपरेशन वङ्का शक्ति'का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसमें उन्हें देखकर कइयों को उनकी फिल्म 'बॉर्डर' वाले किरदार की याद आ गई है। केन घोष निर्देशित फिल्म 'अक्षरधामः ऑपरेशन वङ्का शक्ति' फिल्म में अक्षय खन्ना राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के अधिकारी मेजर हनुत सिंह की भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म साल 2002 में गुजरात के अक्षरधाम मंदिर पर हुए दुखद आतंकी हमले और उसे नाकाम करने के लिए भारत के एनएसजी द्वारा चलाए गए ऑपरेशन पर बेस्ड कहानी है जिसके ट्रेलर ने रिलीज होते ही फैन्स का दिल जीत लिया है। इस फिल्म में अक्षय के अलावा गौतम रोडे, विवेक दहिया, अक्षय ओबेरॉय और अभिलाष चौधरी जैसे कलाकार भी हैं। ये फिल्म अगले महीने 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।ट्रेलर की शुरुआत से टेंशन भरे माहौल से होती है के साथ आतंकी की आवाज आती है जिसमें वो कहता है, 'जब जब ऐसा लगे कि हम खामोश हैं तब-तब ऐसा धमाका हो।' इसी के साथ खूनी खेल शुरू होता है और आतंकियों की गोलियों के निशाने पर होते हैं कई निर्दोष लोग।24 सितंबर 2002 को कई आतंकवादियों ने गांधीनगर , गुजरात , भारत में स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर पर हमला किया था जिसमें कई निर्दोषों की जान गई। सच्ची कहानी पर बेस्ड इस फिल्म के ट्रेलर में उसी भयावह मंजर को फिल्माया गया है जो रूह कंपाने वाला है। इस मंदिर में बंधक बनाए लोगों को छुड़ाने के लिए एनएसजी कमांडो ने चालाकी से उनकी मदद की। आखिरकार इस रेस्क्यू ऑपरेशन में पूरी रात ऑपरेशन जारी रखा और आतंकियों पर काबू पा लिया गया था।फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने की घोषणा मेकर्स ने सोशल मीडिया पर की है। फिल्म से जुड़ा एक पोस्टर शेयर किया गया है जिसमें मंदिर के खंभों और साथ में हाथों में बंदूक लिए कमांडो की परछाई नजर आ रही। कैप्शन में लिखा है, 'एक आतंकी घटना का सामना बेमिसाल बहादुरी में।'अक्षय खन्ना स्टारर इस फिल्म को लेकर लोग काफी एक्साइटेड हैं। एक ने लिखा, 'अद्भुत, अक्षय खन्ना की एक्टिंग को कोई नहीं हरा सकता।' एक और ने कहा, 'भारत में इस तरह की कई फिल्में बनानी चाहिए। गर्वित भारतीय।' वहीं कई लोगों को अक्षय की ये झलकियां देख उनकी फिल्म 'बॉर्डर' की याद दिला रही है उन्हें। इस बीच, आलोचनाएं भी हो रही हैं। एक कॉमेंट में किसी ने लिखा, 'बॉलीवुड के पास कोई नया कॉन्टेंट नहीं, बनाने को।' एक अन्य ने लिखा, 'यह कहानी कितनी बार बताई जाएगी? हमारे पास पहले से ही एक फिल्म, एक वेब सीरीज और अब एक और है। अक्षय के लिए बुरा लग रहा है। वह बेहतर स्क्रिप्ट के हकदार हैं।' एक अन्य ने लिखा था, 'क्या फिल्म को टीवी पर बहुत बार देख चुका हूं, अब नाम बदल कर दोबारा रिलीज कर रहे हैं।'यहां ये भी बताया जा रहा है कि अक्षय की ये फिल्म अक्षय खन्ना की फिल्म 'स्टेट ऑफ सीजः टेंपल अटैक' ही है जो 2021 में ओटीटी पर रिलीज हुई थी। अब चार साल बाद बड़े पर्दे पर इसका नाम बदलकर इसे रिलीज करने की तैयारी हो रही है।

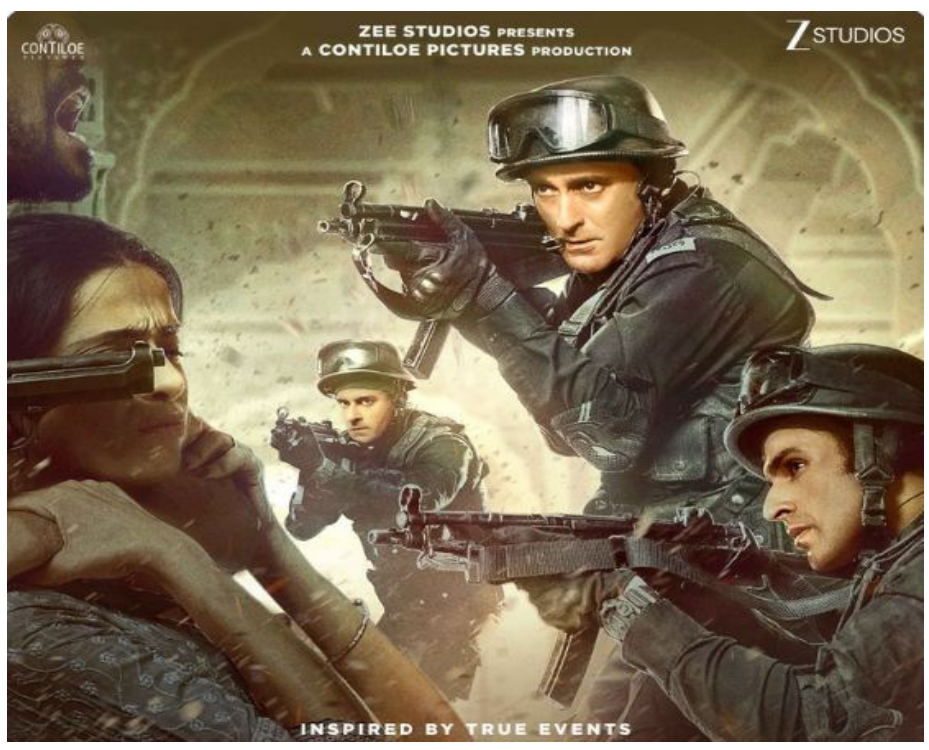

'द फैमिली मैन 3' का फर्स्ट लुक रिलीज, पहली झलक देखकर मची खलबली, बोले- फाइनली श्रीकांत-जेके की परफेक्ट जोड़ी

नयी दिल्ली। मनोज बाजपेयी 'द फैमिली मैन' के सीजन 3 के साथ एक बार अपने दमदार अंदाज में छा जाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। मेकर्स ने इस सीजन का एक पोस्ट शेयर करते हुए कुछ ताजा अपडेट्स शेयर किए हैं, जिसे देखकर फैन्स में खलबली मच गई है। मनोज बाजपेयी 'द फैमिली मैन' के सीजन 3 के साथ श्रीकांत तिवारी के रूप में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मेकर्स

ने नए सीजन को लेकर ऑफिशियली अनाउंस किया है और फर्स्ट पोस्टर शेयर किया है। मनोज बाजपेयी अपनी फेमस और मोस्ट अवेटेड वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के सीजन 3 को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। 'द फैमिली मैन' सीजन 3 का फर्स्ट पोस्टर सामने आया है जिसमें मनोज बाजपेयी के चेहरे पर चिंता की लकीरें और कुछ बंदूकधारी का निशाना उनपर है। इसी के साथ मेकर्स ने इस सीजन को लेकर कुछ रोमांचक अपडेट दिया है जिसमें इसके रिलीज की भी जानकारी दी गई है। मेकर्स ने ऑफिशियली उन कलाकारों का भी जिक्र किया है जो इस सीजन में नजर आनेवाले हैं।मंगलवार को प्राइम वीडियो ने इंस्टाग्राम पर एक नए पोस्टर के साथ ही सीज़न 3 को लेकर ऑफिशियली जानकारी दी। 'सीज़न 3' का पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, 'हमारे परिवार के लोगों पर सभी की नज़र क्ष्ऊपर्ईस्त्र्र्ल्हध्ह्झ्स, नया सीज़न, जल्द ही आ रहा है।' इस पोस्ट में मनोज बाजपेयी, प्रियामणि, शारिब हाशमी और निर्देशक राज और डीके समेत कुछ कलाकारों को टैग किया गया, जो इस सीजन का हिस्सा हैं।कैप्शन में इस सीजन में नजर आनेवाले कलाकारों को भी टैग किया गया है। इनमें तमिल स्टार संदीप किशन, जुगल हंसराज, श्रेया धनवंतरी, दर्शन कुमार, दलीप ताहिल, सीमा बिस्वास, विपिन कुमार शर्मा और हरमन सिंघा शामिल हैं। गुल पनाग, जो सीजन 1 में नजर आई थीं वो भी इस शो में वापसी करने वाली हैं।दिलचस्प ये है कि मनोज ने मार्च में ओटीटीप्ले से कहा था, 'हमने दो साल पहले जयदीप अहलावत को कास्ट किया था और उन्होंने पाताल लोक सीज़न 2 के साथ बहुत अच्छा काम किया है। हमारी किस्मत से, वह द फैमिली मैन के सीज़न 3 में हैं। यह सीज़न बहुत बड़ा और बहुत खूबसूरत है।' वहीं इस पोस्ट में जयदीप अहलावत का कहीं जिक्र नहीं किया गया है।वही 'द फैमिली मैन 3' के इस पोस्टर और मेकर्स के अनाउंसमेंट के बाद से दर्शकों में अलग ही खुशी नजर आ रही है। लोगों ने कहा है कि अब और इंतजार मुश्किल है।

पवन कल्याण ने बॉलीवुड पर कसा तंजःकहा- हिंदी सिनेमा ने अपना अस्तित्व खो दिया, परंपराओं-संस्कृति को भूलकर बस पैसा कमाने में लगे हैं

नयी दिल्ली। टॉलीवुड के सुपरस्टार और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बने पवन कल्याण ने सिर्फ मुनाफा कमाने की सोच का ज्यादा प्रभाव पड़ चुका है। कुछ फिल्मों में भारतीय संस्कृति से जुड़ी यहां तक कह दिया कि बॉलीवुड ने अपनी पहचान खो दी है। उन्होंने कहा कि कुछ ही फिल्में ऐसे बनी,

बॉलीवुड को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हिंदी सिनेमा धीरे-धीरे भारतीय संस्कृति से दूर होता जा रहा है, जबकि साउथ की फिल्म इंडस्ट्री आज भी अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक से जुड़ी हुई है।पवन कल्याण ने 'ऑर्गनाइजर वीकली' से बातचीत के दौरान देश में सिनेमा के बदलते स्वरूप पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हिंदी फिल्मों पर ग्लोबलाइजेशन और बातों को दिखाया तो जाता है। लेकिन उनका भी मजाक बना दिया जाता है।साउथ इंडस्ट्री की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सिनेमा अब भी अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है। इन फिल्मों में हमारी संस्कृति और परंपराएं झलकती हैं। वहीं दूसरी ओर, बॉलीवुड में अब सिर्फ मुनाफे की मानसिकता हावी होती जा रही है।'पवन कल्याण ने जिसमें भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को अच्छे से दिखाया गया था। जैसे ही आमिर खान की फिल्म दंगल। लेकिन अब ऐसे फिल्में बनना भी बंद हो चुकी हैं।पवन कल्याण जल्द ही फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसके अलावा वह अपने अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग तेजी से पूरी कर रहे हैं।

रोनित रॉय ने ठुकराया क्योंकि सास भी कभी बहू थी-2ःकहा- लंबे समय तक टीवी पर बने रहने के खिलाफ, जहां हूं, वहीं खुश हूं

नयी दिल्ली। एक समय के मशहूर टीवी शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी की जल्द ही टीवी पर नए सीजन के साथ वापसी होने कर रहे हैं। लेकिन अफसोस कि ये मेरे लिए कारगर नहीं रहा। ये एक ऐसा शो है जो मेरे दिल के बेहद करीब है। मैंने अपनी जिंदगी इसलिए एक बार ऐसा होने के बाद ही मैं वापस आऊंगा। जब तक, मैं जहां हूं वहीं खुश हूं।8 जून को स्मृति ईरानी और अमर उपाध्याय ने शो

वाली है। सो की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। कुछ समय पहले ही प्रोड्यूसर एकता कपूर ने इस सिलसिले में स्मृति ईरानी से मुलाकात भी की थी। हालांकि शो में मिहिर वीरानी का लीड रोल करने वाले एक्टर रोनित रॉय ने शो का ऑफर ठुकरा दिया है। इस बात का खुलासा खुद रोनित ने किया है। हाल ही में ई-टाइम्स को दिए दिए इंटरव्यू में रोनित रॉय ने शो की वापसी पर कहा है, मुझे खुशी है कि वो क्योंकि सास भी कभी बहू थी को वापस लाने का प्लान के 8 साल इस शो में काम किया है। मैं मेकर्स और सभी कलाकारों और क्रू मेंबर्स को शुभकामनाएं देता हूं। इसे देखने के लिए एक्साइटेड हूं।आगे रोनित रॉय ने शो ठुकराने पर कहा, मैं लंबे समय तक शो करने या लंबे समय तक टीवी पर बने रहने के खिलाफ हूं। जैसा कि मैंने बताया है कि टीवी पर अभी भी बहुत कुछ होना बाकी है। जब मैंने शुरुआत की थी तब से 25 साल बीत चुके हैं और दुनिया काफी बदल चुकी है। टीवी के संबंध में कुछ चीजों को ठीक करने की जरूरत है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 की प्रोड्यूसर एकता कपूर से मुलाकात की है। ज़ूम की रिपोर्ट के अनुसार, स्मृति और अमर ने शो साइन किया है। उन्होंने शो की शूटिंग भी शुरू कर दी है। बताते चलें कि शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। शो बेहद पॉपुलर रहा और कई ट्विस्ट के साथ ये शो 8 सालों तक चला और टॉप पर रहा। इसी शो से स्मृति ईरानी को देश भर में पहचान मिली थी। हालांकि इसके बाद उन्होंने एक्टिंग करियर छोड़ राजनीति में कदम रखा था।

आमिर खान ने बताई धूम 3 की ओरिजनल कहानी,बोले- अभिषेक की ऑनस्क्रीन पत्नी का रोल हटाया गया, होता तो फिल्म और बड़ी ब्लॉकबस्टर होती

नयी दिल्ली। आमिर खान ने फिल्म धूम 3 में डबल रोल निभाया था। इस फिल्म में उनके अपोजिट कटरीना कैफ नजर आई थीं। अब हाल ही में आमिर ने फिल्म की कहानी के बारे में बात की।आमिर खान ने मैशबेल इंडिया से बातचीत में कहा, फिल्म में एक बेहद जरूरी किरदार होना चाहिए था, जो आखिरी वक्त में मेकर्स के कहने पर हटा दिया गया। यह किरदार अभिषेक बच्चन यानी कि जय दीक्षित की वाइफ स्वीटी का था, जो पहले दो पार्ट में रिमी सेन ने निभाया था।कहानी में जय दीक्षित और स्वीटी की तलाक की बात दिखाई जानी थी। कहानी में दिखाया जाना था कि स्वीटी का कहना है कि जय अपनी ड्यूटी में इतना बिजी रहता है कि वह परिवार को टाइम नहीं दे पाता है, इसी कारण वह उससे तलाक मांगती। हालांकि, जय पत्नी से एक आखिरी मौका मांगता और दोनों फिर हनीमून पर जाने का फैसला

करते, ताकि उनके रिश्ता बच सके।आमिर ने कहा, कहानी में आगे जब जय अपनी पत्नी के साथ हनीमून के लिए निकलने वाला होता है, तभी कमिश्नर का फोन आ जाता और वह उसे तुरंत शिकागो किसी जरूरी केस के लिए जाने को कहते हैं। जय स्वीटी को साथ ले जाने और वहां मामला सुलझाने के लिए मना लेता है। फिल्म में इससे स्वीटी और जय के रिश्ते को आगे बढ़ता हुआ दिखाया जाना था।आमिर खान की मानें तो अगर यह हिस्सा फिल्म में रहता तो फिल्म और भी ज्यादा भावुक हो सकती थी। इससे दर्शक जय दीक्षित की मुश्किलों और परेशानियों को भी समझ पाते।बता दें, धूम फ्रेंचाइजी की 3 फिल्में, धूम, धूम 2 और धूम 3 रिलीज हो चुकी हैं। पहली फिल्म में अभिषेक बच्चन, जॉन अब्राहम, उदय चोपड़ा अहम किरदारों में थे, जबकि दूसरी फिल्म धूम 2 में अभिषेक बच्चन, ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय लीड रोल में थे।साल 2013 में रिलीज हुई धूम 3 में आमिर खान ने डबल रोल निभाया था, जबकि उनके साथ कटरीना कैफ भी थीं। वहीं, अब धूम 4 की घोषणा हो चुकी है। इस फिल्म में रणबीर कपूर नजर आएंगे।

आमिर खान ने मुझे ड्रग्स दिए, बंधक बनाया... जब फैजल ने भाई पर लगाए गंभीर आरोप

नयी दिल्ली। बॉलीवुड में ऐसे कई स्टार किड्स और भाई-बहन हैं, जिनमें से एक को जबरदस्त स्टारडम मिला, तो दूसरा स्ट्रगल ही करता रह गया। आमिर खान और फैजल खान भी उन्हीं में से एक हैं। मशहूर एक्टर और फिल्ममेकर ताहिर हुसैन के दोनों बेटे-आमिर और फैजल ने भी पिता की तरह फिल्मी दुनिया में नाम कमाने का फैसला किया। जहां आमिर बड़े स्टार बन गए, वहीं फैजल का करियर गर्त में चला गया। आज उनके पास कोई फिल्म या प्रोजेक्ट भी नहीं है, वहीं आमिर 'सितारे जमीन पर' को लेकर चर्चा में हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई कर रही है। फैजल खान तब सुर्खियों में आए थे, जब उन्होंने आमिर पर उन्हें किडनैप करने और ड्रग्स देने के आरोप लगाए थे। यहां उसी के बारे में बता रहे हैं।फैजल खान ने यह भी कहा था कि वह बीमार नहीं थे, पर उनके भाई और मां ने उनका जबरदस्त इलाज करवाना और दवाइयां खिलाना शुरू कर दिया था। तब फैजल खान को कोर्ट में भाई आमिर के खिलाफ केस लड़ना पड़ा था ताकि वह खुद को मानसिक रूप से स्वस्थ साबित कर सकें।बताया जाता है कि फैजल खान मानसिक रूप से बीमार थे, और इसलिए वह घर से भाग गए थे। पर कुछ दिनों बाद वह घर वापस लौट आए और तब आमिर खान पर कई आरोप लगाए थे। फैजल खान ने कहा था कि आमिर उन्हें मानसिक रूप से बीमार बताकर दवाई खाने को मजबूर करता था।फैजल खान ने साल 2008 में 'हिंदुस्तान टाइम्स' को दिए इंटरव्यू में कहा था, 'मैं कभी बीमार ही नहीं था। जो कुछ भी मेरे बारे में कयास लगाए और कहा गया, वो सब मेरे बड़े भाई (आमिर खान) और परिवार के कुछ सदस्यों ने फैलाया था। इसी वजह से मेरी स्वास्थ्य को लेकर गलतफहमी पैदा हुई।'

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।